

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 4, 1979 (श्रावण 13, 1901)

No. 31] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 4, 1979 (SRAVANA 13, 1901)

इस भाग में मिस्त्र पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संस्करण के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—पर्ट 1

PART III—SECTION 1

उच्च स्थायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे विभाग और भारत सरकार के संस्करण और अद्वीत कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएँ।

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जून 1979

सं. ०पी० 1782/प्रशा० II—इस कार्यालय की अधिसूचना सं. ०ए० 12026/1/76-प्रशा० II दिनांक 8 जून 1979 के बनुक्रम में महालेखाकार कार्यालय, हरियाणा में लेखा अधिकारी श्री एल० आर० सरीन को 7-6-79 से 31-5-1980 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले ही, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में विस एवं बजट अधिकारी (पहले विस एवं लेखा अधिकारी के रूप में पदनामित) के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 30 जून 1979

सं. ०पी० 1042/प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी निजी सचिव (के० स० स्ट० से० का चयन ग्रेड) श्री टी० एम० कोकेल को एतद्वारा 30 जून, 1979 के अपराह्न से अध्यक्ष के विशेष महायक के पद पर अस्थायी तौर पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन,
अवर मंत्रिव,
हृते अध्यक्ष,

गृह मंत्रालय

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 12 जुलाई 1979

सं. ० प्र० ० दो०२४/८०-स्थापना—कर्नल पी० के० जैन (प्रबोधकारी प्राप्त) ने प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्ति पर उप नियंत्रक (निमणि), महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्ली के पद का कार्यभार दिनांक 28-2-79 (अपराह्न) से ल्याग दिया।

सं. ० डी० एफ० ३/७५-स्थापना—राष्ट्रपति, एस० ए० आर०, सी०पी० एल० के एक अधिकारी श्री जी० एम० पत्रटर्फिया की प्रतिनियुक्ति पर के० रि० पु० बल में उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर अस्थाई रूप में, अगले आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

2. उन्होंने उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर) के पद का कार्यभार 19वीं बाहिनी में 7-6-79 पूर्वाह्न को संभाला।

दिनांक 13 जुलाई 1979

सं. ० एफ० २/३८/७८-स्थापना—राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नलिखित चिकित्सा अधिकारियों को जनरल

इयूटी आफिसर ग्रेड-II के पद पर दिनांक 22-6-79 से स्थाई रूप में नियुक्त करते हैं :—

1. डा० (श्रीमती) बी० डी० सूजा
2. डा० पी० पान्डा
3. डा० डी० एन० कार
4. डा० कामदेव सारंगी
5. डा० सत्यानंदा पटनायक
6. डू० एस० सी० माहापात्रा
7. डा० टी० के० रोय
8. डा० (श्रीमती) एच० महापात्रा
9. डा० राज किशोर प्रधान
10. डा० कुलोमनी माहापात्रा
11. डा० सामन्तरा नारायण दास
12. डा० पदमा चरन साहू
13. डा० बन्धानिधि आचार्य
14. डा० बी० सी० साहू
15. डा० अशोक कुमार दास
16. डा० सत्यारंजन दास
17. डा० पी० सी० धीर सामन्था
18. डा० एम० के० बेहरा
19. डा० दीपक माहापात्रा
20. डा० सतनारायण पटनायक
21. डा० रमाकान्त मोहन्ती
22. डा० गिरीश चन्द्र मोहन्ती
23. डा० ऊमेश चन्द्र बिश्वास
24. डा० के० सी० परीदा
25. डा० एम० एन० धीया
26. डा० के० के० सैनी
27. डा० (श्रीमती) बी० एम० सीतालक्ष्मी
28. डा० बी० के० जी० भट्ट
29. डा० एस० एन० जयप्रकाश
30. डा० एन० सी० कामय
31. डा० (श्रीमती) नूरीन खान
32. डा० सुरेन्द्र प्रसाद मिश्रा
33. डा० सुनील कान्त मिश्रा
34. डा० ग्रन्थिया चन्द्र द्विपाठी
35. डा० (श्रीमती) जे० बी० ग्रन्थवास
36. डा० अजोय बलभद्र घोष
37. डा० (श्रीमती) सुमित्रा बहादुर
38. डा० सोमया कान्ता दास
39. डा० प्रसन्ना कुमार कार
40. डा० प्रमोद कुमार दास
41. डा० नरेश चन्द्र नायक
42. डा० धीरेन्द्र कुमार पटनायक
43. डा० विश्वनू प्रसाद प्रहाराज
44. डा० दिवाकर मिश्रा
45. डा० सुरेश चन्द्र सामल

46. डा० श्री हरमा मार्मी
47. डा० सुरेन्द्र कुमार साहू
48. डा० मुरली धर दास
49. डा० निमयेचरन मोहन्ती
50. डा० प्रफुल्ला कुमार नायक
51. डा० महेष कुमार द्विवेदी
52. डा० सारदा प्रसाद पटनायक
53. डा० मोहम्मद सकीब
54. डा० श्रीनाथ पुरन्दोर
55. डा० मर्वेश्वर सतपथी
56. डा० अशोक कुमार दास
57. डा० विश्वनू चरन वास
58. डा० महेश्वर साहू
59. डा० प्रताप कुमार प्रधान
60. डा० देवा हनुमन्थ्येया
61. डा० (कुमारी) सुरजीत कौर चिल
62. डा० सुधांशु शेखर पात्रा
63. डा० रंजन कुमार दास
64. डा० रमेश चन्द्र मोहन्ती
65. डा० दिनेश कुमार जैन
66. डा० विचित्रा नंद बहेरा
67. डा० मुरारी देहरी
68. डा० सनातन द्विपाठी
69. डा० ग्रन्थ कुमार सतपथी
70. डा० भवर लाल मीना
71. डा० सी० प्रार० के० मूर्ती राव
72. डा० प्रभास चन्द्र महापात्रा

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक
(प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जुलाई 1979

सं० 11/80/79-प्रशा०-I-13336—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक मेवा के संघ राज्य क्षेत्र संघर्ग के अधिकारी और इस समय पांडिचेरी सरकार में राजस्व सचिव सह समाहर्ता के पद पर कार्यालय श्री पी० एल० सामी को तारीख 28 जून, 1979 के पूर्वान्तर से अगले आदेशों तक पांडिचेरी में पदेन जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं ।

2. श्री सामी का मुख्यालय पांडिचेरी में होगा ।

पी० पश्चनाम,
भारत के महापंजीकार

सं० 11/84/79-प्रशा०-I-13339—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के कर्णटक संवर्ग के अधिकारी श्री के० एस० नेमी को तारीख 10 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक हिमाचल प्रदेश, शिमला में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री नेमी का मुख्यालय शिमला में होगा।

राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री पी० सालनिधंगा को तारीख 12 जून, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक मिजोरम, एशियाबल में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री लालनिधंगा का मुख्यालय एशियाबल में होगा।

सं० 11/85/79-प्रशा०-I-13343—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के राजस्थान संवर्ग के अधिकारी श्री आई० श्रीवास्तव को तारीख 9 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक जयपुर, राजस्थान, में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री श्रीवास्तव का मुख्यालय जयपुर में होगा।

सं० 11/86/79-प्रशा०-I-13347—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के महाराष्ट्र संवर्ग के अधिकारी श्री पी० पी० महाना को तारीख 2 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री महाना का मुख्यालय बम्बई में होगा।

सं० 11/87/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के केरल संवर्ग के अधिकारी श्री एस० विजयनन्दनीनिष्ठ्यर को तारीख 30 जून, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक केरल, त्रिवेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री निष्ठ्यर का मुख्यालय त्रिवेन्द्रम में होगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002, दिनांक 13 जुलाई 1979

सं० प्रशा० 1/का० आ० सं० 141/5-5/प्रगति/79-80/
642—अधिकारीषिकी आपू को पूरा कर लेने के फलस्वरूप इस कार्यालय के एक स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी श्री के० सी० मेहरा 30 जून, 1979 के पूर्वाह्न से भारत सरकार की सेवा में निवृत हो चुके हैं।

उनकी जन्मतिथि 30/6/1921 है।

समर राय,
उप-निदेशक लेखा परीक्षा
(प्रशा०)

डॉ जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,
महानिदेशालय, आईनैन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 5 जुलाई 1979

सं० 79/ए/ई-I—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री विपुलेन्द्र नाथ मित्र, मौलिक एवं स्थायी ए० एस० ओ० विनांक 30-6-1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

शुद्धि पत्र

सं० 11/79/ए०/ई० I (एन० जी०) —महायक स्टाफ अफ-मर के पद पर प्रीब्रति के सम्बन्ध में इस महानिदेशालय के दिनांक 12-1-79 को अधिसूचना संख्या 2/79/ए०/ई०—I (एन० जी०) में :—

बास्ते—“श्री शंकरलाल मंडल, स्थायी महायक”

पढ़ा जाए—“श्री शंकरलाल मंडल, स्थानापन्न सहायक”।

दिनांक 9 जुलाई, 1979

सं० 12/79/ए/ई-1 (एन० जी०) —डॉ० जी० ओ० एफ० महोदय निम्ननिवित अफसरों को प्रत्येक के सामने दर्शाए गए पदों पर और तारीखों से स्थानापन्न आधार पर, विस्तृता पर बिना प्रभावित हुए, प्रोष्ठित करते हैं :—

- | | |
|--|------------|
| (1) श्री सी० ए० शंकरनारायणन स्टेनोग्रेड | 2-4-79 |
| स्टेनोग्रेड 'बी' / वरिष्ठ निजी 'ए' निजी सचिव | |
| सहायक (युप 'बी' राज- (युप 'बी' | |
| पवित्र)। | राजपत्रित) |
| (2) श्री पी० के० चक्रवर्ती, | —वही— |
| स्टेनोग्रेड 'बी' | |
| (वरिष्ठ निजी सहायक) | |
| (युप 'बी' राजपत्रित) ; | |
| (3) श्री बी० प्रार० नायर, | —वही— |
| स्टेनोग्रेड 'बी' / वरिष्ठ निजी | |
| सहायक (युप 'बी' राजपत्रित) | |
| (4) श्री एन० एन० विश्वास, | —वही— |
| स्टेनोग्रेड 'बी' | |
| (वरिष्ठ निजी सहायक) | |
| (युप 'बी' राजपत्रित)। | |

डॉ० पी० चक्रवर्ती,
ए० डॉ० जी० (प्रशा०सन)
कूते आईनैन्स फैक्टरी बोर्ड

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
मुख्य निदेशक, आयात-नियर्ति का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1979
आयात एवं नियर्ति व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/652/62-प्रशासन (राज) /5083—सेवा निवृत्ति
की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात नियर्ति के
कार्यालय में सर्वश्रेष्ठी डी० वी० ओ० वरेकर और ए० ए० युगावेकर,
स्थानापन्थ नियंत्रक, आयात-नियर्ति ने 30 जून, 1979 के
दोपहर बाद से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

राजन्दर सिंह;
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति,
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-नियर्ति

उद्योग मंत्रालय
(ओद्धोगिक विकास विभाग)
विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 जून 1979

सं० ए०-19018 (282)/77-प्रशासन (राजपत्रित)---
नियर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर ओद्धोगिक विकास
विभाग के केंद्रीय मत्तिवालय सेवा संबंध के स्थाई सहायक
श्री एच० वी० सैनी ने दिनांक 31 मई, 1979 (अपराह्न)
से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में
प्रोग्राम अधिकारी पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 25 जून 1979

सं० ए०-19018/(170)/75-प्रशासन (राजपत्रित)---
राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के श्री सं०
एस० कटारिया, अस्थाई महायक, निदेशक (ग्रेड-I)
(यांत्रिक) का दिनांक 15 मई, 1979 (अपराह्न) से मरकारी
सेवा में त्यागपत्र स्वीकार करते हैं।

दिनांक 26 जून 1979

सं० ए०-19018 (368)/78-प्रशासन (राजपत्रित)---
श्रीमति श्रीदेवी रवीन्द्रन ने दिनांक 18 जून, 1979 (अपराह्न)
से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में
प्रोग्रामर पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महेन्द्र गुप्त,
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-I)
नई दिल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1979

सं० प्र० I/1(78)---राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान
महानिदेशालय, नई दिल्ली में महायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड II)

श्री एम० एन० वी० राव को दिनांक 23-6-79 (पूर्वाह्न)
से सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड I) के रूप में नियमित आधार
पर नियुक्त करते हैं। वह दिनांक 23-6-1979 (पूर्वाह्न)
से दो वर्ष के लिए परिवर्त्तिकारी होंगे।

कृष्ण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1979

सं० प्र०-6/247 (367)/62—राष्ट्रपति, कलकत्ता
निरीक्षण मण्डल में महायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०)
श्री पी० टी० कृष्णमाचार को दिनांक 21-5-79 (पूर्वाह्न)
से मद्रास निरीक्षण मण्डल में निरीक्षण अधिकारी (भारतीय
निरीक्षण सेवा ग्रुप ए, इंजीनियरी शाखा के ग्रेड III) के रूप
में स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री कृष्णमाचार ने महायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०)
का पदभार छोड़ दिया और निरीक्षण मण्डल, मद्रास के अधीन
बंगलौर में दिनांक 21-5-79 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी
(इन्जी०) का पदभार संभाल लिया।

सं० प्र०-6/247 (306)—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण
सेवा ग्रुप ए की धातुकर्म शाखा के ग्रेड II के स्थायी उपनिदेशक
निरीक्षण (धातु) श्री एस० वी० गुप्त को दिनांक 30 मई
1979 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्राद्धेणों के जारी होने तक
भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड I में निरीक्षण निदेशक
के पद पर तदर्याद आधार पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री एस० वी० गुप्त ने निरीक्षण निदेशालय (धातु)
टाटानगर के अधीन भिलाई में 26-5-69 के अपराह्न से
उपनिदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार छोड़ दिया और
दिनांक 30-5-79 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान महा-
निदेशालय (निरीक्षण मंडल) नई दिल्ली में निरीक्षण
निदेशक (धातु) का पदभार सम्भाल लिया है।

पी० डी० मेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 7 जुलाई 1979

सं० 1810 एन०-19012 (1-आर०वी०जी०एन०)/
79-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महायक भूवैज्ञानिक डा० आर० वी० जी० नायर ने महायक भूवैज्ञानिक के
पद का कार्यभार 31-3-1979 के अपराह्न से त्याग दिया है
ताकि वे नागालैण्ड सरकार में सहायक भूवैज्ञानिक के पद पर,
प्रतिनियुक्ति पर, प्रथमतः दो वर्ष की प्रवधि के लिए प्रति-
नियुक्ति की सामान्य शर्तें पर कार्यभार ग्रहण कर सकें।

सं० 3939 बी०/ए०-32014(1-सहायक भूविज्ञानिक)/
 78-1940—भारतीय भूविज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित
 वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूविज्ञान) को सहायक भूविज्ञानिक
 के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-
 740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40
 1200 रु० के वेतनमात्र में श्यानाप्रभ धमता में, आगामी
 आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से फ्दोषति
 पर नियक्त किया जा रहा है :—

- | | | |
|--------------------------|-----------|-------------|
| 1. श्री के० मुरलीधर राव | 27-1-1979 | (पूर्णाङ्ग) |
| 2. श्री के० रवीन्द्र नाथ | 27-1-1979 | (पूर्णाङ्ग) |
| 3. श्री एम० बी० सुभा राव | 6-2-1979 | (पूर्णाङ्ग) |

खिनाक 6 जूलाई 1979

मं० 1863 एन/ए०-19012 (1-एम पी एस/78-194०—
श्री मुरारी प्रसाद शर्मा को सहायक भूदैशानिक के रूप में
भारतीय भूदैशानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक
वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-
1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, एथानापल
धमता में, आगामी ग्रादेश होने तक 3 मई, 1979 के पूर्वाल्ल
से नियन्त्रित किया जा रहा है।

मं० 1877 एन/ए०-19012(1-पी० एस० एस०)/78-
 1970—श्री परमजीत सिंह सूरी को सहायक मूर्खानिक
 के रूप में भारतीय भूर्खानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह
 के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-
 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में,
 स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आतेश होने तक 7 मई, 1979
 के पृष्ठाल्क से नियक्त किया जा रहा है।

वी० एस० रुद्धस्वामी,
मुमा निवेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेश्वर का कथालय

देहरादून, दिनांक 16 जुलाई 1979

मं० सी० ५५२७/७२४ एम० श्री० एस० (ए) — श्री एस० एन० गुप्ता, भण्डार महायक, साधारण ग्रेड को श्री पुष्कर मिह, महायक भण्डार अधिकारी जो अवकाश पर है, के स्थान पर दिनांक ४ जून, १९७९ पूर्वानुसूत से ५५०-२५-७५०-८० रु-३०-९०० रु० के बेतनमान में, भण्डार कायलिय, वैद्यराजन में स्थानापन रूप में तदर्थ्यावाह पर सहायक भण्डार अधिकारी (सा० के० में प्रौप 'बी' पद) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

किशोरी लाल खोसला मेजर अनंतराम भारत के महा सर्वेक्षक

साक्षात्कारी सहानिवेशासय

ਮਈ ਦਿਲ੍ਲੀ, ਦਿਨਾਂਕ 9 ਜਾਨਵਰ 1979

सं० 10/20/76-एस-टीन—महानिवेशक, आकाशवाणी, श्री गुरुदेव सिंह, आकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक को आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के संवर्ग में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं और उन्हें 14-5-79 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक उच्च शक्ति प्रेषित, आकाशवाणी, किंगडम, दिल्ली में नियन्त्रत करते हैं।

दिनांक 11 जूलाई 1979

सं० 10/19/79-एम-तोन—भारतिनदेशक, आकाशवाणी, श्री सांकी राम, आकाशवाणी के विशिष्ट इंजीनियर सहायक को आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के संबंध में स्थानापन्थ रूप से पदीक्षत करते हैं और उन्हें 2-6-79 के पूर्वात्मा में अगले आदेश होने तक आकाशवाणी, सख्तनऊ में नियन्त्रित करते हैं।

सं० 10/21/79-एस-तीन—महानिवेशक, आकाशवाणी श्री यशवन्त वर्मा, आकाशवाणी के वरिष्ठ हंजीनियर सहायक को आकाशवाणी के सहायक हंजीनियर के संबंध में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत करते हैं और उन्हें 14-6-79 (पूर्वाह्न) से श्रगले इदेश होने तक आकाशवाणी, जगदलपुर में नियमित करते हैं।

ओ० बी० एर्मा०
प्रशासन उपनिदेशक
फते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिसंबर 13 अलाउद्दीन 1979

मं० 2/36/60-एस-दो—श्री वी० डी० शर्मा, अकाउन्टेन्ट
आकाशवाणी महानिवेशलय, नईदिल्ली को 6-6-79 (पूर्वाह्न)
में प्रशासनिक अधिकारी, आकाशवाणी, इलाहाबाद के पद पर
खालापन रूप में नियकत किया गया ।

एस० बी० शेषाद्वि
प्रणासन उपनिदेशक
कर्ते महानिदेशक

मध्याह्न देवा महातिष्ठेणालय

नई विल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1979

सं ०४ ०३२०१५/४/७८-स्टोर १ (भाग) — इस जिलेशास्य की २२ मार्च, १९७९ की प्रधिसूचना सं ०४ ० ३२०१५/४/७८-स्टोर-१ (भाग) में जारी किये गये आवेदनों के क्रम में स्वास्थ्य सेवा महानिवेदक ने पश्चिमार कल्पाण उप डीपू के वरिष्ठ तकनीकी सहायक थी जो ० के ० लील को १३ जनवरी, १९७८ की पूर्वाह्न से और छह महीने तक उसी डीपू में सहायक डीपू प्रबंधक के पद पर तदर्थ आधार पर नियमित किया है।

सं० ए० 39012/2/79-स्टोर-I—राष्ट्रपति ने सरकारी चिकित्सा भण्डार डिपो, बम्बई के फैक्ट्री मैनेजर (ग्रुप ए० राजनवित) श्री एन० एन० राव का इस्तीफा 15 जून, 1979 अपराह्न में संजूर कर लिया है।

एस० के० कर्थक
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1979
सं० 19019/2/79-के० स स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० पी० के० रेहनी को 18 मई, 1979 पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में होम्यो-धैर्धिक फिजियियन के पद पर अस्थायी तौर पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घोष
उपनिदेशक प्रशासन (के० स० स्वा० यो०)

भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400075, दिनांक 19 जून 1979

सं० 5/1/79-स्थापना-II/2332—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र, निवन्त्रित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिए, तदर्थं आधार पर स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी II/सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

क्र०	नाम तथा पद	स्थानापन्न नियुक्ति	अवधि से (पूर्वाह्न) तक (अप- राह्न)	
1	2	3	4	5

संवेदी				
1.	एम० वी० रंगानाथन,	प्रशासनिक अधिकारी-II	30-4-79	16-6-79
	सहायक			
	कार्मिक अधि- कारी			
2.	पी० टी० बोर- कर सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	1-5-79	16-6-79
3.	डी० एस० इंगले	सहायक कार्मिक अधिकारी	1-5-79	16-6-79

1	2	3	4	5
4. एन० के० सुर्वे	सहायक कार्मिक अधिकारी		12-3-79	12-4-79
5. एस० आर० पिंगे एम० जी० सी०	सहायक कार्मिक अधिकारी		30-4-79	15-6-79

कु० एच० बी० विजयकर
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 25 जून 1979

सं० के० 160/स्था०-II/2407—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री नेल्लूबाय हरिहरायर कृष्णन स्थायी सहायक लेखाकार और स्थानापन्न लेखा पाल (क्रप तथा म० नि०) को जून 11, 1979 के पूर्वा से भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

वी० एम० खातु
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रप और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 10 जुलाई 1979

सं० डी० पी० सी०/2/1 (25)/77-संस्थापन/7931—दस निदेशालय की समसंबंधक अधिसूचना दिनांक 24 जनवरी, 1979 के तारतम्य में निदेशक, क्रप एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री नेल्लूबाय हरिहर ऐयरर कृष्णन, लेखाकार को स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी पद पर, इसी निदेशालय में अग्रिम समय 31 मई 1979 (अपराह्न) तक सदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

भा० ग० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 10 जुलाई 1979

सं० डी० पी० एस०/21/1 (2)/78-संस्थापन/7955—निदेशक, क्रप एवं भंडार निदेशालय, श्री लेलियथुपरंबिल जाकुणि वर्की, स्थायी क्रप सहायक को, प्रभारी सहायक क्रप अधिकारी पद पर, रुपये 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के बेतन क्रम में, दिनांक 7 जुलाई, 1979 से अग्रिम आदेशों तक, इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ
प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 13 जुलाई 1979

सं० प० ख० प्र० 2/403/56 प्रशासन--खनिज गवेशण
निगम लिमिटेड नागपुर में नियुक्ति के लिए चयन हो जाने
तथा उनके द्वारा उप वेधन अभियन्ता का पद स्थीकार कर
कर लेने के फलस्वरूप परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज
प्रभाग के स्थाईवत् डिल प्रचालन/स्थानापन्थ वैज्ञानिक अधि-
कारी/अभियन्ता घेड एम० बी०, श्री आर्ड० श्री० बनर्जी को
31-3-1979 की अपग्राह से अपने पद के कार्य से मुक्त
कर दिया गया।

एम० एस० राय

तारापुर परमाण बिजलीघर

टी०ए०षी०षी०-401 504, दिनांक 6 जुलाई 1979

सं० ई० ए० पी० एस० /1/19 (3)/76 आर०—मुख्य
अधीक्षक, लारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग
इस बिजलीघर में अस्थायी सहायक लेखापाल श्री वाई०
आर० वेलणकर को दिनांक 18-6-1979 से 31-7-1979
तक के लिये तत्वथ आधार पर सहायक लेखा अधिकारी
नियुक्त करते हैं।

४० डॉ. विसाई

प्रान्तरिक विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 14 जन 1979

सं० 10/3 (20)/76-सि० इ० प्र० (एच०)---अन्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य इंजीनियर, अन्तरिक्ष विभाग के सिविल हंजीनियरी प्रभाग, बंगलौर में इंजीनियर एस० बी० श्री एच० एस० शंकर का सेवा से त्याग-पद दिनांक 23 मार्च, 1979 के अवधार से स्थीकार करते हैं।

एस० एस० रामा वास
प्रशासन अधिकारी-I
कर्ते मुख्य इंजीनियर,

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

शार केन्द्र

श्रीद्विरकोटा-524124, दिनांक 14 जून 1979

सं० एस० सी० एफ० पी० एड० जी० ए० स्थापना-
1/72--निशेशक, शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में निम्नलिखित
कर्मचारियों की उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर

और तरीखों के पूर्वानु से इसी केन्द्र में स्थानापन्थ रूप में ग्रामीण आदेशों तक पदोन्नति करते हैं:—

क्र०	नाम	पदनाम	नियुक्ति की तारीख
सं०			
	सर्वश्री		
1.	जी० के० प्रभाकर राव	इंजीनियर एस० बी०	1-10-78
2.	जे० सिद्धरामप्पा	इंजीनियर एम० बी०	1-10-78
3	मी० रामकृष्ण	इंजीनियर एम० बी०	1-10-78
4.	जी० कृष्णम राजू	इंजीनियर एस० बी०	1-10-78
5.	एस० एम० भरविन्दन	इंजीनियर एस० बी०	1-10-78

दिनांक 15 जून 1979

सं० एस० सी० एफ० पी० एण्ड जी० ए० स्थापना-1/72—
निवेशक, शार केन्द्र में निम्नलिखित कर्मचारियों का
उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से हंजीनियर एम०
वी० के पद से त्यागपत्र मंजूर करते हैं—

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	त्यागपत्र की तारीख
सर्वथ्री:			
1. मोहम्मद अरिकुद्दीन	इंजीनियर एम० बी०		21-7-78
2. डी० रामा मृति	इंजीनियर एस० बी०		8-2-79

आर० गोपालरत्नम्
प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य
प्रशासन प्रभाग
कर्ते निवेशक

पर्यटन एवं नागर विमानन मंदिरालय

भारत सौर विज्ञान विभाग

नई छिल्सी-3, बिनांक 10 जूलाई 1979

सं० ए० 32014/3/28 स्थापना-I—मौसम विज्ञान के महानिवेशक निम्नलिखित व्यावसायिक महायकों को इनके

नामों के आगे दी गई तारीख से, आगामी आदेश तक स्थापना पश्च सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्त करते हैं।

क्रम संख्या	नाम	महानिदेशक मौसम विज्ञानी के रूप में नियुक्ति की तारीख	तैनाती कार्यालय
1	2	3	4
1.	श्री एम० आर० बसु	21-5-1975	मौसम विज्ञान के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली
2.	श्री प० वी० रामाराघव	21-5-1975	प्रादेशिक मौसम केन्द्र भद्रास के प्रत्यंगत मौसम कार्यालय विश्वापत्रम्
3.	श्री एम० मुख्यर्जी	21-5-1979	मौसम विज्ञान के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली
4.	श्री ए० क० नन्दी	21-5-1979	मौसम विज्ञान के महानिदेशक मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली
5.	श्री वी० एन० करमाकर	21-5-1979	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली
6.	श्री जे० क० राय	21-5-1979	मौसम विज्ञान के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली
7.	श्री क० क० भाटियानी	22-5-1979	उपमहानिदेशक (उपकरण) का कार्यालय, नई दिल्ली
8.	श्री जे०सी० भयाना	12-6-1979	मौसम विज्ञान के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली
9.	श्री आर० क० शाक्तिवाल	31-5-1979	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के निदेशक के अधीन मौसम कार्यालय अहमदाबाद
10.	श्री एन० आर० औधरी	21-5-1979	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता

सं० ३२०१४/३/७८ स्थापना-I—मौसम विज्ञान के महानिदेशक निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को दिनांक २१-५-१९७९, मैं आगामी आदेश तक नियमित रूप में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी नियुक्त करते हैं।

क्रम संख्या	नाम	कार्यालय जिसमें तैनात किये गये
1	2	3
1.	श्री अजित कुमार चक्रवर्ती	गंगटौक (सिक्किम)
2.	श्री क० पी० पश्चनाभन	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई
3.	श्री पी० क० रमन	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास
4.	श्री बुरेश कुमार सिन्हा	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के निदेशक के अधीन मौसम कार्यालय, गोहाटी।

गुरुमुखराम गुप्ता
निदेशक
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 16 जुलाई 1979

सं० ३२०१३(१)/३/७७ स्थापना-I—राष्ट्रपति भारत मौसम विज्ञान के निम्नलिखित स्थानापन्न ग्रेड 1 मौसम वैज्ञानिकों को उसी विभाग में उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से आगामी आदेश तक स्थानापन्न निदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

1. श्री जी० पी० श्रीकामरत्न	24-5-1979
2. डॉ वी० एन० दत्ता	24-5-1979
3. श्री एम० सेमान्दरी	24-5-1979
4. डा० एन० एस० भास्कर राघव	6-6-1979
5. श्री सी० ह० ज० डेनियल	26-5-1979 (अपराह्न)
6. डा० डी० वी० एस० एन० राघव	24-5-1979
7. श्री जी० आर० गुप्ता	24-5-1979
8. श्री एस० वी० दातार	24-5-1979
9. डा० वी० पश्चनाभमूर्ति	24-5-1979
10. श्री आर० सी० महेश्वरी	24-5-1979
11. श्री एस० डी० एस० अब्दी	24-5-1979

एस० क० दास
मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक
(भास्कर राघव प्रभासन)

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1979

सं० ए० 32012/3/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी० एच० मैनन को दिनांक 4 जुलाई, 1979 से और अन्य आदेश होने तक क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास के कार्यालय में नियमित आधार पर प्रशासनिक अधिकारी (प्रथम 'ख' पद) के रूप में नियुक्त किया है।

सुरजीत लाल खण्डपुर,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1979

सं० ए० 32013/15/78-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री एन० एम० बक्शी, विमान क्षेत्र अधिकारी को 14 जून, 1979 से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप में नागर विमान विभाग के विमान मार्ग और विमान क्षेत्र संगठन में वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट, पालम में तैनात किया जाता है।

बी० बी० जौहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1979

सं० 23/2/77-ई० सी० II--केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी वाधंक्य की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30 जून, 1979 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गये हैः—

अधिकारी का नाम

वर्तमान पदनाम

सर्वश्री

1. भगवान दास

निर्माण सर्वेक्षक सी III
दिल्ली विकास प्राधिकरण, नई दिल्ली।

2. ए० पी० जैन

ए० एन० डी० ओ०
के इंजीनियर अधिकारी
नई दिल्ली।

सं० 27 ई/डी (22)/78-ई० सी० II--राष्ट्रपति (1) श्री एच० बी० दास निर्माण सर्वेक्षक (1) निर्माण अंचल, केंद्रीय परिमण्डल (विद्युत) से विवृति नोटिस स्वीकार करते हैं और उन्हें 30 जून, 1979 (दोपहर बाद) से सेवा निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

(2) श्री ए० ओमन्द, अधीक्षक इंजीनियर (विद्युत) केन्द्रीय परिमण्डल (विद्युत) सं० 1 के० लो० नि० 2—176GI-79

विं० कलकत्ता का भी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति नोटिस स्वीकार करते हैं और उन्हें 2-5-79 (दोपहर बाद) से सेवा निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

बी० आर० रत्नू,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते निर्माण महानिदेशक

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1979

सं० 78/आर० ई०/161/1--रेलवे लाइनों और परिसरों का उपयोग करने वाले सभी व्यक्तियों की सामान्य सूचना के लिए एन्ड द्वारा वह अधिसूचित किया जाता है कि व्यक्ति मध्य रेलवे के विजयवाडामुण्डूर खण्ड में 580/472.20 कि० मी० से 387/737.13 कि० मी० (रेलवे विद्युतीकरण संरचनाएं) ए० एस०/१ से 387/25 और 26 तक) तक, रेल परिवारोपरि उपस्थर में, 15-7-1979 को और उसके बाद 25000 बोल्ट्स की विजली प्रवाहित कर दी जायगी।

जनता को चेतावनी दी जाती है कि वह :—

- उक्त खण्ड में विद्युत कर्षण तारों तथा फिटिंग्स से दूर रहें।
- ऐसे तारों और फिटिंग्स के निकट स्वयं व्यक्तिगत रूप से न जायें और न ही उन्हें खम्भों, बांस, धातु की छड़ों, ग्रादि से छूएं, क्योंकि ऐसा करना घातक होगा।
- गाड़ी के डिब्बों से अपने शरीर का कोई अंग बाहर न निकालें और न ही उनके बाहर झुके क्योंकि ऐसा करने से वह जल्दी हो मरते हैं क्योंकि रेल लाइन के दोनों ओर इस्पात के खम्भे लगे हैं जिन पर से कर्षण की तरें गुजरती हैं।
- विजली की फिटिंग्स और शिरोपरि तारों से दो मीटर की दूरी पर रहें।
- शिरोपरि तारों के निकट न जाएं या उनके निकट काम न करें।
- गाड़ियों के पायदान या उनकी छतों पर सफर न करें क्योंकि ऐसा करना घातक हो सकता है।
- उपर्युक्त खण्ड के सभी सम्पारों पर उंचाई ग्रामन (हाइटेगेज) स्थापित किये गये हैं जोकि स्पष्ट रूप से सड़क की सतह से 4.67 मीटर (15 फुट 4 इंच) ऊंचे होते हैं ताकि अधिक ऊंचाई के भार विद्युत धारा में प्रवाहित कर्षण तारों को छूते न पावें या उनके इतना निकट न पहुंचे जिससे कोई घटारा हो सके। जनता को वाहनों पर माल लादते समय इस बात का ध्यान रखना होगा कि उपर्युक्त निर्दिष्ट ऊंचाई को ध्यान में रखें ताकि सड़क पर वाहनों द्वारा ले जाया ले जाने वाला माल ऊंचाई के ग्रामन को किसी भी परिस्थिति में छूने न पाये।

8. यदि उन्हें कहीं किसी ढृटे हुए तार का पता चले तो कृप्या निकटतम स्टेशन मास्टर को सूचित करें। इस चेतावनी की ओर ध्यान न देने के कारण यदि कोई दुर्घटना होती है तो रेल प्रशासन इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

पी० एन० मोहिले,
मविव, रेलवे बोर्ड

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और चावला सौप फैब्रिरी प्रा० लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1979.

सं० 8798/11—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 60 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि चावला सौप फैब्रिरी प्रा० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

श्रीमती सी कपूर,
महायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनी, दिल्ली



कम्पनी अधिनियम, 1956 और एच० एच० केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 9 जुलाई 1979

सं० 615/4412 एल० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि एच० एच० केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी गई है।



कम्पनी अधिनियम, 1956 और डिवाइन चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 9 जुलाई 1979

सं० 616 /3133 एल० सी० —कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि डिवाइन चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और विणाल कोल्ड स्टोरेज लिं० के विषय में

कानपुर, दिनांक 11 जुलाई 1979

सं० 8183/4095-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर विणाल कोल्ड स्टोरेज लिं० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कमल टाकीज प्राइवेट लिं० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 12 जुलाई 1979

सं० 8260/3705-एल० सी०—अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर कमल टाकीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जायेगी।

एस० नारायणन,
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
यू० पी० कानपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और ओडिसा मनुफैक्चर एस.सि-इशन लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 11 जुलाई 1979

सं० एस० ओ० 1689 (2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से सीन मास के अवसान पर ओडिसा मनुफैक्चर एस.सि-इशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मिश्रा डेरी एण्ड एग्रिकल्चरल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 11 जुलाई 1979

सं० एस० ओ० 1691 (2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास अवसान पर मिश्रा डेरी एण्ड एग्रिकल्चरल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी को विधिटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ईस्ट कोस्ट रिफैक्ट्रीज़ प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 11 जुलाई 1979

मं० एस० ओ० 1693 (2)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास अवसान पर ईस्ट कोस्ट रिफैक्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इन्डो कार्बिन्स प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 11 जुलाई 1979

मं० एस० ओ० 1695 (2)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास अवसान पर इन्डो कार्बिन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया के रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और नायक एकस्ट्रैक्शन
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 11 जुलाई 1979

मं० एस० ओ० 1697 (2)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास अवसान पर नायक एकस्ट्रैक्शन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी० क० पाल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में व मं० शामलाल
जनकराज प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

ग्वालियर, दिनांक 12 जुलाई, 1979

मं० 1024/ग्रार०/2095---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मं० शामलाल जनकराज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीम माह की समाप्ति पर, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शिया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा तथा कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में व मं० यूनाइटेड
पैक्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

ग्वालियर, दिनांक 13 जुलाई, 1979

सं० 1081/ग्रार०/---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्तर्गत एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मं० यूनाइटेड पैक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है तथा कथित कम्पनी समाप्त हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मं० एप्रिको एण्ड
इलैक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 1028/ग्रार० 2112---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्तर्गत एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मं० एप्रिको एण्ड इलैक्ट्रिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है तथा कथित कम्पनी समाप्त हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में व मं० मूदडा सेल्स
प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

ग्वालियर, दिनांक 13 जुलाई, 1979

मं० 1082/ग्रार०/2115---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्तर्गत एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मं० मूदडा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है तथा कथित कम्पनी समाप्त हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स राय होटेल्स प्राइवेट लिं० के विषय में।

नई दिल्ली दिनांक 8 जुलाई 1979

सं० 4578/1131/8---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स राय होटेल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी० बी० सक्सेना
भाष्यक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और इन्टर प्रैक्सिपोर्ट (इण्डिया)

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 13 जुलाई 1979

सं० जी०/स्टेट/560/3061—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना की जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधारान पर इन्टर प्रैक्सिपोर्ट (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और जगदम्बे फाइनेन्शियर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 16 जुलाई 1979

सं० जी०/स्टेट/560/3054/3163—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधारान पर जगदम्बे फाइनेन्शियर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

सं० प्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-4

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1979

आयकर

सं० जुरि/दिल्ली-4/79-80/11960—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वा) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों को प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-4, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम 4 में बताये गये क्षेत्रों के अन्तर्गत आने वाले व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों तथा मामलों या मामलों के वर्गों (व्यवसाय करने वालों, जैसे डाक्टर, वकील, ऑर्डर एकाउन्टेन्ट आदि तथा ड्रांसपोर्ट और ठेकेदार की छोड़कर जिनके मामले विशेष वार्डों/संकिलों को सौंपे जाते हैं) के सम्बन्ध में उक्त अनुसूची के कालम 2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी अपने कार्य नहीं करेंगे तथा कालम 3 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उनके बारे में अपने कार्य करेंगे। यह आदेश दिनांक 27-6-78 की अधिसूचना में आंशिक परिवर्तन करके जारी किया जाता है।

यह आदेश 9-7-79 से लागू होगा।

अनुसूची			
क्रम सं०	आयकर अधिकारी का पदनाम	आयकर अधिकारी का पदनाम	अधिकार क्षेत्र
1	2	3	4
1.	आयकर अधिकारी डि०-3 3-शी० (1), बी० (3) नई दिल्ली	आयकर अधिकारी डि०-3 मार्केट, दिल्ली के पीछे तक, बायें हाथ की तरफ बीन्स रोड तक और बीन्स रोड से पीली कोठी तक और पीली कोठी से नई बस्ती तक तथा इसके बाद बायें हाथ की तरफ तिलक बाजार खौक पुलमिठाई टिम्बर मार्केट तक। इसमें निम्नलिखित शामिल है धोबी मार्केट केदिया मार्केट कुंज रोड टायर मार्केट की दुकानें आदि, एम० पी० मुखर्जी मार्ग पर नावलटी सिनेमा के पीछे बारादरी, शीश महल, बायें हाथ की तरफ नई बस्ती का भाग, नाहर सादात खान और पुलमिठाई पर टिम्बर मार्केट।	तिलक बाजार खौक से कुंज रोड (फ्लाथ) मार्केट, दिल्ली के पीछे तक, बायें हाथ की तरफ बीन्स रोड तक और बीन्स रोड से पीली कोठी तक और पीली कोठी से नई बस्ती तक तथा इसके बाद बायें हाथ की तरफ तिलक बाजार खौक पुलमिठाई टिम्बर मार्केट तक।
2.	यदि 31-3-1978 को पिछली कर निर्धारित विवरणों में दिखाई गई आय 50,000 रु० और उसमें अधिक थी,	पिछली कर निर्धारित विवरणों में दिखाई गई आय 50,000 रु० और उसमें अधिक थी,	ऊपर की मद (1) की फर्म के सभी भागीदार व्यक्ति।
3.	यदि वनिदिष्ट क्षेत्रों के सभी नये निर्धारित रिती।	वनिदिष्ट क्षेत्रों के सभी नये निर्धारित रिती।	खारीबाली की तरफ से तिलक बाजार की बाई और का भाग तिलक बाजार खौक तक, खारी- बाली तिलक बाजार के कटरा टबैको। इस में कटरा टबैको गली हिंग बेग शामिल है।
2.	आयकर अधिकारी डि०-3 बी०(2)नई दिल्ली बी० (4) नई दिल्ली	आयकर अधिकारी डि०-3 बी०(2)नई दिल्ली बी० (4) नई दिल्ली	खारीबाली की तरफ से तिलक बाजार की बाई और का भाग तिलक बाजार खौक तक, खारी- बाली तिलक बाजार के कटरा टबैको। इस में कटरा टबैको गली हिंग बेग शामिल है।

1	2	3	4
			(1) यदि 31-3-1978 को पिछली कर निर्धारित विवरणी में विद्याई गई आय 50,000 रु० और इससे अधिक थी।
			(2) ऊपर की मद (1) की फरमाई के सभी भागी- दार व्यक्ति।
			(3) ऊपर निर्दिष्ट धनेवालों के सभी नये निर्धारित।

परन्तु विनांक 27-6-78 की अधिसूचना सं० जरि/दिल्ली-4/78-79 के अनुसार डि० 3-बी(5) और डि० 3-बी(6) के सम्बन्ध में अंकित किये गये प्रावेशिक अधिवार धनेवाल पर इस अधिसूचना का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि इन बाड़ों के आयकर अधिकारियों का अधिकार क्षेत्र उन क्षेत्रों के मामलों पर कायम रहेगा जो अब उपर्युक्त डि०-3 बी(1) और डि० 3-बी (2) के अधिकार धनेवाल से निकाल कर कमशः डि० 3-बी(3) और डि० 3-बी०(4) को सीधे दिये गये हैं।

रणवीर चन्द्र,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-4 नई दिल्ली

प्रलेप ग्राइंडी० टी० एन० एस०—

आयहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 15 जुलाई 1979

निर्देश सं० ८० पी०/५७०/एफ० जैड० आर०/७९-८०-अतः
मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुमूल्यी में लिखा है तथा जो फिरोजपुर
में स्थित है (और इससे उपावल्ल अनुमूल्यी में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1908

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकृत के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का
पञ्चवाह प्रतिगत से अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों)
और पन्तरितों (पन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए
तब पाता जा गया कि उसके उद्देश्य से उक्त पन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) पन्तरण से दूर फिसी ग्राम की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के पन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; पौराणा

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घर मा अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाबंध पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था वा किया जाना आहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपावारा (1)
के अधीन निष्पत्तिकृत व्यक्तियों, प्रधार्तः:—

1. श्री गिरधारी लाल पुंछ, एडवोकेट, पुन्न फतेह अम्ब
मोहन रानी पुत्री गिरधारी लाल, फिरोजपुर।
(पन्तरक)

2. जशीलावन्ती विधवा, राम प्रकाश, मन्तोप रानी पुत्री
गुरदास, वासी बस्ती धिहाड़िया वाली फिरोजपुर।
(पन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुच रखता हो।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के मन्त्रन्ध में कोई भी भावेण—

(क) इस पूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
प्रत्य बात में अपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के ग्रन्थाय २०-क में परिभाषित
हैं, वही प्रत्य होंगा जो उन ग्रन्थाय में विद्या
गया है।

अनुसूची

एक मकान जैसा कि विलेख नं० ३९२८ नवम्बर, 1978
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

मुखदेव चन्द,
मन्त्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जनरेज, भटिण्डा।

तारीख: 15-7-1979

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 7 जुलाई 1979

निदेश सं० ए० पी०-५७१/अबोहूर/७९-८०—ग्रतः मुझे
मुख्यदेव चन्द्र

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रयोग सत्र की प्रधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण
है कि इस्तार प्रमत्ति, जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इषए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहूर
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहूर में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से प्रत्यक्षित है और पन्द्रह (पन्द्रहकों) और
पन्द्रहियों (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित,
निवित में शास्त्रात्मक रूप से नहिं किया गया है:-

(क) अन्तरण से दूर्वे किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन पा अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) पा उक्त प्रधिनियम या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुश्किल के लिए ;

पन : प्रत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, पे, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भागीरथ लाल पुता लक्ष्मण दास, श्रीमती मधुरा देवी
विश्वा, लक्ष्मण दास, भागीरथी देवी, राधा देवी,
मुगुलियों, लक्ष्मण दास जारी लगानगढ़, नजदीक स्टेंड
बैंक अफ बी रानेंगे ।

(अन्तरक)

2. श्री मोहनलाल पुते श्रीमप्रकाश
गन्नी नं० 4, मन्डी अबोहूर ।

(अन्तरिक्षित)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में शक्ति रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीक्षिताकारी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह गुरुता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के
लिए कार्यालयिता करता है ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उम प्रध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सकान नं० 1141, मन्डी अबोहूर, मैं जैसा कि विलेख नं०
1474 नवम्बर, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहूर में
लिखा है ।

मुख्यदेव चन्द्र,
मध्यम प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भटिण्डा ।

तारीख: 7-7-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटौर एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2694 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 7 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए० पी०-572/अबोहूर/79-80-अतः मुझे
सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2694 (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अबोहूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1976 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्थि शत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फिलित नहीं किया गया है:—

(क) अपारदा से हुई किसी आय का ग्राहक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निसी वा ग्राम्य आहिनियमों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग्न-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 2694 के अन्तरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 2694 की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अथवा:—

1. श्री भागीरथ लाल पुत्र लक्ष्मण दास, श्रीमती मथरा देवी विधवा, लक्ष्मण दास, भागीरथी देवी, राधादेवी सुपुत्रियां लक्ष्मण दास, वासी हनुमान गढ़, जंक्षन, नजदीक स्टेट बैंक आफ बीकानेर।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल पुत्र श्रीम प्रकाश गली नं० 4, मन्डी अबोहूर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जो यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के घरेन के लिए सार्वत्रिकीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जे 1 के तंत्रज्ञ ने नोई भी वाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन भी तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहूरहस्ताक्षरी के पास निखिल में किए जा सकेंगे।

इष्टाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के बायाय 20-के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस बायाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1141, मण्डी अबोहूर, जैसा कि विलेख नं० 1671 दिसम्बर, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी अबोहूर में लिखा है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, भटिण्डा

तारीख: 7-7-79

मोहर:

प्रकल्प शाई० टी० एम० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के प्रधीन सम्बन्ध

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

, अर्जन रेज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 7 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए० पी० 573/भटिण्डा/79-80—यतः मुझे,
सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मौड़ मण्डी में
स्थित है (और इसने उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
फरवरी, 1979

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरकी (अन्तरकीयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रयत्न 1 निश्चिया में दास्ताविह रूप से कठित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कारी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को
तिन्हें भासतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरीनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना
चाहिए या, छिपाने दे सुविधा के लिए।

प्रत। यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में,
उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अ की उपवारा (1) के प्रधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवार्ता 1—

3—176GI/79

1. श्री ब्रजवाल कांभन, पूर्व भागुमल
वासी मौड़ मण्डी।

(अन्तरक)

2. श्री यशपाल जीवन कुमार मुपुत्र बाबू राम पूर्व भागुमल
द्वारा मैं बाबू राम प्रेमवन्द, मौर मण्डी।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोस्ताक्षरी
जानता है कि व सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुनता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन व लिए
कायंवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास निश्चित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुकान दाना मण्डी, भटिण्डा में जैसा कि विलोक्त न०
न० 5407 फरवरी, 1979 में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
भटिण्डा में लिखा है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिण्डा

तारीख : 7-7-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिण्डा

भटिण्डा, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निवेश सं० ए० पी० 574/भटिण्डा/79-80—प्रतः मुझे,
मुख्यदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो भटिण्डा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निवेश में शासनित रूप न होना उद्देश्य नियमित रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण से ह्रदृष्टि किसी आय की बावल, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या नियम या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने पे
सुविधा के लिए;

असः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरस्वती देवी पुन्नी नत्यू राम
मकान नं० 5006, गली, लली बाली, भटिण्डा
(अन्तरक)

2. श्री खेता राम पुन राधू राम
सिंडी बाजार, भटिण्डा।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हृचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरो करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के
लिए कार्यवाहीया मूल्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयृ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान भटिण्डा, मैं जैसा कि विलेख नं० 3925 नवम्बर
1978 जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

मुख्यदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिण्डा

तारीख : 20-7-79

मोहर :

प्ररूप माई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिणा

भटिणा, दिनांक 20 जुलाई, 1979

निदेश सं० ए० पी० 575/होशियारपुर/79-80—यतः
मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पक्षवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अत्यरक्त (अत्यरक्तों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रथ्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यह: इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत:—

1. श्री नरेन्द्र मिहू खेड़ा, पुत्र दरबारा मिहू पुत्र भगत सिंह
265-हिहाड़ी कालीनी, जम्मू ।

(अन्तरक)

2. श्री बलबीरमिहू जन्डु, पुत्र सोहन मिहू जन्डु, पुत्र हरगोपाल
मिहू, जन्डु, 2. हरभजन कौर पत्नी बलबीर मिहू
157-एल माडल टाउन, होशियारपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हच्चि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आश्रेप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टदोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कोठी माडल टाउन, होशियारपुर में जैसा कि विलेव
नं० 3310 नवम्बर 1978 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
होशियारपुर में लिखा है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिणा

तारीख : 20-7-79

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एम० पस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 च(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिण्डा,
भटिण्डा, दिनांक 21 जुलाई 1979

निवेद सं० ए० पी० 581/फगवाड़ा/79-80—यतः मुझे
सुखदेव चन्द्र,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पदावत् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो फगवाड़ा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायलिय फगवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिम की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिम (अन्तरिमियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पामा या पामा प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी वाच की वाचत उक्त
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के सिए;

अतः, अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269च के अनुसरण
में, वे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269च की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सन्त्यावन्ती पत्नी ज्ञान चन्द्र,
फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री स्वर्ण पिंड, निरवैन मिह, बलदीर मिह पुत्र
जोगिन्द्र सिंह द्वारा शेरे पंजाब क्लायू हुआ उस, मन्डी रोड,
फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन तो तारीख से
43 दिन की अवधि या तत्पंचांशी व्यक्तियों पर
मूलना को तामीन में 30 दिन की प्रवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के
मीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में फिरे जा सकेंगे।

प्रधानीकरण :—इसमें यहुक्त गाड़ी और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिवाप्त
हैं, वही प्रथम होगा जो उस प्रधायाय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग जी० टी० रोड, फगवाड़ा, में जैसा कि विलेव
नं० 1453 नवम्बर, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फगवाड़ा में
लिखा है।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिण्डा

तारीख : 21-7-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एम० एस०—

1. रुकमनी अम्माल

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269ज(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 मार्च 1979

निदेश सं० 3/नव०/78—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा अनुसूची में है जो आलमपट्टी और वीरलूनगर में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एम० आर०-१, वीरलूनगर, (डाक० सं० 1114/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अस्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, इब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

2. मैं० सुन्दरवेल मेच इंडस्ट्रीज, लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य अक्षिय द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एग्रीकल्चरल भूमि अल्लमपट्टी गांव और वीरलूनगर टाउन में।

ओ० आनन्दराम
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 31-3-79

मोहर :

प्रकल्प प्राईंटी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1979

निदेश सं 61/नवम्बर/78—यतः मुझे, ओ० आनन्द्राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
ने प्रश्नोन्नति अधीन अधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि इवाचर अन्तिम, जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।
और जिसकी सं ५८० प्लाट नं २३, दुर्रराज नगर, ओल्ड बरिमल
ग्राउन्ड रोड, डिन्डुगल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय डिन्डुगल (डाकु० नं १०८/७८) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का १६) के अधीन
नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्भाति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्भाति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायरें में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों अर्थात् :—

1. श्री टिं गोपाल

(अन्तरक)

2. श्री जिं वि० कुमार

श्री जिं वेन्नटाचल कुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्भाति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्भाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इप सूचना न राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से
५५ दिन से प्रतिया या नत्सम्बन्धी अधिकारियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारियों में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इप सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से
५५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भाति में हितनद
किसी अन्य अधिकता द्वारा, प्रधोत्स्तान्तरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वहीं प्रयोग होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं 108/78 एस० एस० आर०-II, डिन्डुगल भूमि
और निर्माण प्लाट नं २३, दुर्रराज नगर, ओल्ड बरिमल
ग्राउन्ड रोड, डिन्डुगल।

ओ० आनन्द्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 26-5-79

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मई 1979

निदेश सं० 40/नवम्बर/78—यतः मुझे, ओ०, आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० के० एस० नं० 11 तथा 12 गजलनामकनपट्टी गांव है, जो सेलम तालुक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० ओ० सेलम, (डाकु० नं० 4060/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :—

1. (1) संयद रकीम
- (4) संयद ईस्माईल
- (3) उममान और
- (4) मेहरबा बाणा

(अन्तरित)

2. अन्नामलै काटन मिल्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तान्तरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एष्टेंडरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 409/78 एगरि कल्चरल भूमि 18-87 एकड़ नं० के० एस० 11812, गजलनामकनपट्टी गांव सेलम तालुक।

ओ० आनन्द्राम
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 29-5-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जून 1979

निदेश सं० 83/नवम्बर/78—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 211 ईस्ट मेररट स्ट्रीट है जो मुदुरै में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एम० आर०-१ मदुरै (डाकुनं० 4489/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेंकम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पश्चात् प्रतिक्रिया से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उम्मेश्य से उक्त अस्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप में कठिन नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावृत्त अन्तरिती वाला प्रकट नहीं किया गया था कि। जाना कठिन, कियाने में सूचिया के लिए।

1. (1) श्रीमती सुलोचना
- (2) एन० सुब्रमनिय चेट्टियार
- (3) रामचन्द्रन
- (4) कामचंद्री अम्माल

(अन्तरक)

2. (1) के० मेलवगाजन
- (2) दनभालन
- (3) मानिकवासगम
- (4) बालमुबरमनियम
- (5) सैन्द्रपांडिमन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाजि के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त समाजि के प्रबंधन के पदवर्य में हाई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 4489/78 जे० एम० आर०-१ मदुरै, भूमि और निर्माण डोर नं० 211, ईस्ट मेररट स्ट्रीट, मदुरै।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, मद्रास

तारीख: 15-6-79

मोहर:

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के पश्चात् सरब में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलापा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

प्रस्तुप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जून 1979

निवेश सं० 62/नवम्बर/78—यतः मुझे, ओ० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 6/3, 6/4, 6/1, तोट्टुल, एस० नं० 59/1, 825के/2 है, जो सिद्धमलै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० जिन्दगल, (डा० नं० 1755/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्तरक (प्रत्तरकों) और प्रत्तरिती (प्रत्तरितियों), के बीच ऐसे प्रत्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित चौथे से उक्त प्रत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी भ्रन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अपतः—

4—176GI/79

1. श्री के० एस० ओ० पोन्तेम रावुतर

(अन्तरक)

2. श्री पी० मोहम्मद रावुतर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी घाटेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षियां द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1755/78, जे० एस० आर०-II, जिन्दगल एप्रीकल्वरल भूमि एस० नं० 6/3, 6/4, 6/1, तोट्टुल, एस० नं० 59/1, 858/2, मिश्मलै, और भूमि और निर्भमण एट तोल्लुक ।

ओ० आनन्द्राम
सकम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, मद्रास

तारीख : 28-6-79

मोहर :

प्र० प्र० प्र० श्री० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जून, 1979

निकेण सं० ६३/नवम्बर/७८—गत: मुझे श्री० अनंदाम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एम० न० 6/3, 6/4 तोहनुलू. एम० न०
521/2, 522/2, 582/1, 582/3, 8, 582/4 है, जो मिहमलै
में स्थित है (और जो इन्हें उत्तर अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीरेशन अधिकारी के कार्यालय
जे० एम० आर०-II, जिन्दुगल (डाक० न० 1756/8) में
भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन नवम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पांचवह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत उक्त, प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
पर, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

गतः, ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपबारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, व्यर्थतः :—

1. के० एस० श्री० पोशैद रावुनर

(अन्तरक)

2. श्री पी० मैशद मोहम्मद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी श्वासेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइं में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वदीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

मनुसूची

डाक० न० 1756/78 जे० एम० आर०-II, जिन्दुगल ।
एप्रीकलचरल भूमि और निमणि सं० न० 6/3, 6/4,
तोहनुलू। एप्रीकलचरल के भूमि सं० न० 521/2, 522/2,
522/1, 582/1, 582/3, और 582/4 मिरमलै में।

श्री० अनंदाम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज., मद्रास

तारीख 28 ६-७९
मोहर :

प्राप्ति प्राप्ति टी० एम० एस०—

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269प्र(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेज१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जून 1979

निदेश सं० 105/नवम्बर/78—यतः मुझे, ओ० आनंद्राम प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सकाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 283 है, वक्स रातुतर स्ट्रीट है, तथा जो बेगम्पूर, जिन्दुगल में स्थित है (ग्रोर इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में भी पूर्ण कर्ता से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय एस० आर० ओ० नगलनामकन्पट्टी, जिन्दुगल डाकुमेन्ट न० 1529/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और ममे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्वय प्रतिगत से अधिक है ग्रोर प्रस्तुरक (प्रस्तुरकों) और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तुरण के लिए तथा या गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तुरक के वायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रोर/या

(ख) ऐसी किसी धारा किसी धर्म या धर्म वासियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरितो हाँ; प्रकट नहीं किया था या या किया था आद्वितीय, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यथा; उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, यै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269प्र की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, वर्णितः—

1. श्रीमती एस० सलीमा

(प्रत्यक्ष)

2. (1) सबीया बीबी

(2) अतीजा बीबी

(3) अमिदा बेगम

(4) मतिना बेगम

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्धि उक्त संपत्ति के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के प्रारंभ में होई था ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तक्षण अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बदल किसी धर्म अवित द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

प्रधिनियम :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के पद्धतिय 20-क में परिभ्रामित है, वही पर्याय होता, जो उस धर्माय में दिया गया है।

भलुसूची

डाकुमेन्ट न० 1529/78, एस० आर० ओ० नगलनामकन्पट्टी भूमि और निर्माण डोर न० 283, वक्स रातुतक स्ट्रीट, बेगम्पूर, जिन्दुगल।

ओ० आनंद्राम
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज१, मद्रास

तारीख : 28-6-79

मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जुलाई 1979

निदेश सं० 55/प्रधि०/78—यहतः मुझे ओ० आनंद्राम
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- एस० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 34/1 बी कुलनगवुडनूर कर्लपूर हैं जो
ओमलूर तालूक में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
ओमलूर (डाकु० नं० 2034/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृस्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृस्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृस्यमान प्रतिफल का पक्ष्य प्रतिशत से अधिक है और
प्रस्तरक (प्रस्तरक) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियाँ) के बीच
ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया या प्रतिफल, निम्नलिखित
बदेश से उक्त बन्धन से विकित म वास्तविक रूप से कषित
नहीं किया गया है—

(क) प्रस्तरण से ही किसी आय की बावजूद उक्त
प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
आयकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

वह: प्रब, उक्त प्रधिनियम, की बारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व
उद्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अवतु—

1. श्री मि० परमाल (2) मि० हुरैसामि

(अन्तरक)

2. के० कंडप्प गवुंजर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में मे किसी अवित्य
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोहस्ता-
करी के पाय लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त गद्वाँ और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
शही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकु० नं० 2034/78 एस० आ० ओ० ओमलूर,
एग्रीकल्चरल भूमि 2.69 एकड़स सर्वे नं० 34/1 बी, कुलनगवुडनूर
ओमलूर तालूक +

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 2-7-79

मोहर :

प्रह्लप दी० ई० एन० एस०-----

1. श्री श्री० मठिष् बी० चमनान, श्री० उमा

(अन्तरक)

आयकर व्यविधिम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

2. श्रीमती एस० बी० चन्द्रमोली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1979

निदेश सं० 4968—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन

आयकर व्यविधिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त व्यविधिम' कहा गया है), की बारा 269-ए
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 11/54/5, संगिट सं० 40 है,
जो मनगनूर ग्राम कोयम्बतूर तालूक में स्थित है (और इसमें
उपावद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय घानदिमुरम, (डाकुमेंट सं० 2751/78)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण व्यविधिम 1908 (1908 का 16)
के अधीन नवम्बर, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के
बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कषित
नहीं किया गया है—

(क) बन्तरण से हुई किसी आदि की वादत, उक्त
व्यविधिम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तुरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आदि या किसी धन या प्रम्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर व्यविधिम, 1922
(1922 का 11) या उक्त व्यविधिम, या
बनकर व्यविधिम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिनाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रम्य; उक्त व्यविधिम, की बारा 269-ए के अनुसरण
में, मेरे उक्त व्यविधिम, की बारा 269-ए की उपचारा (1)
के प्रधीन विष्वासित व्यक्तियों, वर्षतः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त प्राप्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोधकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदों का, जो उक्त
व्यविधिम, के प्रधाया 20-क में परिचायित
हैं, वही प्रयोग द्वारा जो उस प्रधाया में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 11/54/5, संगिट सं०
40, मनगनूर ग्राम कोयम्बतूर, तालूक (डाकु० सं० 2751/78)

राधा बालकृष्णन
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख : 5-7-79

मोहर :

प्रकल्प प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मममद्रास, विनांक 6 जुलाई, 1979

निदेश सं० 4970—यतः मुझे राधा वालकूलणन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व (1) के प्रधीन समय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० म प्रधिक है

और जिसकी सं० 11, स्ट्रीट, मथिट सं० 529 टी० एस० सं० 11/680 है, जो सनगनूर ग्राम कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय घानदीपुरम, (डाकु० नं० 2692/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरणों) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तकिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अस्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर प्रबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जासा चाहिए या, छिपाने में सुनिश्चा के लिए।

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) के अनुसार में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) की उपचारा की व्यवस्था, अर्थात्:—

1. श्री शेयिक प्रह्लादुदीप

(अन्तरक)

2. श्रीमती सी० एन० तमबी

(अन्तरिसी)

की यह मूल्यना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवैत के लिए कार्यकारिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अवैत के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूल्यना के राज्यान्त में प्रहागत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में बमाल होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यान्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-दद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्तुताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण मथिट सं० 529, टाटाबाड़ स्ट्रीट, सं० 11, टी० एस० सं० 11/680, सनगनूर ग्राम, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2692/78)

राधा वालकूलण
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

तारीख: 6-7-1979

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०--

(1) श्री एन० के० बालसुश्रमनियम, वी० राष्ट्रवन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1979

निवेद सं० 4936—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में प्रधिक है
और जिसकी सं० 27/9, है, जो बैंकटस्वामी रोड आर० एस० पुरम,
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर
(डाकूमेंट सं० 3833/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16 नवम्बर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षरक (अन्तर्कर्ता)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के सीधे ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पांच वर्षों के अन्तरित निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण
लिखित में गाड़ियां कर से कठिन नहीं किया गया है।—

(2) श्री राजू अर्जुनदास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधिया, जो भी
प्रबंधिया वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा प्रश्नोद्घस्ताक्षरी के पास
तिलिखित में किए जा सकें।

इन्डीकरण :—इसमें प्रदृश्यत छव्वों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्च होता, जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किनो धन या प्रत्यक्ष आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनालें प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रमुखी

भूमि श्रीर निर्माण 27/9, बैंकटस्वामी रोड, कोयम्बटूर
(डाकूमेंट सं० 3833/78)।

राधा बालकृष्णन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः प्रबंध, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रमुखरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत :—

तारीख: 5-7-79

मोहर:

प्राप्ति शाई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं० 8403—यह मुझे, राधा बालकृष्णन्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० 1, 2, 3, 4, 5 मावडू कुरिची रोड़ है, जो
बेरावूरनी, पट्टूकोट्टै में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरावूरनी
(डाकमेंट सं० 1949/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिङ्गित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्व जिसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपायादा (1)
अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अधारतः :—

(1) श्री डेविराम श्रीर अदरम।

(अन्तरक)

(2) श्री के० अबुल मुतलीफ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्षयों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
अविक्षयों में से किसी अविक्षित द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित म लिए जा सकेंगे।

इत्योक्तु :—इसमें प्रयुक्त सब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभासित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सूचि और तिर्यक — 1, 2, 3, 4, 5, मावडू कुरिची रोड़,
बेरावूरनी (डाकमेंट सं० 1949/78)।

राधा बालकृष्णन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 26-6-79
मोहर:

प्रधन प्राई. टी० एन० एस०—

(1) श्री मुन्तयन और अदरकः।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरकः)

269-व (1) से प्रधीन सूचना

(2) श्री अब्दुल खलीफः।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जून 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) अन्तरज से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी छन या ग्रन्थ वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

भूमि और निर्धारण 6, 7, 8 और 9 मावडु कुरिची रोड़, बेगावूरनी (झाकुमेंट सं. 1950/78)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 26-6-1979

मोहरः

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्णातः—

प्रख्य धारा ८० टी० एम० एम०

(1) श्री के० ई० के० कादिरेसन चेट्टियर।

आयोजन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269 व (1) के अधीन पूछना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तर्दिनी)

अर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1979

निर्देश सं० 4985—गत बूँदे राधा बालकृष्ण
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की भारा 269 व (1) के अधीन प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मन्त्र 25,00/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 5, पारक अवेन्यू ले आवट, सेनगनूर
है, जो ग्राम, कोयम्बटूर खेड़े स्थित है (और इसमें उपावद्ध
में और पूर्ण रूप से विण्ठि है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, बादिपुरम (डाकूमेंट सं० 3278/78) में भारतीय
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास करने
ए कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति पा उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्य
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वर्णित अन्तरण के बाहर रहा किया गया है :—

(क) अन्तरण व इड फिला घाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वारित्व
में व ये करने या उक्त बचतों में निविदा के लिए;
और/गा

अनुसूची

(ख) ऐसी दिलों याद या किसी बन या अन्य व्यक्तियों
को यिन्हे भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या उन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के
प्रयोजनावेद अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
एवं या या यिला जाना राज्य या छिपाने में विविध
के लिए.

मूमि और निर्माण समिट सं० 5, पारक अवेन्यू ले आवट,
सेनगनूर ग्राम कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 3278/78)।

अतः, यह उक्त अधिनियम की भारा 269 व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-7-79

मोहर :

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री के० एम० नरसिंहमस्था।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तर्गत)

26७ष (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ठिनेप शनविनाल शा अंग अदरम।

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश सं० 4935—यत् मुझे, राधा वालगांव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26७ष अधीन सभन् प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर गम्भीर, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसका सं० 34, पालुरनगम रोड़ है, जो कोयमबट्टर में स्थित है (और इसमें उपावढ़ में और पूर्ण स्थप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के वायलिय, कोयमबट्टर (डाकूट सं० 3444/78) में भारतीय रजिस्टरेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत विवर 1978 को पूर्वोक्त सम्भाल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्भाल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 26७ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 26७-घ की उपधारा (1) अधीन अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर गम्भीर के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्भाल के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तलावन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ब्राव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भाल में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के ताथ निश्चित में किए जा सके।

स्वल्पीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

मुमि प्रौद निर्देश सं० 34, पालुरनगम रोड़ ग्राम पाठ पुरम, कोयमबट्टर (डाकूट सं० 3444/78)।

राधा वालगांव

मक्षम प्राविकारी
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-7-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

(1) श्री के० एन० बनकटरामन।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री ठिनेष श्रान्तिलाल शा और अदरम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सम्भायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देश सं० 4935—प्रतः, मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थानवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है और

जिसकी सं०टी०ए० सं० 8/285, 286, 287 पोन्नरनगम
रोड है, जो वेस्ट आर०ए० पुरम कोयमबट्टर में स्थित है
(और उससे उपावड़ में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्टर-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबट्टर (डाकूमट सं० 3445/
78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 16 नवम्बर 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रद्वय
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रति-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आदिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि और निर्माण टीस सं० 8/285, 286 और 287,
पोन्नरनगम रोड वेस्ट आर०ए० पुरम कोयमबट्टर (डाकूमेंट्स)
सं० 3445/78)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत्नितः

तिरीख : 6-7-79
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी० एन० एस० —————

(1) श्रीमती चेलम्माल।

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
296-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री मादव स्टील ट्रेडर्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1979

निर्देश सं० 4934—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 9/426 है, जो जी० वैनकट-
स्वामी ने आउट अनुपरपालयम ग्राम में स्थित है (और इसमें
उपावड़ में और पूर्ण घर में वर्णित है), रजिस्ट्रेटरी अधिकारी के
कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकमेंट सं० 3576/78) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में किया गया है:—

(6) प्रस्तरण से हूई किसी आद की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(7) ऐसी किसी आद या किसी व्यापार या अन्य ग्रास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्णन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

सम्बोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय
में दिया गया है।

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 9/426, जी० वैनकट-
स्वामी ले० आउट अनुपरपालयम, कोयम्बटूर (डाकमेंट सं०
3576/78)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

प्रत: यह, उक्त अधिनियम, की आरा 269-घ के
अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की आरा 269-घ की
उप-आरा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यवहृत।—

तारीख : 5-7-79

मोहर :

प्रसूप प्राई. टी.एम.एस.—

(1) श्रोता आरो बालमुद्रमनियम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

(2) श्रोता वी.ए.एस.ए.म. मनी।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, हिन्दूका 5 जुलाई 1979.

निरेश गं. 4969—पतः गुड़ी, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सभी प्राविकारी को, पहले विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है।

और जिसकी गं. 272/1 मी., गोपाल स्ट्रीट है, जो को० को० पुदूर
कोयमबद्दूर-38 में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन करने के कार्यालय,
गोदाम (डाकूमेंट गं. 2717/78 में भारतीय रजिस्ट्रेशन
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1978
को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रति-
कल के लिये अन्तरिक्षी की गई है और भूमि यह विश्वास करने का
कारण है कि वथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकरण में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक — ओर अन्तरक अन्तरकों और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षीयों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाय
प्रतिकरण, निम्नलिखित उक्त से उक्त अन्तरण लिखित में
आधिकारिक ढंग से है। नोटिफिकेशन है :—

को यह सूचना जारी करके द्वावान मम्पति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त मम्पति के अर्जन के मम्पत्य में कोई भी आवधि :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वा अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पथा परिभाषित है,
वही प्रयुक्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण 9 द्वारा किसी प्राप्त की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाद या दाव के बावजूद या वर्त्य प्राप्तियों को
जिहे गारतीय प्रावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धननकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण 272/1 मी., गोपाल स्ट्रीट को० को०
पुदूर कोयमबद्दूर-38 (डाकूमेंट सं. 2717/78)।

राधा बालकृष्ण
मध्यम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 5-7-79

मोहर:

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अधार्त :—

प्रकृष्ट प्राईंट दी० एन० एस०—

(1) श्री याराबोलं यीष्वरम्मा।

(अन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जाएँ
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मगम ट्रेव्ह मर्फिन फुठ यै॒म्पोरडम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1979

निर्देश सं० 6826—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की व्यापार 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वामकरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ८८० सं० ६२/१, पारट निलकरी प्राम सं० 145, है, जो मुद्रित रॉड मद्रास में स्थित है (और इसमें उआवड अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रास्ट्रोकर्ता के कार्यालय, सैदापेट (डाकमेट सं० 1527/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य पे उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से उत्तिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किया आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर भें के पन्द्रह रुपयित्व में कमी करने या उसमें बचत में वृचिका के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या पन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवा० अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम को व्यापार 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की व्यापार 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

सोयह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशालिया करना है :

उसी वंपनि के अर्जन के शब्दों में चौहां भी आश्रितः—

(क) इस सूचना के राजपत्र पे व्याकाशन की भारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि तो भी अवधि शाम मे समाप्त होनी है, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों मे किसी अवित्त द्वारा :

(ब) इस सूचना के राजपत्र मे प्रत्यगत तो व्याकाश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के हितवद्ध किसी पन्य अक्षियि द्वारा, अधिकृताकरी के पास निश्चित मे किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोरपदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नीलंघरे सं० 145, सैदापेट तालूक सं० 38-ग/1, 2, 3, 8-बी, 37-बी (डाकमेट सं० 1527/78)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 4-7-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एवं एस०--

(1) श्री एम० नालिंगयप्पन।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जून 1979

निर्देश सं. 8408—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है।

और जिसकी सं. मनगल विलास 4ए/3, अरुणा नगर है, जो
ट्रिचिरापल्ली-17 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूचीमें और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, ट्रिच्ची
(डाक्मेंट सं. 4801/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन) नवम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्हहु प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कानून नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
या/या

(ख) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात्:—

(2) श्री ए. कावरी अम्मान।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

अपदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण मनगल विलास 4ए/3, अरुणा नगर,
ट्रिचिरापल्ली-17 (डाक्मेंट सं. 4801/78)।

राधा बालकृष्णन
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 26-6-1979

मोहर :

प्रसूप पाई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961¹ (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 जुलाई 1979

निदेश सं० 6817—यतः सुझो, राधा बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ५८५ के पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 25,000/- रु० से प्रधिक है, और जिसकी सं० ४८० सं० १३/३, है, जो नम्रतपेट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पूनमल्ली (डाकुमेंट सं० 3475/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिफल से हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी घन या अन्य ग्राहितयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामं अन्तरिती हाँग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

प्रतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रत्युत्तरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपलब्धता (1) के अधीन, निम्नलिखित वक्तियों, वर्षातः:—

6—176GI/79

(1) श्री एम० कानियमूर्ती और अद्यम।

(अन्तरक)

(2) श्री कौ० वीरमा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शब्द द्वारा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण -एम० सं० १३/३, नम्रतपेट (डाकुमेंट सं० 3475/78)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख: 4-7-79

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०

(1) श्री आर० रमनी अम्माल और श्रद्धरम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्याप

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यविधि, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1979

निदेश सं० 4945—यनः युजौ, राधा बालकान्तं,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धूम 269-व
के अधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विषयाम करने का आवश्यक
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4 और 5, है, जो नेहरू स्ट्रीट, ईरोड़ में स्थित
है (ग्रीष्म इसमें उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है).
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड़ (डाकुमेंट सं० 3863/78)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, नवम्बर 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ३५ प्रति प्रति-
फल के लिए अन्तरित की जाई है और मूल्य यह विषयाम करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण-
प्रतिफल से अधिक है और भवतरण (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से अवृत्तरण दिक्षित में
बास्तविक रूप से किया जाया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किया गया जावा जक्का
अधिनियम के प्रारंभिक दो दिनों के अन्तराल में दायित्व
म करने करने के लिए अन्तरण में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी भाव या किसी दून या अन्य प्रासितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-के
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट की गयी गया या अन्य गया
कारण द्वारा या, जिसने ये प्रारंभ किया,

अतः अब, उक्त अधिनियम को बाजा 269-व के अनुसरण
में मैं उक्त अधिनियम की बाजा 269-व की उपचारा (1)
अधीन, विवरिति अन्तरों प्रभाव—

(2) श्री एम० वी० आर० हुण्ड्रामानुजम।

(अन्तरिति)

को यह सूचना आया है (रूपरेखा) वसानि के प्रत्येक के
नए कार्यवाहियां करता है।

उक्त प्रभाव के अवैद के संबंध में काई भी व्यापेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रत्यधी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित होता;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी
अन्य अविक्षित होता, प्रधोद्वाधारी के पास विवित
में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुखत शब्दों घोर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, उन्हीं अर्थ होता, जो उस प्रधाय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 4 और 5, नेहरू स्ट्रीट, ईरोड़ (डाकु-
मेंट सं० 3863/78)।

राधा बालकान्तं
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9-7-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एस० एस०—

(1) श्री वी० एस० शनमृहम और अदरस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269वं (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० रवीनद्रन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1979

निःशंसा सं० 4937—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 वं
के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 8/1360/9, 1366/ए,
1366/सं० पाठ है जो स्कूल रोड, ठेवानघपेट कोयमबटूर मे स्थित
है (और इसके उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबटूर (डाकुमेंट
सं० 3645/78) में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1978
को पर्यावरण प्रतिफल के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के चिह्न अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रथानुसार संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्यावरण
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया रखा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उचित अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया रखा है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्त्ता
करने वा उससे बचने वाली सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 8/1360/9, 1366/ए,
1366/सं० पाठ है स्कूल रोड ठेवानघपेट कोयमबटूर (डाकुमेंट सं० 3645/78)।

(ब्र) ऐसी किसी आय या किया बन वा प्रत्यक्ष आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया
याया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

राधा बालकृष्णन,
संकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269 वं के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269 वं की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधारों, अधार :—

तारीख: 5-7-79

मीहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1979

निदेश सं० 8418—यतः मुझे, राधा बालछाणे,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० टी० ए० सं० 81—90, हरिद्रा नंता॒ वेस्ट
बेनक है, जो मन्नारघुड़ी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), र्जिस्ट्रीफर्टी अधिकारी के कार्यालय
मन्नारवडो (डाकुमेट सं० 2414/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर

1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
स्थिति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाढ़त उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) श्री कुप्पेया मुदलियार।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० करुणस्वामी चेट्टीयार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्तास्त्री के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० ए० सं० 81—90, हरिद्रा-
नंता॒ वेस्ट बेनक, मन्नारघुड़ी (डाकुमेट सं० 2414/78)।

राधा बालछाणं
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

नारीखः 10-7-79

मोहरः

प्रस्तुति प्राईटी टी० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1979

निदेश सं० 8418—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन्,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से

अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 81—90, हरिद्रा नती बेस्ट
बेनक है, जो मन्नारघुड़ी में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मन्नारघुड़ी (डाकूमेंट सं० 2413/78) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से
दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रीरथा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रसः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपावड़ (1) के
अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

(1) श्री के० बालसुभ्रमनियन।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० करुणस्वामी चेट्टियारः

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हरिद्रा :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 81—90, हरिद्रा
नती बेस्ट बेनक मन्नारघुड़ी

(डाकूमेंट सं० 2413/78)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 10-7-1979

माहर :

प्रस्तुप प्राई० दो० एन० एम०—

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269वं(1) के मद्यत भूचना

(1) श्री नीला तियागराजन।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० कप्पुस्वामी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1979

निदेश सं० 8418—प्रतः मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ख के यक्षीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० टी० एम० सं० 81—90, मस्तारघुड़ी है, जो
मेरे स्थित है (और इसमें उपावड़
अनुसूची में प्रांत पूर्ण रूप से अंशित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी
के कार्यालय मस्तारघुड़ी (डाकुमेंट सं० 2505/79) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूर्ण से हम के दृश्यमान
प्रतिफल के लए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक 3 प्रोर अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उसमें वचन में सुविधा
के लिए, और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ घनानी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वह किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
मुविदा के लिए;

भूमि और निर्माण टी० एम० सं० 81—90, हरिदा
नती वेस्ट बेनक मस्तारघुड़ी।

(डाकुमेंट सं० 2505/78)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुचरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवितयों अर्थात् :—

तारीख: 10-7-79

मोहर:

प्रकल्प आई०टी०एन०एस०

(1) श्री वसनता जगड़ीमन।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1979

निरेंग सं० 6780—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उत्तर प्रवित्रित' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन संग्रह प्रानिकारी को, उत्तर प्रवित्रित करने का कारण है
कि स्थावर अधिकृत, विवक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 4, नारत बाघ रोड III लेन है, जो टी० नगर,
मद्रास 17 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, टी०
नगर (डाकुमेंट सं० 1289/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर
1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से प्रतिशत है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमुख निखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी प्राय की वावत, उक्त प्रक्रि-
तियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में मुश्विदा के लिए;
पोर/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिनाने
में सुविधा के लिए ;

यतः यत, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांक्षस्वाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपस्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रायाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण— 4 नारत बाघ रोड III लेन टी०
नगर, मद्रास 17।
(डाकुमेंट सं० 1289/78)।

राधा बालकृष्ण
मक्षम प्रानिकारी
सहायक प्रायकर प्रायकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास

तारीख: 10-7-1979
मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269 अ(1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1979

निवेश सं० 14/नवम्बर/1978—यतः मुझे, ओ० आनंद्राम भायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के भवीन मध्यन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी सं० 15 नैनिमण्प मैस्ट्री स्ट्रीट है, जो फार्क ट्वन मद्रास-3 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारफट (516/78) में भारीय नियमित अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित तरा किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के भवीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आन्तरिती को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः इब, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपाभारा (1) के भवीन निम्नलिखित अन्तरिती, अर्थात्:—

1. (1) श्री आर० नीलाम्बाल।
- (2) श्री प्रार० शनुगम।
- (3) श्री आर० चुरैस्वामी।
- (4) श्रीमती कम्तूरी।
- (5) श्रीमती वी० एम० रानी।

(अन्तरक)

2. श्री के० एम० सदाकृष्णन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्न के लिए कार्यान्वयन शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी आभ्यर ...

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइं भें समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयस्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीनस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 516/78 एस० आर० ओ० सौकारफट भूमि और निमण डोर नं० 15, नैनिमण नामक स्ट्रीट फार्क ट्वन मद्रास 3।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास ।

तारीख: 11-7-1979

मोहर:

प्रस्तुप प्राइंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जुलाई 1979

निवेश सं० 21/नवम्बर/78—यतः, मुझे, श्रो० आनंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व (1) के अधीन सकाम प्राधिकारी को यदि विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 73 (पुराना नं० 13) लेन्डन्स रोड है, जो मद्रास-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरिमपेट (डाक नं० 1206/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरज लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया था।

(क) प्रभुरज में ही किसी भाव की वास्तु, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरेक के शावित्र में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

1. श्री एस० कलयानी और सी० एस० रामा राव।

(अन्तरक)

(2) श्री सूरा लिंगौपा चेट्टी और श्रीमती सूरा० लक्ष्मी आम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयाद्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के बंदंध में कोई भी आज्ञेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकल्पों पर सूचना की वार्ताल ही 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से किसी अविकल्प हारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविकल्प हारा, प्रबोहस्तान्तरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20व में परिचारित है, वही पर्याय होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1206/78 एस० आर० श्रो० पेरीयामेट भूमि और निमाण डोर नं० 73 (पुराना नं० 13) लेन्डन्स रोड, मद्रास 10।

(ब) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्तियों को विभेद भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रो० आनंद्राम
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- , मद्रास

तारीखः 11-7-1979

मोहरः

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269वा के प्रयुक्तरण में, मैं उक्त अधिनियम, नी धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविकल्पों, अर्थातः—

7—176GI/79

प्रहर आई० टी० एन० एस०—————

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निवेश सं० 1/नवम्बर/78—यतः मुझे, ओ० आनंद्राम, आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० नं० डोर नं० 13 (पुराना नं० 11) जवाहर रोड, है, जो सोकी कुत्रम मदुरै में स्थित है (ओर इप्से उगाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलाकुलम (3319/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित सी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त भविनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी जिसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भविनियम, या घन-कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त भविनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त भविनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असंख्य:—

1. (1) श्रीमती सिन्तामनी आची।
(2) श्रीमती मिनाकशी आची।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० वेम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या वस्तम्भन्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

संज्ञोहरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त भविनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्त्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 3319/78 एस० आर० ओ० तलाकुलम भूमि और निर्माण डोर नं० 13 (पुराना नं० 11) जवाहर रोड सोकीकुलम, मदुरै।

ओ० आनंद्राम,
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, मद्रास।

तारीख: 12-7-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० ई० एन० एस०---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं० 4/नवम्बर/78—यतः मुझे, ओ० आनंद्राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के प्रधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि इयावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है।
और जिपकी सं० आर० एस० नं० 457/3, 457/2 कुलविनिगुरुम,
I स्ट्रीट पालयमकोटे में स्थित है (आर इससे उपावड़ में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मेलपालमम (2178/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन, कर देने के प्रत्यक्ष के
बायित्व में कठी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या भूम्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बन-कर अधिनियम, 1951 (1951 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के सुविधा के लिए;

यतः पर, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारों अर्थात्:—

(1) श्रीमती एस० महालक्ष्मी Lower Agent

श्री एन० रामस्वामी अमर

(अन्तरक)

(2) श्री एम० मारीमुत्तु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के आजन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के आजन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंसक
किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
मर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाकुमेंट नं० 2178/77 एस० आर० ओ० मेलपालयम
भूमि और निर्माण आर० एस० न० 457/3, 457/2,
कुलविनिगुरुम I स्ट्रीट पालयमकोटे।

ओ० आनंद्राम,
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख : 12-7-79

मोहर :

प्रकृष्ट श्राई० एम० एस०—

आयकर विभिन्नम्, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

प्रायकर संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं० 7/नवम्बर/78—अतः मुझे, श्रो० आनंद्राम
आयकर विभिन्नम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त विभिन्नम्' कहा गया है), की धारा 269-ए के
प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से
अधिक है।

और जिसकी सं० पूराना नं० 19 (नगा नं० 3) मोट्टोकार्ल स्ट्रीट
है, जो नार्ज ठवुन मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावद
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जे० एस० एस० श्रो०-I नार्थ मद्रास (4718/78)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण विभिन्नम्, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पक्का
प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए तय पाया था प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरज विभिन्न में बास्तविक
रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरज से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिक-
न्नम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन वा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर विभिन्नम्, 1922
(1922 का 11) वा उक्त विभिन्नम्, वा अन्य-
कर विभिन्नम्, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे 'अन्तरिती' का प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

यहां यह; उक्त विभिन्नम्, की धारा 269-ए के बन्तरक
में, भी, उक्त विभिन्नम् की धारा 269-ए की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधारौ :—

(1) श्री पी० एम० सतार।

(अन्तररक)

(2) श्रीमती लतीफा बीबी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के
लिए कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
विभिन्नम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जनूसूची

डाकुमेन्ट नं० 4718/78 जे०एस०आर०ओ०-I, नार्थ मद्रास
भूमि और निर्माण डोर नं० 19 (नगा नं० 3), मोट्टोकार्ल
स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्रास।

श्रो० आनंद्राम,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रजन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 12-7-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेज-1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं० 22/नवम्बर/78—यतः मुझे, ओ० आनंद्राम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्रम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० फिलेट नं० 5, 1 फ्लोर, शान्ति निवास, 53 पान्तीमन रोड, एगमोर मद्रास-8 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० ओ० परीमेट (डाकूमेट नं० 7297/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित मास्तविक रूप में संवित नहीं किया गया है:—

(ह) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या निसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, पर्याय:—

(1) श्री लेफट कालनल एम उस्मान।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रहमता बौ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यालयाद्वारा होता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभासित हैं, वही पर्याय होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेट नं० 7297/78-एस० आर० ओ० पेरिमगेट निर्माण फिलेट नं० 5, 1 फ्लोर शान्ति निवास, 53-ई, पान्तीमन रोड, एगमोर मद्रास-8।

ओ० आनंद्राम,
सक्रम प्राप्तिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
प्रजेन रेज-1, मद्रास।

तारीख: 12-7-1979

मोहर:

प्रलेप आई० डी० एम० एस०-----

आपकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निवेश सं० 27/नवम्बर/78—यतः मुझे, ओ० आनंद्राम, आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गया है), को धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह नियमास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भविक है और जिसकी सं० फ्लेट नं० 53, सेकंड फ्लोर, आनंद बिल्डिंग कासा मेजर रोड मद्रास-8 में स्थित है (ओर इसमें उपावन्द अनुसूची मेंशीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरिमेट (डाकुमेंट नं० 1169/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह नियमास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भविक है और प्रत्यक्ष (भन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ यात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिति में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त भविनियम के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय वर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भविनियम, या धनकर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त भविनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती पुण्या वाणिज्ये।

(भन्तरक)

2. (1) डॉक्टर एम० डी० रुद्धी।

(2) श्रीमती चन्द्रमाला रेडी

श्रीमती सरस्वती रेडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रमंत के संबंध में कोई भी वापत :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तापीन से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती है, के भोतर 15 दिन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ अन्तरित द्वारा ग्रन्थाद्धात्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें पार्क शब्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रवित्तियन के ग्रन्थाद्य 20-क में निरसापि है, उड़ी अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाद्य में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1169/78 एस० आर० ओ० पेरिमेट निर्माण फ्लेट नं० 53, सेकंड फ्लोर, आनंद बिल्डिंग, कासा मेजर रोड, मद्रास-8।

ओ० आनंद्राम,
सभाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, मद्रास।

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई.टी.एस.—

(1) श्रीमती ग्रहलया राधाकृष्णनम्।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं. 31/नवम्बर/78—यन्: मुझे, ओ० आनंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. 7, राजरत्नम स्ट्रीट है, जो कीलफाक मद्रास-17 में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, ए० आर० ओ० पेरीयमेट मद्रास (1267/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन विम्बिशित व्यक्तियों, भर्ता :—

(2) डा कटर ए० रामदाम
श्री ए० कोदन्डपानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा लंगें।

इष्टोकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं. 1267/78 ए० आर० ओ० पेरियमेट मद्रास भूमि और निर्माण डोर नं. 7, राजरत्नम स्ट्रीट कीलफाक मद्रास-7।

ओ० आनंद्राम,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख: 12-7-1979

मोहर।

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं० 40/नवम्बर/78—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विद्युत बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 11 और 12 है जो मजलनामकन पट्टी चेलम तालूक में स्थित है (और इसमें उपाद्व अनुसूची में और पूर्ण स्तर में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर० ओ० 1 सेलम (4090/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिये अनुसृत की नई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पश्चह अनुसृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया जाए अनुसृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यारक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :—

1. (1) श्री ई० सैमद रहीम
- (2) श्री एस० ई० सैमद इस्मामील।
- (3) श्री एस० ई० सैमद उस्मान।
- (4) श्री एस० ई० मेहदूमशा।
- (5) श्रीमती सैमदशीसा।
- (6) श्रीमती सवीरुशीसा।
- (7) श्रीमती मर्गुशीसा।
- (8) श्रीमती कमलशीसा।

(अन्तरक)

2. (1) मैसर्स अशामनै काटन मिलम प्राइवेट लिमिटेड मैसर्स जामिन्ट मेनेजिंग डारेक्टर पी० विस्वनाथन।

(अन्तर्भूती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त अधिनि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

इन अधिनि के अर्जन के मंदिर में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पर्यवर्ती द्वारा, अधिकारीय व्यक्ति द्वारा, अधिकारीय व्यक्ति द्वारा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यायों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ण होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 4090/78 जे० एस० आर० ओ०-१ सेलम अग्रीकलचरल भूमि सर्वे नं० 11-10.80 एकरम अग्रीकलचरल भूमि सर्वे नं० 12-7.95 एकरम गजलनामकम्पटी, सेलम तालूक 18.75 एकरम

ओ० आनन्दराम,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास।

तारीख: 12-7-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं० 43/नवम्बर, 78—यतः मुझे, ओ० आनंदराम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० 26, है जो नामकल गैन रोड, नामकल टाऊन, सेलम डिस्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० नामकल (1359/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्ताव के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269व की उपकारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात :—

8—176GI/79

1. (1) श्री एम० विश्वनाथन।
(2) श्री पान्तुरंगन।

(अन्तरक)

2. (1) श्री के० मुत्तैमा।
(2) श्री वेंकटाचलम नामुडु और
(3) श्री करुणन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकते।

ल्पणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क, में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

घमुसूची

डाकूमेंट नं० 1359/78 जे० एस० आर० ओ० नामकल भूमि और निर्माण डोर नं० 26 नामकल मैन रोड, नामकल टाऊन, सेलम डिस्ट्रीक्ट।

ओ० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन-रेज 1, मद्रास।

तारीख : 12-7-79

मोहर :

प्रकल्प आई०टी० एन०एस०-----

श्रावक अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रवीन मृत्यु

भास्त सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं० 45/तबम्बर/78—यतः मुझे, ओ० आनंद्राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रवीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० 30, मिल स्ट्रीट, पंरमली गांव नामकल
तालूक सेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नामकल (834/78) में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख तबम्बर 1978 को
पूर्णता सम्पत्ति न उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्णता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त सम्बन्ध लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से ऐसी किसी धारा की वाबन उक्त अधिनियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के दायि
में कम। करना। उससे बचने में सुविधा के लिए;
जीर्या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
नहीं चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रवापण में
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचार्य (1) के
प्रवीन निष्पत्ति अधिकारी, अर्थात् ।—

1. श्री एस० महेश चैट्टीयार। (प्रन्तरक)
2. (1) श्री ई० एस० रामस्वामी।
(2) श्री ई० एस० मुथुस्वामी और
(3) श्री के० पी० दुरैस्वामी।

(अन्तर्गतः)

को यह मूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
प्रम्य अधिकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपचारणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आकुमेंट नं० 834/78 जे० एस० आर० ओ० नामकल
भूमि और निमौन (रेस और आयिल मिल) डोर नं०
30 मिल स्ट्रीट परमती गांव, नामकल तालूक सेलम डिस्ट्रीक्ट।

ओ० आनंद्राम
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रजन रेंज II, मद्रास

तारीखः 12-7-1979
मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंटी ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269वा (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं० 55/नवम्बर/78—यतः मुझे, ओ० आनंद्राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269वा के अधीन सकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संरक्षित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सिवियम पट्टी है, जो, में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, आतूर (1816/78) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त संरक्षित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संरक्षित का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के प्रवीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगभाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः प्रव, उक्त अधिनियम को भारा 269वा के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269वा की उपचारा
(1) के अधीन लिखित व्यक्तियों, प्रति:—

1. (1) श्री एस० रामसामी।

(2) श्रीमती एस० पंचियामाल।

(3) श्री आर० रामसामी।

गवर्नरमेंट ब्वायज हाई स्कूल आतूर मिलेम के सामने
(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती एस० ग्रलमाल, ग्रम्माल।

(2) श्री सुभरामा उडायार।

(3) श्री एस० वेडिवेल।

(4) श्री एस० सेनामलै।

(5) श्री एस० चिवम्बरम।

(6) श्री एस० मारीमूरु।

(7) श्री वी० पंचमूरु।

(8) श्री वी० घर्मा।

एचोपट्टी, आठूर तालूक, सलेम जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिकारी
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमव फिसो
प्रम्य व्यक्ति द्वारा, घोषित द्वारा, अधिकारी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, नहीं
पर्यंत होगा जो उस प्रथाय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकमेंट नं० 1816/78 एस० आर० ओ० आठूर
अग्रीकल्चरल भूमि पर सिवियमपट्टी और ईच्यमपट्टी,
आतूर तालूक सलेम डिस्ट्रीक्ट।

ओ० आनंद्राम
सकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 12-7-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं० 56/नवम्बर/78—यतः मुझे, ओ० आनंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पहुंचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी मं० अप्रीकल्चरल भूमि पर नरसिंहपुरम और आतूर में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आतूर (1816/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे पहुंचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्त :—

1. (1) श्रीमती अलमलै अम्माल।
- (2) श्री सुबराम उहैमार।
- (3) श्री एस० बडिवेल।
- (4) श्री एस० शेनामलै।
- (5) श्री एस० पच्चमुसु।
- (6) श्री एस० चिदम्बरम।
- (7) श्री एस० मारीमुल।
- (8) श्री वी० पच्चमुल।
- (9) दरमा।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ई० एस० रामास्वामी।
- (2) पच्चयिम्माल।
- (3) श्री पेरिंगसामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 1816/78 एस० आर० ओ० आतूर
अप्रीकल्चरल भूमि सबै नं० 311/2, 312/2, पर
नरसिंहपुरम।
अप्रीकल्चरल सबै नं० 566/8, 566/9, 566/10, 585/1,
595/1, 585/1, 585/3ए, 585/3बी, 595/1 में आतूर
सेलम डिस्ट्रिक्ट।

ओ० आनंद्राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 12-7-69

मोहर:

प्रह्लप बाई० दी० एन० एम० —————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निवेश सं० 56/नवम्बर/78—यत् मुझे, श्री० आनंद्राम आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जसकी सं० 7, सेंट तामस रोड, पालममकोट्टै में स्थित स्थित है (और इससे उपावन में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० श्री० पालमम कोहै (डाकूमेंट नं० 2460/78) भारतीय रजिस्ट्रेकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और मन्त्ररक (मन्त्ररकों) और मन्त्ररिती (मन्त्ररितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्टरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) मन्त्ररण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्रधिनियम के वधीन कर देने के घन्टरक के शायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी छन या अन्य घासियों की जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिपाल में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के घन्टरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की प्रारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री मेजर एम० तिमोगराज ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोमत नामनार मास्क (पलीवासल) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधान्दस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

इष्टोङ्करण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकूमेंट नं० 2460/78 एस० आर० श्री० पालममकोट्टै भूमि और निर्माण डोर नं० 7 सेंट तामस रोड पालमम को है।

श्री० आनंद्राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-7-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी०१०८० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं० 59/तवस्वर/78—यतः मुझे, औ० आनंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 56ए, 57, 58, 59 और 60 बैंगलूर रोड, बोमनपट्टी कुरुणगिरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II किरणगिरी (2297/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूई किसी प्राय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तीयों, अर्थात्:—

1. अफिशिमल रेसिवर आफ धर्मपूरी का किण्णगिरी।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन गोविंद दास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्तीयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तीयों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भी अन्य अवित्त द्वारा, अघोषित द्वारा के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही प्रथम होगा जो, उस अन्याय में दिया गया है।

मनुसूची

डाकुमेंट नं० 2297/78 जे० एस० आर० और
किण्णगिरी

भूमि और निर्माण ऊर नं० 56०, 57, 58, 59 और
60 बैंगलूर रोड, बोगनपट्टी किरणगिरी।

ओ आनंद्राम,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 12-7-79

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा०(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१ मद्रास
मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं० 64/नवम्बर/78—यतः मुझे, श्रो० आनंद्राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा०
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० चैयरमैन कुट्टीआया गोडर स्टीट, वार्ड १
सूरी चैटी एक्सटैन्शन तिरुपतूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी
के कार्यालय तिरुपतूर (3487/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अस्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

धरत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविवायों, अर्थात् ।—

(1) श्रीमतो श्रावणी श्री मिलाप चन्द्र और कमला
चाहौं पति श्री गुलाब चन्द्र (प्रस्तरक)

(2) श्रो० के० सी० सुबरमनिया मुदालियार सपुत्र कन्नापा
मुदालियार तिरुपतूर नालूक, कोराटी (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आव्रेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उन्न स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी ग्रन्थ अविवाय का साक्षरता के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

इष्टटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

डाक्युमेंट नं० 3487/78 प्र० आर० श्रो० तिरुपतूर
भूमि और निर्माण का डोर नं० चैयरमैन
कुट्टीमण्डप गन्तन्तूर स्टीट, सूरी चैटी एक्सटैन्शन तिरुपतूर ।

श्रो० आनंद्राम,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
जैन रेज-१, मद्रास ।

तारीख: 12-7-1979
मोहर:

प्रख्याप भाई०टो० एन० एस०—

(1) श्रीमती जयालक्ष्मी द्वारा पवर एजेंट श्री ए० बालसुन्नामनियम।

(अन्तरक).

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदेश सं० 66/नवम्बर/78—यतः मुझे, श्री० आनंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3बी और 4 नार्थ वेली स्ट्रोट है, जो मदुरै में स्थित है (और इसमें उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० श्री० I मदुरै (4205/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भल्ल, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता—

(2) श्री० एम० एम० जी० मानिकवासगम।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास निवास में फिर जा सकेंगे।

हस्ताक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

डाकुमेंट नं० 4205/78 जे० एस० आर० श्री० -I मदुरै भूमि और निर्माण डोर नं० 3-बी और 4 नार्थ वेली स्ट्रोट, मदुरै।

श्री० आनंद्राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख: 12-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप आर्डो० टी० एन० एस० _____

(१) श्रीमती जया खड्गी द्वारा पवर एजेंट थी ए० बाल सुखमनियम । (अस्तरक)

**आयकर प्रबंधनियम, 1961 (1961 का 43) की
वारा 269-ए (1) के प्रभीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-१, सदास

मद्रास, विनांक 12 जुलाई 1979

(2) श्रीमती एम० एम० पृष्ठम अम्माल ।

(अनुवादी)

निवेश सं० 67/नवम्बर/78—यत मुझे ग्रो० आनंद्राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 3, 3-ए, 3-बी, और 4 नार्थ बेली स्ट्रीट है जो
मदुरै में स्थित है (श्री इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०
ग्रो-II मदुरै (4206/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कम के लिए प्रत्यक्षित की गई है और यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पहला प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (पन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के
बीच ऐसे व्यापरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
जहाँप से उक्त पर्याय निषिद्ध ने वास्तविक रूप में कठित नहीं
किया गया है :- -

तो यह सूचना जारी करके पूछौंस सम्पत्ति के घरेन के लिए विवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति का दारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवद्धु किसी प्राप्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पर वर्णन का, जो उक्त प्रश्नाविषयमें प्रधार्य 20क में परिभासित है, वही शब्द होगा जो उस प्रधार्य में दिया गया है।

(क) प्रस्तरण से दृढ़ किसी प्राय की वादत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कठी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और या

संग्रहीत

(अ) ऐसी किसी आय पा किसी धन या मन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्त्रिलो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिखाने में सुविधा के लिए;

डाकमेंट नं० 4206/78 जे० एस० आर० ओ०-II भुवरे
भूमि और निर्माण डोरनं० 3, 3-ए, 3-बी और 4 नार्य
बेली स्टीट, मदुरै।

म्रो० अनंद्राम, सक्षम प्राधिकारी

अतः प्रब, उक्ता अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्ता अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अद्वितीयों, प्रवातः—
9—176GII/79

प्रकृष्ट प्राई• टी• एन• एस• —————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं 68/नवम्बर/78—यतः मुझे, श्रो. आनंद्राम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है, और जिसी सं 3 बी और 4 नार्थ वेली स्ट्रीट है, तथा जो मदुरै में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे. एस. आर०-II मदुरै (4007/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिकात से अधिक है, और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे प्रस्तुत रणनीय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रस्तुत रणनीयित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तुत से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन्य या उन्हर आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनके अधिनियम की धारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविनियों अर्थात् :—

1. श्रोमनी जयलक्ष्मी पत्नी पवर एजेंट श्री बालसुब्रमनियम (अन्तरक)
2. श्रोमनी एम० एम० जो० पूमिल अमाल (अन्तरिक्षी)

जो इन्होंना बारो करके पूर्णत सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक में होई जो प्राक्षेप:—

- (क) इस मूर्ता के रावराव में राहगार को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में पे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूर्ता के रावराव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ते भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किया गया व्यक्ति द्वारा, प्रधानमंत्री के नाम निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रपूत गद्दों और इसी का, ता उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं वे गद्दे जो तो जो वे अवधि में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नम्बर 4207/78 जे० एस० आर० आर०-II मदुरै भूमि प्रौद्योगिकी डोर नं० 3, 3 ए 3 बी और 4 नार्थ वेली स्ट्रीट मदुरै।

श्रो. आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-7-1979
मोहर :

प्रष्टप आई० टी० एन० एस०——

1. मैत्रर कलमानी पुली ए० बालसुभ्रमनियम
(अन्तरक)

आयकर व्यविधियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

2. श्री एस० एम० जी० मनिवासगम
(अन्तरिती)

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निवेश सं० 69/नवम्बर/78—यतः, मुझे, श्रो० आनंद्राम, आयकर व्यविधियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यविधियम' कहा गया है), की घारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जितकी सं० 3 ए/1 नार्त वेली स्ट्रीट है, तथा जो मदुरे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबृह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्थानी अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० श्रो०-II, मदुरे (4208/78) में रजिस्ट्रीकरण व्यविधियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ यापा गया प्रसिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से व्यविधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त व्यविधियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर व्यविधियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यविधियम, या बन-कर व्यविधियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्राप्ति अवधि व्यविधियम की घारा 269-ए के प्रनृपरण में, उक्त व्यविधियम की घारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

जो यह सूचना नारी करने पूर्वी अन्तिम के अंते कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंते में जो भी मानें :—

(र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीक्ष से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती है² के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 13 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदण्ड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास सिविल में किए जा सकेंगे।

व्यवाहौकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यविधियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अद्वैत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4208/78 जे० एस० आर० श्रो०-2 मदुरे भूमि और निर्माण डोर नं० 3, 3 ए/1 और नर्त वेली स्ट्रीट, मदुरे।

श्रो० आनंद्राम
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजंन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रकाप याई० टी० एन० एस०-----
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 आरा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 70/नवम्बर/78—यतः, मुझ, ओ० आनंद्राम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ब के प्रधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

और जिसकी सं० 3, 3ए/1 और नार्थ में रोड है, तथा जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० मदुरै (4209/78) में भारतीय रजिस्ट्रिकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यकापूर्णकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उत्तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वाकिल में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या आयकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ब के अनुसूतरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की आरा 269-ब की उपरामा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अवातः।—

1. मैनर कलमाणी पुत्री ए० बालसुब्रमनियम (अन्तरक)

2. मैनरलक्ष्मनन धुव एस० एम० गुहुस्वामी चेट्टीयार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आज्ञा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हथोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4209/78 जे० एस० आर० ओ० II मदुरै भूमि और निर्माण डोर नं० 3, 3ए/18 नार्थ बेली स्ट्रीट, मदुरै।

ओ० आनंद्राम
 संशम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एस० -----

1. श्रीमती राजेश्वरी पवक एजेंट श्री ए० बालसुद्रमनियम
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 71/नवम्बर/78—यतः, मुझे, ओ० आनंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 3 बी, और 4, नातं बेली स्ट्रीट है, तथा जो मदुरैमें स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० II मदुरै (4210/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हटाई जिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के वायिक्षण में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें सारलीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम द्वारा अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों अर्थात् :—

2. श्रीमती एस० एस० पूरापम प्रम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जरूरी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अंदर के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्षम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितावृद्धि किती अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट न० 4210/78 जे० एस० आर० ओ० II मदुरै भूमि और निर्माण डोर न० 3, 3-ए, 3 बी और 4 नातं बेली स्ट्रीट, मदुरै।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रकल्प प्राइंटी•एन•एस•---

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं. 72/नवम्बर/78—यतः, मुझे, श्रो० आनंद्राम् भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन सक्षम प्रायिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. 3ए, और 4 नार्थ बेली स्ट्रीट, है, तथा जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज० एस० आर० II मदुरै (4211/78), में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ति (अन्तरिक्तियों) के बीच एवं असारण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त प्रस्तुत लिखित में वास्तविक रूप से कार्यक्रम नहीं किया गया है—

(क) असारण से दुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ज्ञान प्राप्तियों को विहृ भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाता दाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, घर्षातः—

1. श्रोमती जयलक्ष्मी पवक एजनेट ए० बालसुन्नमनियम (अन्तरक)

2. श्री मैनर लक्ष्मण पुत्र एस० एम० गुरुसामी चेट्टियार (अन्तरिक्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के विवर में ऊर्जे भी लाभेत—

(क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवधियों पर सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता;

(ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में इत्यत्र किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोदृसामरी के पास लिखित में किये था सकेंगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेट नं. 4211/78 ज० एस० आर० श्रो० 2 मदुरै भूमि और निर्माण जौर नं. 3ए, और 4 नार्थ बेली स्ट्रीट, मदुरै।

श्रो० आनंद्राम
सक्षम प्रायिकारी
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 मद्रास

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्र० श्री प्र० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निदश मं० 73/तवम्बर/78—यतः, मुझे, श्रो० आनंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 3, 3-ए, 3-बी और 4 नार्त वेली स्ट्रीट, है, तथा जो मदुर में स्थित है (श्रीरहम्मेड उपाचार्य अनुसूची में श्रीरहम्मेड रुपये में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय, ज० एम० आर०-II मदुर (4212/78) में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख तवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, एवं दूष्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अस्तित्वों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के धारियों में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय था किसी धन या अम्य आस्तित्वों की विनियोग आयकर अधिनियम, 1० २ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1457 था २७) के प्रदानकार्य अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया था या इस जाना जाता है या इसने में सुविधा के लिए;

इस, इस अधिनियम की धारा 269-ग के मन्त्रण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारों, अर्थात् ।—

1. श्रो० राजेश्वरी पवर एजेंट प० बालमुखमनियम (अन्तरक)

2. श्रो० एन० एस० जी० पुमथिल अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी न करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

इस सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अधिकारों ने सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

प्रमुख

डॉक्यूमेंट नं० 4212/78 ज० एस० आर० श्रो०-II मदुर एवं श्रीरहम्मेड नं० 3 वो श्रीरहम्मेड नं० 4 नार्त वेली स्ट्रीट, मदुर।

श्रो० आनंद्राम
भक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 12-7-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्रार्थीं दी० एन० एस०—————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-। मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 74/नवम्बर/78—यतः सुझे, ओ० आनन्दराम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 3, 3 ए, 3 बी और 4 है, तथा जो मधुरे
में स्थित है (और इससे उपावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर०
ओ० 1 मधुरे (4213/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रमत्तरण (प्रमत्तरणों) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कृचित् नहीं किया गया है :—

1. श्रोमती जरलक्ष्मी पवर एंजेंट ए० बालसुब्रमनियम
(अन्तरक)

2. श्री एम० परमण

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत
के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में ऊर्ति भी प्राप्तेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मक अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षिय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी प्रम्म अविक्षिय द्वारा, प्रधानहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पत्रों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधान 20-क में परिभाषित हैं, वही
पत्र होंगा जो उस प्रधान में दिया गया है।

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी प्राय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के प्रमत्तरण के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ओर/या

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4213/78 जे० एस० आर० II मधुरे
मूर्म और तिर्त्तीग - डोर नं० 3 बी और 4 नार्त बली स्ट्रीट,
मधुरे ।

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
प्रमत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
बाना आहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ओ० आनन्दराम,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-।, मद्रास।

असः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अवार्ता :—

तारीख : 12-7-1979
मोहर :

प्राक्षय प्राई० टी० एम० एस०---

ब्राह्मकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 75/नवम्बर/78—यतः, मुझे, श्रो० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5, नातं वेली स्ट्रीट, है, तथा जो मदुरै में स्थित है (ग्रीष्मीय इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II मदुरै (4214/78) में रजिस्ट्रीकण प्रधिनियम, को 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तर्को) और प्रत्यक्षीती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के शायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;

ओर/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी पाय वा किसी घन वा भूमि को 'जन्मे भारतीय प्राप्तकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त प्रधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती सुब्रुलक्ष्मी पवर एंड ए० बालसुश्रमणियम, (अन्तर्क)

2. श्रीमती एम० एम० पुण्यम अम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी वाक्योप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोवस्ताक्षरी के पाज लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टदाता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रत्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रत्याय में दिया गया है।

इष्टदाता नं० 4214/78 जे० एम० आर० II मदुरै भूमि और निर्माण—डोर नं० 5 नातं वेली स्ट्रीट, मदुरै।

श्रो० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

भ्रत: भ्रत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—176GI/79

प्रस्तुप प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं. 79/तवम्बर/78—यतः, मुझे, ओ० आनंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है तिस्थान प्रत्यक्षि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. 91, 92, 93 और 94 डिन्हुगल रोड, है, तथा जो मदुरै में स्थित है (ओर इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुदुमन्डपम (1984/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवितर्यां अर्यातः—

1. (1) श्री के० गुरुमासी चेटिपार
- (2) श्री जि० शुमरेशन

(अन्तरक)

2. श्री तिदिक प्रली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वजन्मी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिसूचित व्यक्ति के पास निवासित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, अन्तीम अर्थ हाता, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं. 1984/78 एम० आर० ओ० पुदुमन्डपम भूमि और निर्माण —डोर नं. 91, 92, 93 और 94 डिन्हुगल रोड, मदुरै (1/3 एर.)।

ओ० आनंद्राम
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I, मद्रास

तारीख : 12-7-1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

1. (1) श्री के० गुहसामी चेन्ट्रियार
 (2) श्री जी० कुमरेसन

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निम्न नं० 80/नवम्बर/78—यतः, मुझे, ओ० आनंद्राम, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यान् 'उन्नत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीराजिका मं० 91, 92, 93 और 94 डिन्डुगल रोड, है, नथा जो मदुरै में स्थित है (श्रीराजिका इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, पुदुमान्डपम (1989/78) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रतीक, तारीख नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की आवत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायितक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

डाकुमेट नं० 1989/एम० आर० ओ० पुदुमान्डपम भूमि और निर्माण—डोर नं० 91, 92, 93 और 94 डिन्डुगल रोड, मदुरै (1/3 शेरे) ।

ओ० आनंद्राम
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़ 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 81/नवम्बर/78—यतः, मुझे, ओ० आनंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का लाभ है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 30 कानूनात्मक किरास है, जो स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० 1 मदुरै (4499/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से कुई किसी भाव को बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या पन्थ प्राप्तियों को; जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवाले अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए एवं छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-च के अनुसार में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात्—

1. (1) श्रीमती एन० एस० काषेरी अम्माल
- (2) के० के० विजयलक्ष्मी
- (3) श्रीमती एम० आर० जयलक्ष्मी

(अन्तरक)

2. श्रीमती बी० कृष्णवेणी अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कायंवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रत्रेन के पंचव घे० कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में रे किसी वास्तविक दाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 41 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध किसी पन्थ अविक्षय द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

व्यवहारण :— समेत प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

मनुसूची

डाक्युमेंट नं० 4499/78 जे० एस० आर० ओ० 1 मदुरै भूमि और निर्माण —डोर नं० 30, कानपालयम क्रास स्ट्रीट, मदुरै।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, मद्रास

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रृष्ठप आई० टी० एम० एस०--

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 82/नवम्बर/78—यतः, मुझ, ओ० आनंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ओर जिसकी सं० 30, वार्ड नं० 41 खानपालायाम कौम स्ट्रीट है, तथा जो मदुरै में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में जे० एस० आर० ओ०-I मदुरै (4500/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिष्ठत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती- (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया अधिकल; निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रसरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्याप्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं प्रस्तरित हारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिये;

यह: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपलापा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, घर्ता :—

- (1) श्री टी० एस० रंगचारी, 30, खानपालायाम कौम स्ट्रीट, मदुरै
- (2) श्री टी० आर० डेसीकान, सुपुत्र टी० एस० रंगचारी, 30, खानपालायाम कौम स्ट्रीट, मदुरै
- (3) श्री टी० आर० आनंदन, सुपुत्र टी० एस० रंगचारी, 30, खानपालायाम कौम स्ट्रीट, मदुरै
- (4) श्रीमती एस० आर० धनलक्ष्मी एम्माल, पत्नी रामामूर्ती, सौराष्ट्रापुरम, वनदीयूर, मदुरै-20.

(अन्तरक)

2. श्रीमती बी० कृष्णवेनी एम्माल, पत्नी श्री बालूसामी चेट्टीयार, पानछूगुर्णी, थीरुवाडानाई तालुक, रामनाड जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्तिः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

इष्टीकारक :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आकुमेंट नं० 4500/78 जे० एस० आर० ओ०-I मदुरै भूमि औरनिर्माण—डोर नं० 30, खानपालायाम क्रास रोड, मदुरै।

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

ओ० आनंद्राम
संक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

शब्दप्रयोगी शब्दों परम् ।

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प्र (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं. 84/नवम्बर/78—गतः, मुझे, श्रोता श्रान्द्राम
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उग्रके
पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र के
प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वाग करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुप से
अधिक है।
और जिसकी सं. 3-ए नार्त वेली स्ट्रोट है, तथा जो मदुरै में
स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी वो कार्यालय, जे.० एस० आर० ओ०-१
मदुरै (4344/78) में रजिस्ट्रेक्टर अधिनियम, 1908
(1908 का 16) वो अधीन, तर्क्ख, नवम्बर 1978 को
पूर्योक्त, संभित के उचित शायर सूच से कम के दशमान
प्रतिफल के लिए अन्वेषित की गई है और मुझे यह विभास
करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संभित का उचित बाजार
मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नदृह
प्रतिष्ठित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया था पर्याप्त
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित भ भारतीय क
रूप में कथित नहीं किया था।

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय का बावत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और शा-

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों
को, जिन्हे भारतीय शायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं हुया
था या किया जाना चाहिए था, छिपने वे
सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प्र के अनुसरण
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित अधितियों, अद्यतः—

1. कुमारी गैनर कविता पुर्वी श्रोता श्रान्द्राम

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० एम० जी० पूमिल अम्मल

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अन्तर के
लिए कार्यवाहियों करना है।

उक्त सम्पत्ति के श्रीमती के विवर में ऊंची भी भाँकी—

(क) इस गृहनाल के भागावद में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध अन्तियों पर सूचना
की तामील में 50 डिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त अधितियों में
से किसी अवधि द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संभिति में हिन-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंशाहस्तानी के
पास निविल में किए जा सकें।

इष्टटीकरण——हमें यथुक्त गत और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-६ में परिभासित
है, वही अब होगा जो उस प्रवाप में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं. 4344/78 जे.० एस० आर० ओ०-१ मदुरै
भूमि और निमण—डोर नं. 3-ए, नार्तवेली स्ट्रोट मदुरै।

ओ० श्रान्द्राम
सकाम प्राधिकारी
सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

पक्षप्रमाणी ३० एस० पूर्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ४३) की धारा
२६९-घ(१) के अधीन सूचना
भारत सरकार

वार्षिक भारतीय आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निवेश सं० ८५/नवम्बर/७८—पन०, गुज़ार, ओ० आनंद्राम्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ४३) (जिसे इसमें
इनके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-घ
के अधीन गतम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
रुपए से अधिक है

ग्रीष्म किसी सं० ५, नार्त वेली स्ट्रीट है, जहाँ जो मदुरै में
स्थित है (ग्रीष्म सं० ५ उत्तरवद्ध मन्त्रालय में ग्रीष्म पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के वार्षिक नं० १८० आर०
ओ०-१ मदुरै (४३३९/७८) में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,
१९०८ (१९०८ का १६) के अर्थात् त.र. या नवम्बर १९७८
को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
ग्रीष्म अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उप गया तथा वरिता, निर्माणित उद्योग से उस अन्तरण
निरिति में वास्तविक रूप से तयित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ऐसे हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने गा उससे बचते में भुविष्य
के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या फिला व्रत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का २७)
के प्रथोडनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिस जाति चाहिए था, छिपाने में
दृष्टिकोण से लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुभव
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१)
अधीन निर्माणित उद्योग जर्जन ...

१. श्रीमता इद्राजी पावर एंजीन ए० बालसुन्नमनियम
(अन्तरक)
२. श्री एस० परमन चट्टियार
(अन्तरिती)

को यह सूचना गारी करके उर्वरक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्याप्त में कोई भी योग्यता:—

- (क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना ने राजनव में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षितारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदेहरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्यातः २०-८ में परिभासित
है, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिए
गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० ४३३९/७८ जे० एस० आर० ओ०-१ मदुरै
भूमि और निर्माण —डोर नं० ५, नार्त वेली स्ट्रीट, मदुरै।

ओ० आनंद्राम
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-१, मद्रास

तिरीक्षा: 12-7-1979

मोहर :

प्रसूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 93/नवम्बर/78—यतः मुझे, ओ० ग्रान्ट्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मूल्य 623/7 और 623/8 एट्रायापुरम रोड, है, तथा जो कोविलपट्टी में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण ढूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोविलपट्टी (2384/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य पर विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भूत या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. (1) ओ० टी० पी० मुहगान,
- (2) टी० पी० फियानन्दम,
- (3) टी० पी० श्रोगिवाभगम,
- (4) टी० पी० प्रवाणम पुत्राण श्री पी० पी० एम० टी० पोबूसमामी नादार, साउथ एण्ड नोर्थ कोटल रोड, तूतीकोरिन

(अन्तरक)

2. श्री आर० जोसफ, प्रेजीडेंट औन बिहाफ औफ टिक्सेलवेली जिला, कोटेज मैनुफैक्चरर्स, एसोमिणेशन, कोविलपट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजून के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति यहितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोबृहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एवष्टीकरण :—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्त्री

डाकुमेंट नं० 2389/78 एम० आर० ओ० कोविलपट्टी भूमि और निमिण—टी० एम० नं० 623/7, 623/8, एट्रायापुरम रोड, कोविलपट्टी।

ओ० ग्रान्ट्राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 101/नवम्बर/78—यतः, मुझे, ओ० आनंद्राम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 205 (नमी नंबर) गोविन्दप्प नामक स्ट्रीट है, तथा जो मद्रास-1 में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० नार्थ मद्रास (4674/78) में रजिस्ट्रेकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का परन्तु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित रद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर रेने के अन्तरक के अधिकार में किसी भावने या उसके बचन में सुविद्धा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्य या किसी धन या अन्य आन्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्धा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री प्रफुल चन्द्रन

(2) श्री रमेश चन्द्रन

(अन्तरक)

2. श्रीमती डॉ० एस० मंगमा

(अन्तरिती)

को यह सबना जारी करके पूर्वी। नमनि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रष्ट व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4674/78 जे० एस० आर० ओ० नार्थ मद्रास भूमि और निर्माण —डोर नं० 205 (नमी नंबर) गोविन्दप्प नामक स्ट्रीट, मद्रास-1।

ओ० आनंद्राम
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-7-1979।

मोहर :

प्रख्यात धाई० टी० एस० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-2, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 101/नवम्बर/78—यतः, मुझे, श्री० आनंद्राम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहा है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आर० एस० नं० 612 गोविन्दप्पा नामक स्ट्रीट है, तथा जो मद्रास-1 में स्थित है (श्रीरइससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०-१ मद्रास नार्त (4113/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पाथा यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(३) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(४) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आमा चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

1. श्री एस० लालचन्द वादा ट्रस्ट

(अन्तरक)

2. श्री वादा कम्पनी, गोल्डन लूबा ट्रस्ट

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी अन्य अविक्षित द्वारा अधोक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4113/78 जे० एस० आर० ओ०-१ मद्रास नार्त भूमि और निर्माण आर० एस० नं० 612, गोविन्दप्पा नामक स्ट्रीट, मद्रास-1।

श्री० आनंद्राम
संघर्ष प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 12-7-1979

मोद्दर :

प्रकृष्ट प्राइंटी एनो एसो—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269प्र(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 108/नवम्बर/78—यतः, मुझे, ओ० आनंद्राम,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 13, अलगप्पा नगर है, तथा जो मद्रास-10
 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस०
 आर० ओ०-1 नार्थ मद्रास (4366/78) में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आवित्यों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा
 छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें
 सुविधा के लिए;

यह: यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
 मैं, नैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित अधिक्षयों, घोषित:—

1. श्रीमती विजय मेनन

(प्रमत्रक)

2. श्री बोय एस० विवेकानन्द रेडी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

बनुसूची

डाकुमेंट नं० 4366/78जे०एस०आर०ओ०-1 नार्थ मद्रास
 भूमि और निर्माण —डोर नं० 132, अलगप्पा नगर, मद्रास-101

ओ० आनन्द्राम
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-7-1979 ।

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1979

निर्देश सं० 6/नवम्बर/78—यतः, मुझे, ओ० आनंद्राम, सहायक आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हस्तके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है

और जिसकी सं० 24, ताण्डवराय पिलै स्ट्रीट है, तथा जो सौकार्यन, मद्रास में स्थित है (और इसमें लपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नरी अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर० ओ०-I मद्रास नार्थ (डाकुमेंट नं० 4671/78) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की आवधि, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसों किसी प्राय या किसी धन या भव्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनवं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ए के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम, की आरा 269-ए की उपायश (1) अधीन निम्नसिखित अवधियों अवधि :—

1. श्री टी० ए० सुद्रमनियम (अन्तरक)

2. श्री एस० बी० सागरमल (अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवेन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवेन के सम्बन्ध में कोई भी वाचेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वतंत्री हठन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-के परिमाणित है, वही भर्त द्वागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4671/78 जे० एम० आर० ओ०- मद्रास नार्थ भूमि और भवन डोर नं० 24, थण्डवराय पिलै स्ट्रीट सौकारपेट, मद्रास।

ओ० आनंद्राम

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 13-7-1979

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई० टी० एस० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1979

निर्देश सं० 8/नवम्बर/78—यतः, मुझे, श्रो० आनंद्राम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)’ (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त प्रधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 17, मनगप्तन स्ट्रीट है, तथा जो मद्रास 1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट (558/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाशा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी भाव की बावजूद उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावधि अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिये;

अब: यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपलाई (1) के शब्दों निम्नलिखित व्यक्तियों पर्वत :—

1. श्री हरिदास पुरुषोत्तम दास (अन्तरक)

2. श्री तेज राज खुराना स्ट्रीट मैनेजिंग ट्रस्टी श्री पश्चालाल खुराना

(अन्तरिती)

को पृष्ठोक्ता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के नियम कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितावद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 558/78 एस० आर० श्रो० सौकारपेट भूमि और निर्माण —झोर नं० 17, मनगप्तन स्ट्रीट, मद्रास-1।

श्रो० आनंद्राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 13-7-1979

मोहर :

प्रह्लद आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के पर्यान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1979

निर्देश सं० 94/नवम्बर/78—यतः, मुझे, प्रोटै आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के पर्यान सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 192, 192-ए, 192-बी, 193, 194, और 195 ओपोजिट स्टेडियम बालमोर रोड, नागरकोइल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०-II नागरकोइल (4064/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीय नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पूर्वोक्त प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यरक्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के लिए ऐसे प्रत्यरक्त के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) प्रत्यरक्त से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के पर्यान कर देने के प्रत्यरक्त के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
लोट/वा

ओ० श्री० नारायण आयर

(प्रत्यक्ष)

2. श्री० एन० परमाश्रिवत्त

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्यान के लिये कार्यवाहिया करता है।

इस सम्पत्ति के पर्यान के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अंतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

उपर्योक्तरथः——इसमें प्रधुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो इस अन्याय में दिया गया है।

प्रमुखसूची

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

डाकुमेंट नं० 4064/78 जे० एस० आर० ओ०-II, नागरकोइल भूमि और निर्माण सर्वे नं० 1273 और 1274 डोर नं० 192, 192-ए, 192-बी, 193, 194 और 195 ओपोजिट स्टेडियम, बालमोर रोड, नागरकोइल।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 13-7-1979

मोहर :

अनु॒ अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रमुखरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलापा (1) के पर्यान निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धात्—

प्रकाप धाई० दी० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 जुलाई 1979

निर्देश सं० 104/नवम्बर/78—यतः, मूले, ओ० आनन्दराम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त प्रधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सहमत प्रधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4, है जो सवरिमुथु स्ट्रीट है, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जै० एस० आर० ओ०-III मद्रास नार्थ (4703/78) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मूले यह विवास करने का कारण है कि यकापूर्णकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरार्ती (प्रस्तरार्तियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकृति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिद्धि में बास्तविक कप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व या भास्त्रने या चंसमेवने में सुविधा के लिए; और।।।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी उन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरमें, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

1. (1) श्री पी० के० वेंकटरामन,
- (2) श्री दी० शन्मुगम,
- (3) श्री दी० मुरुगन और
- (4) श्री के० दी० पलागियाप्पन

(अन्तरक)

2. (1) श्री एम० सेसवाराज,
- (2) श्री एम० गोविंदाराज,
- (3) श्री एम० मोहनराज

(प्रतिरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के बाबत के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्राप्ति व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकें।

इवान्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अन्याय 20-क में यका परिभाषित है, वही पर्याय द्वारा, जो उस प्रधान्य में दिया गया है।

अनुमूल्ची

डाकुमेंट नं० 4703/78 जै० एस० आर० ओ०-III मद्रास नार्थ भूमि और निर्माण—डोर नं० 4, स्वरीमुख स्ट्रीट जार्ज टाउन, मद्रास-1।

ओ० आनन्दराम
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 13-7-1979

मोहर :

प्रालेख आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० 8415—यतः, मुझे, दो बालकुण्ठ
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 17, 17 ए, 19, 20, 21 और 25 है,
तथा जो मेल अग्रहारम स्ट्रीट अरियलूर में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय, अरियलूर (डाकुमेंट सं० 1937/78)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस्त्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 9-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एस नटगांज घिल्ले

(अन्तरक)

2. श्री सशी रोनटरपैमग, सी० 80, 10 स्ट्रीट तिलौती
गारा, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षिया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

• स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यों

भूमि और निर्माण 17, 17 ए, 19, 20, 21 और 25
मेल अग्रहारम स्ट्रीट अरियलूर (डाकुमेंट सं० 1937/78)।

राधा बालकुण्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-7-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन०एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को घारा
269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 17 जुलाई 1979

निर्देश सं० 8433—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयमें से अधिक है

और जिसकी सं० एस सं० 249/2 ए है, जो श्री लक्ष्मी दाकीज श्री मूशनम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्णरूप से अंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री मूशनम (डाकुमेंट सं० 1636/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के फौद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-वा को उपबारा (1) अधीन निम्नलिखित वर्गितर्भाँ, प्रर्याति :—

12—176GI/79

1. श्री सुन्दरालिंगा चेट्टियार

(अन्तरक)

2. सुब्रमण्यम चेट्टियार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्वां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

भूमि, निर्माण मेशिनस एटेस्टरा एस० सं० 249/2 ए श्री लक्ष्मी दाकीज श्री मूशनम (डाकुमेंट सं० 1636/78)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 7-7-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ट्री एन् एस्—

1. श्रीमती मीना मुत्युरा

(अन्तरक)

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आए

2. श्री राज कुमार

269 च (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जुलाई 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मध्यस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संगति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व ने कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण 11, नार्थ लेन, केसल रोड, मद्रास (डाकुमेंट सं. 1583/78)।

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

राधा बालकृष्णन
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्रत। अब, उक्त प्रधिनियम की आए 269 च में, उक्त प्रधिनियम की आए 269 च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्वत ।—

तारीख : 16-7-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी• एन• एस•—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० 676—अतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10, है, तथा जो राजकुमारी पदमावधी रोड, मद्रास-86 में स्थित है (और इससे उपावच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाकुमेंट सं० 4426) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक काप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से हूई किसी धार्य की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अमंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किमाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व को उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती के० खाइरुल्लीसा बेगम और सैयद अली मोहम्मद (अन्तरक)
2. एम बी० सस, अरबिक कालेज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहृस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एव्वेकरण :—इसमें प्रमुख ग्रन्डों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रद्याय 20क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और भवन 10, राजकुमारी पदमावधी रोड, मद्रास-86 (डाकुमेंट सं० 4426/78)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 16-7-1979
मोहर:

प्रकृष्ट प्राइवेट टी. एन. एस.-----

1. श्री एन. नन्जुन्डन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269 व (1) के अधीन सूचना

2. श्री टी. एम. जोगी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं. 4947—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269 व (1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 369 है, तथा जो कोटिगिरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटिगिरी (डाकुमेंट सं. 891/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य पद्ध विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिक्रिया से प्राप्ति है और अन्तरक (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरण के लिए तय आया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से ऊर्ध्वांशी रूप से लिखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किसी जानाच हिए था उसके में सुविधा के लिए;

भूमि एस. सं. 369, कोटिगिरी (डाकुमेंट सं. 891/78)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः यद्य, उक्त अधिनियम, की बारा 269 व (1) के अधीन विम्बलिंगित अधिकारी वर्षात्:—

तारीख : 12-7-1979

मोहर:

प्रह्लप आई-टी-एन-एस-

1. श्री एस० श्रो० अम्बुल मलिक

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

2. श्रीमती कामाक्षी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 4956—यतः, मुझे, राधा बालाकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 257, नेताजी स्ट्रीट है, तथा जो ईरोड में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाकुमेंट सं० 3785/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत अधिक है, और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित विवेद से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी घन या अन्य बास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, सक्षम प्राधिकारी की धारा 269-व की उपलाप (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित अधिकारी, अवात :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी गम्भीर अविक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदोक्षणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और भवन—सं० 257, नेताजी स्ट्रीट, ईरोड (डाकुमेंट सं० 3785/78)।

राधा बालाकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
69-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 4953—यतः, मुझे, राधा बालाकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 286/1/10/4 है, तथा जो पुदुशोसम, कामराज रोड, त्रिपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, त्रिपुर (डाकुमेंट सं० 1476/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(वा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे सारलीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट चर्हीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री पी० कन्दास्वामी
(2) श्री पी० मुथुकर

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० रत्नामल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदाता किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 286/1/10/4, कामराज रोड, पुदुशोसम त्रिपुर (डाकुमेंट सं० 1476/78)।

राधा बालाकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रख्याप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 4960—यतः, मुझे, राधा बालाकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8 है, तथा जो बासकरम्यर स्ट्रीट गोबीचेट्टीपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोबी (डाकुमेंट सं० 2217/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या यन्त्र आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थाना (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारियों, अर्थात्:—

1. श्री रंगाराज धोन्डर और अतरस

(अन्तरक)

2. डा० सी० वंगामुत्तु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयाद्वारा करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 8, बासकरम्यर स्ट्रीट, वीरपानडी ग्राम, कस्पा गोबीचेट्टीपालयम (डाकुमेंट सं० 2217/78)।

राधा बालाकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 12-7-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 4962—यत्; मुझे, राधा बालाकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 34 है तथा जो रथुना राइस मिल उथुकुलि में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, उथुकुलि (डाकुमेंट सं० 663/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथ्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवृत्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री रामस्वामी

(अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णावेनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रशास्य 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन प्रशास्य में दिया गया है।

अनुसूची

रथुना राइस मिल भूमि, निर्माण और मरीनरीस-34, उथुकुली (डाकुमेंट सं० 663/78)।

राधा बालाकृष्णन
सभीम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-7-1979

मोहर :

प्रख्य प्राई० टी० एन० एस०—————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 4930—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० सं० 10, ब्लाक सं० 1, है, तथा जो बी कालोनी, महालिनघपुरम कोट्टम्यट्टी, पोलाच्ची में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोलाच्ची (डाकुमेंट सं० 2432/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत, अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए अन्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण विविध में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अनुरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती दाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवतार :—

13—176GI/79

1. जश्वी एम० वेलिगिरी

(अन्तरक)

2. श्रीमती नाच्चम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदाताकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-टी० पी० सं० 10, बी० ब्लाक, महालिनघपुरम कोट्टम्यट्टी, पोलाच्ची (डाकुमेंट सं० 2432/78)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 12-7-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जुलाई 1979

निर्देश सं० 4929-यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 342 है, तथा जो जमीन उत्कुलि ग्राम में स्थित है (श्री इससे उपाख्य अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाञ्ची (डाकुमेंट सं० 2416/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्यसरित भी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (पत्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(ए) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी उन या अन्य मासितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, इपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रमुखरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री आर० कुण्ठराज कालिनघनरायर

(अन्तरक)

2. श्री चेलायुतु कनदस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरध्यो व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 34, जमीन उत्कुलि ग्राम (डाकुमेंट सं० 2416/78)।

राधा बालकृष्णन
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख: 16-7-79

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1979

निर्देश सं० 6825-यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 96 और 960/1 है, तथा जो मोट रोड, मद्रास
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पुरुष रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर
(डाकुमेंट सं० 1295/8) में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को
पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का
पांचवां प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. श्री एन० सत्यनाथन

(प्रत्यक्ष)

2. जब्बे एस० एम० एम० नतराज (द्रृष्ट)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृत्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रयुक्ति:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
प्रथम होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अंतियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि और निर्माण-96 और 96/1, मोट रोड, मद्रास
(डाकुमेंट सं० 1295/78)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269प के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अंकितियों, अर्जत् :—

तारीख 18-7-79
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मृ अर्जन रेज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 21 जुलाई 1979

निर्देश सं० 6823—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की ओरा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 39, है, तथा जो भगीरथी अम्माल स्ट्रीट टी० नगर मद्रास में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय टी० नगर, मद्रास (डाकुमेट सं० 1253/78) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत प्रधिक है और प्रस्तुत (प्रत्यक्ष) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तुतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तुतरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तुतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने वाले सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-ष के प्रस्तुतरण में मैं उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-ष की उपलब्धा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मंगलम पट्टाभिरामन और अतरस (अन्तरक)
2. श्री टी० मुतु पुरुषोत्तमन (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्तित द्वारा प्रधोक्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखितरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के प्रधाय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण —39, भगीरथी अम्माल स्ट्रीट, मद्रास (डाकुमेट सं० 1253/78)।

राधा बालकृष्णन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 21-7-1979

मोहर :

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

प्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 19 जुलाई 1978

निर्देश सं० 106/नवम्बर/78—यतः, मुझे, श्रो० श्रावणद्वारा, प्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 8, 9, 9-ए और 10 कुडललगर पेलमाल है, तथा जो कोमलि बेस्ट माड स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ०-१ मदुरै (3304/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित घटेश्य से उक्त अस्तरणलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भविनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के द्वायित्व में कठी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भविनियम, या अन्तर कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त भविनियम की धारा 269-ष के अनुसार से, मैं, उक्त भविनियम की धारा 269-ष की उच्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतु:—

1. श्री बी० सतार सिंह

(प्रन्तरक)

2. (1) श्री एस० आर० लक्ष्मण रेडीयार
() श्री आर० रामन,
(3) श्रीमती पी० तवसियम्माल,
(4) श्री आर० पट्टाभिराम,
(5) कलमानरामण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या उत्तमवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

डाकुमेंट सं० 3304/78 जे० एस आर० ओ०-१ मदुरै भूमि और निर्माण डोर सं० 8, 9, 9-ए और 10 कुडललगर पेलमाल कोमलि बेस्ट माड स्ट्रीट, मदुरै।

श्रो० श्रावणद्वारा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 19-7-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिण्डा

भट्टिण्डा, विनांक 7 जुलाई 1979

निदेश सं० ए० पी० ५६९/फिरोजपुर/७९-८०-पतः मूँझे,
सुखदेव अन्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कष्टित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन व अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के प्रधीन लिम्नलिखित अधिकृतों, अर्थात् :—

1. श्री गिरधारी लाल पुंछ, एडवोकेट, पुत्र फतेह अन्व,
मोहन रानी पुत्र गिरधारी लाल, फिरोजपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती शीता अन्ती विधवा राम प्रकाश सत्तोष रानी
वासी बस्ती, धिहाड़िया वाली, फिरोजपुर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उस सम्पत्ति के प्रधन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
प्रय॑ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जैसा कि विलख नं० 3927, नवम्बर, 1978
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

सुखदेव अन्व,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भट्टिण्डा।

तारीख : 7-7-79

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 12th July 1979

No. F.2/79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed Shri R. Narasimhan, Officiating Registrar and appointed him substantively to the post of Registrar, Supreme Court of India, with effect from the forenoon of 9 July, 1979.

No. F. 2/79-SCA(I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed the following officers of this Registry with effect from the forenoon of 9 July 1979 and appointed them substantively to the post shown against each :

Sl. No.	Name	Present Post held	Post in which confirmed
1	2	3	4
1.	Shri B. S. Dhawan ..	Offg. Deputy Registrar	Dy. Registrar
2.	Shri A. N. Oberai ..	Offg. Deputy Registrar	Dy. Registrar

R. SUBBA RAO
Registrar (Admn.)

New Delhi, the 11th July 1979

No. F.6(18-19)/79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has appointed Shri Amrit Lal Jain, Stenographer Grade 'C' of the Central Secretariat Stenographers Service Cadre of the Planning Commission, Government of India, as an Officiating Private Secretary of the Hon'ble Judge, Supreme Court of India, with effect from the afternoon of July, 9, 1979 until further orders.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has appointed Shri Chiman Lal Chawla, permanent Grade 'C' Stenographer of the Central Secretariat Stenographers Service Cadre of the Ministry of Steel and Mines (Department of Steel) as an Officiating Court Master, Supreme Court of India, with effect from the afternoon of July, 9, 1979, until further orders.

MAHESH PRASAD
Deputy Registrar (Admn. J.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd June 1979

No. P-1782/Admn.II.—In continuation of this Office Notification No. A.12026/1/76-Admn.II dated 8th June, 1976 Shri L. R. Sarin, Accounts Officer in the Office of the Accountant General Haryana, Chandigarh has been allowed to continue on deputation as Finance and Budget Officer (formerly designated as Finance and Accounts Officer) in the office of the Union Public Service Commission for the period from 7-6-79 to 31-5-1980 or until further orders, whichever is earlier.

The 30th June 1979

No. P.1042/Admn.II.—Shri T. M. Kokel, a permanent Private Secretary (Selection Grade CSSS) in the Office of the Union Public Service Commission, is hereby appointed to officiate temporarily as Special Assistant to Chairman with effect from the afternoon of 30th June, 1979.

S. BALACHANDRAN
Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 12th July 1979

No. O.II-24/69-Estt.—Consequent on expiry of his term of re-employment in the CRPF, Col. P. K. Jain (Retd)

relinquished charge of the post of Deputy Director (works) Directorate General, CRPF, New Delhi on the afternoon of 28-2-79.

No. D.I-3/75-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri G. M. Pentaiah, Reserve Inspector of SAR CPL as Dy. S. P. (Company Commander/Quarter Master) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of Deputy Supdt. of Police (Coy. Comdt.) in 19 Bn, CRPF on the forenoon of 7-6-79.

The 13th July 1979

No. F. 2/38/78-Estt. (CRPF)—The President is pleased to appoint the following Medical Officers of the CRPF substantively as General Duty Officer Grade-II with effect from 22-6-1979:

1. Dr. (Mrs.) B. D. Souza
2. Dr. P. Panda
3. Dr. D. N. Kar
4. Dr. Kamdev Sarangi
5. Dr. Satyananda Patnaik
6. Dr. S. C. Mohapatra
7. Dr. T. K. Roy
8. Dr. (Mrs.) H. Mohapatra
9. Dr. Raj Kishore Pradhan
10. Dr. Kulomani Mohapatra
11. Dr. Samantara Narayan Dass
12. Dr. Padma Charan Sahu
13. Dr. Banchanidhi Acharya
14. Dr. B. C. Sahu
15. Dr. Ashok Kumar Das
16. Dr. Satyaranjan Das
17. Dr. P. C. Dhir Samantha
18. Dr. M. K. Behura
19. Dr. Dipak Mohapatra
20. Dr. Satyanarain Patnaik
21. Dr. Ramakant Mohanty
22. Dr. Grish Chandra Mohanty
23. Dr. Umesh Chandra Biswal
24. Dr. K. C. Parida
25. Dr. M. L. Ghiya
26. Dr. K. K. Saini
27. Dr. (Mrs.) V. M. Sithalaxmi
28. Dr. B. K. G. Bhat
29. Dr. S. M. Jayaprakash
30. Dr. N. C. Karnath
31. Dr. (Mrs.) Noorin Khan
32. Dr. Surendra Prasad Mishra
33. Dr. Sunil Kanta Mishra
34. Dr. Amiya Chandra Tripathy
35. Dr. (Mrs.) J. V. Aggarwal
36. Dr. Ajoy Ballabh Ghosh
37. Dr. (Mrs.) Sumitra Brahma
38. Dr. Soumya Kanta Das
39. Dr. Prasanna Kumar Kar
40. Dr. Promod Kumar Dash
41. Dr. Naresh Chandra Nayak
42. Dr. Dharendra Kumar Patnaik
43. Dr. Dr. Bishnu Prasad Praharaj
44. Dr. Dibakar Mishra
45. Dr. Suresh Chandra Samal
46. Dr. Sriharsa Majhi
47. Dr. Surendra Kumar Sahu
48. Dr. Muralidhar Das
49. Dr. Nimaicharan Mohanty
50. Dr. Prafulla Kumar Nayak
51. Dr. Mahesh Kumar Dwivedy
52. Dr. Sarda Prasad Patnaik

53. Dr. Mohd. Saquib
 54. Dr. Srinath Purandare
 55. Dr. Sareshwar Satpathy
 56. Dr. Ashok Kumar Das
 57. Dr. Bishnu Charan Das
 58. Dr. Maheshwar Sahu
 59. Dr. Pratap Kumar Pradhan
 60. Dr. Dava Hanumanthiah
 61. Dr. (Miss) Surjit Kaur Gill
 62. Dr. Sudhansu Shekhar Patra
 63. Dr. Ranjan Kumar Das
 64. Dr. Ramesh Chandra Mohanty
 65. Dr. Dinesh Kumar Jain
 66. Dr. Bichitrana Behera
 67. Dr. Murari Dehury
 68. Dr. Sanatan Tripathy
 69. Dr. Akshay Kumar Satpathy
 70. Dr. Bhanwar Lal Meena
 71. Dr. C. R. Krishna Murthy Rao
 72. Dr. Prabhas Chandra Mohapatra

A. K. BANDYOPADHYAY
 Asstt. Director (Admn)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 16th July 1979

No. 11/80/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. L. Samy, an officer belonging to the Union Territories cadre of the Indian Administrative Service and at present holding the post of Revenue Secretary-cum-Collector in the Government of Pondicherry, Pondicherry, as Director of Census Operations, Pondicherry at Pondicherry in *ex-officio* capacity with effect from the forenoon of 28 June, 1979 until further orders.

The headquarters of Shri Samy will be at Pondicherry.

No. 11/84/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Negi, an officer belonging to the Karnataka Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla, with effect from the forenoon of 10 July, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Negi will be at Simla.

No. 11/82/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. Lalnithanga an officer belonging to the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Mizoram, Aizawl, with effect from the forenoon of 12 June, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Lalnithanga will be at Aizawl.

No. 11/85/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri I. C. Srivastava, an officer belonging to the Rajasthan Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, with effect from the forenoon of 9 July, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Srivastava will be at Jaipur.

No. 11/86/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. P. Mahana, an officer belonging to the Maharashtra Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay with effect from the forenoon of 2nd July, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Mahana will be at Bombay.

No. 11/87/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. Vijayanunni Nambiar, an officer belonging to the Kerala Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum, with effect from the afternoon of 30th June, 1979 until further orders.

2. The headquarters of Shri Nambiar will be at Trivandrum.

P. PADMANABHA
 Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE D.A.C.R. NEW DELHI

New Delhi, the 13th July 1979

No. Admn.1/O.O.No. 141/5-5/Promotion/79-30/642 dt. 3-7-79.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri K. C. Mehra a permanent Audit Officer of this office has retired from service of the Govt. of India with effect from the afternoon of 30th June, 1979.
 His date of birth is 30-6-1921.

Sd/- illegible
 Dy. Director of Audit (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 5th July 1979

No. 10/79/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Bipulendra Nath Mitra, Subst. & Permit, A.S.O. retired from service with effect from 30-6-79 (AN).

CORRIGENDUM

No. 11/79/A/E-1(NG).—In the Directorate General Notification No. 2/79/A/E-1(NG) dated 12-1-79 regarding promotion to Assistant Staff Officer :

For : 'Shri Sankar Lal Mondal, Permanent Assistant'

Read : 'Shri Sankar Lal Mondal, Offg Assistant'

The 9th July 1979

No. 12/79/A/E-2(NG).—The DGOF is pleased to promote the following officers, in officiating capacity, without effect on seniority in grades and on dates shown against each:

1. Shri C.A. Sankaranarayanan, Steno Gr. 'B'/Sr. P.A. (Group 'B' Gazetted)	Steno Gr. 'A' P.S. (Group 'B' Gazetted)	2-4-79.
2. Shri P.K. Chakraborty, Steno Gr. 'B' /Sr. P.A. (Group 'B' Gazetted)	Do.	Do.
3. Shri V.R. Nair, Steno Gr. 'B' /Sr. P.A. (Group 'B' Gazetted)	Do.	Do.
4. Shri N.N. Biswas, Steno Gr. 'B' /Sr. P.A. Group 'B' Gaze- tted)	Do.	Do.

D.P. CHAKRAVARTI
ADG/ADMIN

for ORDNANCE FACTORY BOARD

**MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
 CO-OPERATION**

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
 AND EXPORTS**

New Delhi the 10th July 1979

**IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
 ESTABLISHMENT**

No. 6/652/62-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation, S/Shri D. P. Varerkar and M. A. Ugavekar, officiating Controllers of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, relinquished charge of that post on the afternoon of the 30th June, 1979.

RAJINDER SINGH
 Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRIES

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 22nd June 1979

No. A-19018(282)/77-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation Shri H. P. Saini, a permanent Assistant of the Central Secretarial Service cadre of the Department of Industrial Development, relinquished charge of the post of Section Officer in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the 31st May, 1979 (A.N.).

The 23rd June 1979

No. A-19018(170)/75-Admn.(G).—The President is pleased to accept the resignation of Shri C. S. Kataria, temporary Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) in the Small Industries Service Institute, Jaipur from Government service with effect from the afternoon of 15th May, 1979.

The 26th June 1979

No. A-19018(368)/78-Admn.(G).—Smt. Sreedevi Ravindran relinquished charge of the post of Programmer in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the afternoon of 18th June, 1979.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 10th July 1979

No. A-1/1(787).—The President is pleased to appoint Shri M. N. V. Rao, Assistant Director of Supplies (Grade II) in Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, to officiate as Assistant Director of Supplies (Grade I) on regular basis with effect from 23-6-1979 (F.N.). He will be on probation for a period of two years w.e.f. 23-6-1979 (F.N.).

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

DEPARTMENT OF SUPPLY
(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 4th July 1979

No. A6/247(367)/62.—The President has been pleased to appoint Shri P. T. Krishnamachar, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspection Circle to officiate as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group A, Engg. Branch) on ad-hoc basis in the Madras Inspection Circle w.e.f. 21-5-1979 (F.N.).

Shri Krishnamachar relinquished the charge of the office of Asstt. Inspecting Officers (Engg.) and assumed charge of office of the Inspecting Officers (Engg.) at Bangalore under the D.I., Madras w.e.f. 21-5-79 (F.N.).

No. A-6/247(306).—The President is pleased to appoint Shri S. B. Gupta permanent Deputy Director of Inspection (Met.) in Grade II of Metallurgical Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A' to officiate on ad-hoc basis as Director of Inspection in Grade I of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 30th May, 1979 and until further orders.

2. Shri S. B. Gupta relinquished charge of the post of Deputy Director of Inspection (Met.) at Bhilai under the Directorate of Inspection (Met.) Tatnagar on the afternoon of 26-5-1979 and assumed charge of the post of Director of Inspection in the Directorate General of Supplies and Disposals (Inspection Wing), New Delhi on the forenoon of 30th May, 1979.

P. D. SETH
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 7th July 1979

No. 1810N A-19012(1-RVGN)/79-19A.—Dr. R. V. G. Nair, Asstt. Geologist, Geological Survey of India relinquished charge of the post of Assistant Geologist on the afternoon of 31-3-1979 for joining the post of Assistant Geologist on deputation to the Govt. of Nagaland for a period of two years in the first instance on the usual terms and conditions of deputation.

No. A-3939B 32014 (1-Ass'tt. Geol)/78-19A.—The following Senior Technical Assistants (Geology) Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the date shown against each, until further orders:

- | | | |
|-------------------------------------|-----------|--------|
| 1. Shri K. Muralidhar Rao | 27-1-1979 | (F.N.) |
| 2. Shri K. Ravindra Nath | 27-1-1979 | (F.N.) |
| 3. Shri M.V. Subba Rao | 6-2-1979 | (F.N.) |

The 9th July 1979

No. 1863N A-19012(1-MPS)/78-19A.—Shri Murari Prasad Sharma is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 7th May, 1979, until further orders.

No. 1877N A-19012(1-PSS)/78-19A.—Shri Paramjit Singh Suri is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 7th May, 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 16th July 1979

No. C-5527/724-SOS(A).—Shri S. N. Gupta, Stores Assistant, Ordinary Grade is appointed to officiate as Assistant Stores Officer (G.C.S. Group 'B' post) on ad-hoc basis in Stores Office, Dehra Dun in the scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900 with effect from 4th June 1979 (F.N.) vice Shri Pushkar Singh, Assistant Stores Officer on leave.

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th July 1979

No. 10/20/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Gurdev Singh, Senior Engineering Assistant All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at HPT, All India Radio, Kingsway Delhi with effect from forenoon of 14-5-79 until further orders.

The 11th July 1979

No. 10/19/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Sanjhi Ram Senior Engineering Assistant All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Asstt. Engineer, All India Radio and post him at All India Radio, Lucknow with effect from forenoon of 2-6-79 until further orders.

No. 10/21/79-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Yeshwant Verma, Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at All India Radio, Jagdalpur with effect from forenoon of 14-6-79 until further orders.

O. B. SHARMA
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 13th July 1979

No. 2/36/60 : SII.—Shri V. D. Sharma, Accountant, Directorate General, AIR, New Delhi is appointed to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Allahabad w.e.f. 6-6-79 (F.N.).

S. V. SFSHADRI
By Director of Administration (H)
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 9th July 1979

No. A. 32015/4/78-SI(Part).—In continuation of the orders contained in this Directorate notification No. A. 32015/4/78-SI (Part) dated 22-3-79, the Director General of Health Services is pleased to appoint Shri J. K. Lal, Sr. Technical Assistant, Family Welfare Sub-Depot, to the post of Asstt. Depot Manager, in the same Depot on an ad-hoc basis for a further period of six months with effect from the forenoon of 13-1-79.

No. A. 39012/2/79-SI.—The President is pleased to accept the resignation of Shri N. V. Rao, Factory Manager, (Group A—Gazetted) Government Medical Store Depot, Bombay with effect from the afternoon of 15-6-79.

S. K. KARTHAK
Deputy Director Administration (St.)

New Delhi, the 12th July 1979

No. A.19019/2/79-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. P. K. Rehni to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme, Delhi on a temporary basis with effect from the forenoon of 18th May, 1979.

N. N. GHOSH
By Director Admin.(CGHS)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 19th June 1979.

Ref. No. 5/1/79-Estt-II/2331.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Admin. Officer-II/Asstt. Personnel Officer for the period shown against their names:

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period
		From	To
1.	Shri. M.V. Ranganathan Asstt. Personnel Officer	Admn. Officer-II	30-4-79 16-6-79 (FN) (AN)
2.	Shri P.T. Borkar Assitant	Asstt. Personnel Officer	1-5-79 16-6-69 (FN) (AN)
3.	Shri D.S. Ingle Assitant	Asstt. Personnel Officer	1-5-79 16-6-69 (FN) (AN)
4.	Shri N.K. Surve Assltt.	Asstt. Personnel Officer	12-3-79 12-4-79 (FN) (AN)
5.	Shri S.R. Pinga S.G.C.	Asstt. Personnel Officer	30-4-79 15-6-79 (FN) (AN)

(Kum.) H.B. VIJAYAKAR,
Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 25th June 1979

No. K-160/Estt.II/2407.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Nelluvai Hariharaiyer Krishnan, a permanent Assistant Accountant and officiating Accountant DPS as Assistant Accounts Officer in Bhabha Atomic Research Centre, with effect from the forenoon of June 11, 1979.

V. M. KHATU
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 10th July 1979

No. DPS/2/1(25)/77-Adm./17931.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated January 24, 1979, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Nelluvai Hariharaiyer Krishnan, Accountant, of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer on an ad hoc basis, in the same Directorate for a further period ending May 31, 1979 (AN).

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

Bombay-400001, the 10th July 1979

No. DPS/21/1(2)/78-Est/17955.—The Director, Directorate of Purchase & Stores appoints Shri Veliyathuparambil Chakkiray Varkey, a permanent Purchase Assistant to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the afternoon of July 7, 1979 in the same Directorate until further orders.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 13th July 1979

No. AMD-2/403/56-Adm.—Consequent on his selection and acceptance of the post of Deputy Drilling Engineer, in Mineral Exploration Corporation Limited, Nagpur Shri I. D. Banerjee, Quasi Permanent Drill Operator/officiating Scientific Officer Engineer Grade 'SB', Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy was relieved of his duties with effect from 31-3-1979 (Afternoon).

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana, the 6th July 1979

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Velankar, a temporary Assistant Accountant in this Power Station as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis from 18-6-1979 to 31-7-1979.

A. D. DESAI
Chief Administrative Officer

CIVIL ENGINEERING DIVISION

(DEPARTMENT OF SPACE)

Bangalore-560025, the 14th June 1979

No. 10/3(20)/76-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, has accepted the resignation from service of Shri H. S. Shankar, Engineer

SB of Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore with effect from the afternoon of March 23, 1979.

H. S. RAMA DAS
Administrative Officer-I
for Chief Engineer

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SHAR CENTRE

Sriharikota-524124, the 14th June 1979

No. SCF-P&GA-Estt.-1-72.—The Director is pleased to appoint on promotion the following officials to the post of Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders.

S. No.	Name	Designation	Date of appointment
<i>S/Shri</i>			
1.	G. K. Prabhakar Rao	Engineer-SB	1-10-1978
2.	J. Siddaramappa	Engineer-SB	1-10-1978
3.	C. Ramakrishna	Engineer-SB	1-10-1978
4.	G. Krishnam Raju	Engineer-SB	1-10-1978
5.	S.M. Aravindan	Engineer-SB	1-10-1978

The 15 June 1979

No. SCF-P&GA-Estt.-1-72.—Director, SHAR CENTRE has accepted the resignations tendered by the following officials to the post of Engineer-SB with effect from the dates indicated against each:

S. No.	Name	Designation	Date of Resignation
<i>S/Shri</i>			
1.	Mohammed Arifuddin	Engineer-SB	21-7-1977
2.	D. Rama Murthy	Engineer-SB	8-2-1979

R. GOPALARATNAM
Head, P&GA Divn for Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 10th July 1979

No.A.32014/3/78-E-I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants as Assistant Meteorologists in an officiating capacity with effect from the dates indicated against their names and further orders.

Sl. No.	Name	Date from which appointed as Asstt. Meteorologist	Office of posting
1	2	3	4
1.	Shri S. R. Basu	21-5-1979	Headquarters Office of the Director General of Meteorology, New Delhi.
2.	Shri P. V. Rama Rao	21-5-1979	Met. Office, Visakhapatnam under Regional Meteorological Centre, Madras.

1	2	3	4
3. Shri B. M. Mukherjee	21-5-1979	Headquarters Office of the Director General of Meteorology, New Delhi.	
4. Shri A. K. Nandy	21-5-1979	Headquarters Office of the Director General of Meteorology, New Delhi.	
5. Shri B. N. Karimkar	21-5-1979	Regional Meteorological Centre, New Delhi.	
6. Shri J. K. Roy	24-5-1979	Headquarters Office of the Director General of Meteorology, New Delhi.	
7. Shri K. K. Bhatiani	22-5-1979	Office of the Dy. Director General of Meteorology (Instruments), New Delhi.	
8. Shri J. C. Bhayana	12-6-1979	Headquarters office of the Director General of Meteorology, New Delhi.	
9. Shri R. K. Kathiwal	31-5-1979	Meteorological office Ahmedabad under Director Regional Meteorological Centre, Bombay.	
10. Shri N. P. Choudhury	21-5-1979	Regional Meteorological Centre, Calcutta.	

No. A.32014/3/78-L.I. The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants as Assistant Meteorologists in an officiating capacity on regular basis with effect from 21-5-1979 and until further orders:

S.No.	Name	Office to which posted
1	2	3
1.	Shri Ajit Kumar Chakrabarty	Gangtok (Sikkim)
2.	Shri K.P. Padmanabhan	Regional Meteorological Centre, Bombay.
3.	Shri V.K. Raman	Regional Meteorological Centre, Madras.
4.	Shri Suresh Kumar Sinha	Meteorological Centre, Gauhati under Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

G. R. GUPTA,
for Director General of Met.

New Delhi-3, the 16th July, 1979

No. A.32013 (i) /3/77-L.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned officiating Meteorologists Grade I, India Meteorological Department, to officiate as Director in the same department with effect from the dates indicated against their names and until further orders.

1. Shri G.P. Srivastava	24-5-1979
2. Dr. B.N. Dutta	24-5-1979

3. Shri N. Seshadri	24-5-1979
4. Dr. N.S. Bhaskara Rao	6-6-1979
5. Shri C.E.J. Daniel	26-5-1979 (AN)
6. Dr. D.V. L.N. Rao	24-5-1979
7. Shri G.R. Gupta	24-5-1979
8. Shri S.V. Datar	24-5-1979
9. Dr. B. Padmanabhamurthy	24-5-1979
10. Shri R.C. Maheshwari	24-5-1979
11. Shri S.D.S. Abbi	24-5-1979

S. K. DAS

Dy. Director General of Meteorology
(Stores & Administration)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 11th July 1979

No. A.32012/3/78-E.S.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. H. Menon as Administrative Officer (Group 'B' post) on regular basis with effect from the forenoon of the 4th July, 1979 and until further orders in the office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras.

S. L. KHANDPUR
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 30th June 1979

No. A.32013/15/78-EA.—The President has been pleased to appoint Shri N. M. Bakshi, Aerodrome Officer to the post of Senior Aerodrome Officer, in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 14th June, 1979 and until further orders. He is posted at Delhi Airport, Palam.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS)

New Delhi, the June 1979

No. 27-E/D(22)/78-FCII.—The President of India has been pleased to accept the notice of voluntary retirement of :

- (1) Shri H. B. Dass, Surveyor of Works 'I', Construction Zone C.P.W.D. New Delhi and to permit him to retire from Government service with effect from 30th June 1979 (AN).
- (2) Shri A. Omandhu Suptdg Engineer (Elect.), Calcutta Central Elect. Circle No. 1 and to permit him to retire from Government Service w.e.f 2-5-79 AN.

the 12th July 1979

No. 23/2/77EC-II.—The following officers of Central Public Works Department have retired from the Government service on attaining the age of superannuation with effect from 30th June 79 A.N.—

S.No.	Name	Present Designation
1.	Shri Bhagwan Das	Surveyor of Works, C-III, Delhi Development Authority, New Delhi.
2.	Shri A. P. Jain	Engineer Officer to Land & Development Officer, Office of the L&D.O., New Delhi.

B. R. RATTU
Dy. Director of Admin.
for Director General (Works)

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 21st July 1979

No. 78/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that the track overhead equipment in Vijayawada-Tsundur section from KM 580.4/2.20 to 387/737.13 (R.E. Structures) LS/1 to 387/25 and 26) of South Central Railway will be alive on 25000 volts AC on and after 15-7-1979.

Public are warned :

1. To keep away from electric traction wires and fittings in the section.
2. Not to approach or come in contact with such wires and fittings either directly in person or through articles such as poles, bamboo, metallic rods, etc., as it will prove fatal.
3. Not to lean or protrude any portion of their body outside the compartments to avoid getting injured, as steel masts for carrying traction wires have been erected on both sides of the track.
4. Not to come with a range of two metres from the electric fittings and overhead electric wires.
5. Not to approach or work in the proximity of overhead wires.
6. Not to travel on foot-boards or ride on the roof of the coaches, as it may prove fatal.
7. That height gauges have been erected at all the level crossings in the above sections with a clear height of 4.67 metres (15 ft. 4 inch) above road level with a view to prevent loads of excessive height from coming into contact with or in dangerous proximity of live traction wires. Public are to observe the height specified above for the purpose of loading vehicles and to see that the loads carried in road vehicles do not infringe the height gauges under any circumstances.
8. To kindly report to the nearest Station Master in case they come across any broken wires.

The Railway Administration will not be liable for any accident caused due to this warning being ignored.

P. N. MOHILE
Secretary, Railway Board

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Chawla Soap Factory Pvt. Ltd.*

Delhi, the 8th July 1979

No. 8798/11/8261.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Chawla Soap Factory Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

SMT. C. KAPOOR
Asst. Registrar of Companies, Delhi

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

H. H. Chemicals Private Limited

Kanpur, the 9th July 1979

No. 8130/4412-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the H. H. Chemicals Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

Divine Chit Fund Private Limited

Kanpur, the 9th July 1979

No. 8131/3133-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Divine Chit Fund Private Limited has this day been struck off and the company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

Vishal Cold Storage Limited

Kanpur, the 11th July 1979

No. 8182/4095-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Vishal Cold Storage Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

Kamal Talkies Private Limited

Kanpur, the 12th July 1979

No. 8259/3705-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kamal Talkies Private Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Registrar of Companies, U.P., Kanpur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

M/s. Orissa Manufacturers Association

Cuttack, the 11th July 1979

No. 1689(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Orissa Manufacturers Association Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

M/s. Mishra Dairy & Agriculture Company Private Limited.

Cuttack, the 11th July 1979

No. 1691(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mishra Dairy & Agriculture Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

M/s. East Coast Refractories Private Limited.

Cuttack, the 11th July 1979

No. 1693(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. East Coast Refractories Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

M/s. Indo Castings Private Limited.

Cuttack, the 11th July 1979

No. 1695(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Indo Castings Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

M/s. Nayak Extractions Private Limited.

Cuttack, the 11th July 1979

No. 1697(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Nayak Extractions Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said Company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies, Orissa

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

Alok Finance Private Limited, Indore

Gwalior, the 11th July 1979

CORRIGENDUM

No. 1097/Liqn./C.P./2041.—In Notification No. 1097/Liqn./CP./341, dated 23rd April, 1979 pertaining to Alok Finance Private Limited Indore and published in the Gazette of India, Part III, Section 1 of the week ending 12th May, 1979 on page No. 3676 the date already printed in the 4th line may be read as 16-2-79.

In the matter of Companies Act, 1956 and of

M/s. Shamlal Janakraj Private Limited

Gwalior, the 12th July 1979

No. 1024/R/2095.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date of publication hereof, the name of M/s. Shamlal Janakraj Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of

M/s United Packers Pvt. Ltd.

Gwalior, the 13th July 1979

No. 1081/R/2109.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. United Packers Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

M/s. Agrico & Electricals Private Limited

Gwalior, the 13th July 1979

No. 1028/R/2112.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Agrico & Electricals Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Mundra Sales Private Limited*

Gwalior, the 13th July 1979

No. 1082/R/2115.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Mundra Sales Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies, H.P., Gwalior

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Raj Hotels Private Limited*

New Delhi, the 8th July 1979

No. 4578/113/8.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Raj Hotels Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

Sd./- ELLEGIBLE
Assistant, Registrar of Companies,
Haryana & Delhi

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Interexports (India) Private Limited*

Jullundur, the 13th July 1979

No. G/Stat/560/3061/3141.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Interexports (India) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Jagdambe Financiers & Chit Fund Company Private Ltd.*

Jullundur, the 16th July 1979

No. G/Stat/560/3054/3163.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jagdambe Financiers & Chit Fund Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 6th July 1979

INCOME-TAX

No. JUR/DLI/IV/79-80/11960—in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-IV, New Delhi, hereby directs that the Income tax Officers mentioned in

col.2 shall not and Income-tax officers mentioned in Col.3 of the schedule appended hereto shall perform their functions in respect of persons or classes of persons income or classes of incomes and cases or classes of cases (other than professionals such as doctors, lawyers, chartered Accountants etc., as well as transporters and contractors assigned to special wards/circles falling within the areas mentioned in Col. 4 of the said Schedule. This order is made in partial modification of Notification dated 27-6-78.

This order shall take effect from 9-7-1979.

S. No.	Designation No. of the ITO	Designation of the ITO	Jurisdiction
1	2	3	4
1.	Income-tax Officer Distt. III-B(1) New Delhi	Income-tax Officer Distt. III-B(3) New Delhi	From Tilak Bazar Chowk to Kunj Road (behind Cloth Market, Delhi) Left hand side upto Queens Road and from Queens Road to Pili Kothi and from Pili Kothi to Nai Basti, and then left hand side upto the Chowk of Tilak Bazar-Pul Mithai-Timber Mkt. It includes, Dhobi Market, Kedia Market, shophes etc, at Kunj Road Tyro Mkt, at K.S.P. Mukherjee Marg, behind Novelty Cinema, Bara Dari, Sheesh Mahal part of Nai Basti on left hand side, Nahar sadat khan and the Timber Market at Pul Mithai.
2.	Income-tax officer Distt. III-B(2) New Delhi	Income-tax Officer Distt. III-B(4) New Delhi	(i) Where the last assesed/returned income as on 31-3-78 was Rs. 50,000/- and above. (ii) All persons being the Partners of the firm in item (i) above. (iii) All new assessees of the areas mentioned above.
3.	Income-tax Officer Distt. III-B(5) and Distt. III-B(6)	Income-tax Officer Distt. III-B(5) and Distt. III-B(6)	Left hand side of Tilak Bazar from khari Baoli side upto Tilak Bazar Chowk, Khari Baoli—from Tilak Bazar to Katra Tabaccoo. It includes Ketra Tabaccoo, Gali Hinga Beg.
4.			(i) Where the last assesed/returned income as on 31-3-1978 was Rs. 50,000/- and above. (ii) All persons being the partners of the firms in item (i) above. (iii) All new assessees of the areas mentioned above.

However the above notification will not have any effect on the territorial jurisdiction market in respect of Distt. III-B (5) and Distt. III-B(6) vide Notification No. Jur/DLI/IV/78-79/ dated 27-6-78 in as much as the Income tax Officers of these wards would continue to exercise jurisdiction over the cases pertaining to the territory now transferred, out from the jurisdiction of Distt. III-B(1) and Distt. III-B(2) above to Distt. III-B (3) and Distt. III-B(5) respectively.

RANBIR CHANDRA
Commissioner of Income Tax Delhi-IV, New Delhi

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.**

**ACQUISITION RANGE,
BHATINDA**

Bhatinda, the 7th July 1979

Ref. No. AP-569/Fzr/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur on November, 1978 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Girdhari Lal Punch, advocate, s/o Fateh Chand, Mohan Rani d/o Girdhari Lal Punch, advocate, Ferozepur City. (Transferors)
- (2) Sheela Wanti, wd/o Ram Parkash, Santosh Rani, resident of Basti Dhiarianwali, Ferozepur. (Transferor)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One House on Mall Road, Ferozepur City near Punjab Roadway's Old Bus Stand registered with the Sub-Registrar, Ferozepur vide registration deed No. 3927.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 7-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following Persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 7th July 1979

Ref. No. AP-570/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

following persons, namely :—

situated at Ferozepur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at

Ferozepur on November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Girdhari Lal, advocate s/o Hatch Chand, Mohan Rani d/o Girdhari Lal, Ferozepur. (Transferees)
- (2) Shrimati Sheela Wanti, wd/o Ram Parkash, Santosh Rani, d/o Gurdass, resident of Diharianwali, Basti Ferozepur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house registered with the Sub-Registrar, Ferozepur vide registration deed No. 3928 of Nov., 1978.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 7-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 7th July 1979

Ref. No. AP-571/ABII/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule
situated at Abohar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on November, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Bagirath Lal s/o Sh. Lachhman Dass, Smt. Muthra Devi wd/o Sh. Lachhman Dass, Bagirthi Devi, Radha Devi, ds/o Lachhman Dass, Hanuman Junction near State Bank of Bikaner, (Transferors)
- (2) Shri Mohan Lal s/o Om Prakash Street No. 4 Abohar Mandi, (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house bearing No. 1141 in Gali No. 4 Mandi Abohar registered with the Sub-Registrar, Abohar vide registration deed No. 1474 of November, 1978.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following

15—176GI/79

Date : 7-7-1979

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 7th July 1979

Ref. No. 572/ABH/79-80. Whereas 1. SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule
situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Bagirath Lal s/o Sh. Lachhman Dass, Smt. Mathra Devi wd/o Sh. Lachhman Dass, resident of Hanumangarh Junction, near State Bank of Bikaner.

(Transferors)

(2) Sh. Mohan Lal s/o Om Parkash, Gali No. 4, Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 1141, situated at Abohar as per registration deed No. 1671 registered with the S.R. Abohar.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 7-7-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
**ACQUISITION RANGE,
 BHATINDA**

Bhatinda, the 7th July 1979

Ref. No. AP-573/BTJ/79-80.—Wheeras I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Maur Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

(1) Shri Brij Lal Kansal s/o Bhagu Mal, Maur Mandi.

(Transferor)

(2) Shri Yash Pal, Jiwan Kumar, ss/o Babu Ram s/o Bhagu Mal, through M/s Babu Ram Prem Chand, Maur Mandi.

(Transferees)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop measuring 197.2 Sq. yards No. 89 (old) and 233/C(New) in Grain Market, Bhatinda registered with the Sub-Registrar, Bhatinda vide registration deed No. 5407 of February, 1979.

SUKHDEV CHAND
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhatinda

Date : 7-7-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 20th July 1979

Ref. No. AP-574/BTI/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

As per schedule
situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in November, 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Suraswati Devi d/o Sh. Nathu Ram
House No. 5006, Gali Lali Wali,
Bhatinda.
(Transferor)
- (2) Sh. Kheta Ram s/o Sadhu Ram,
Sirki Bazar,
Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop in Bhatinda registered with the S.R. Bhatinda vide registration deed No. 3925 of November 1978.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 20-7-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 20th July 1979

Ref. No. AP-575/HSP/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on November 1978 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Narinder Singh Khera s/o Sh. Darbara Singh s/o Bhagat Singh, 265, Riharian Colony, Jammu.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh Jandu s/o Sohan Singh Jandu s/o Hargopal Singh Jandu, Harbhagan Kaur w/o Balbir Singh, 157-C, Model Town, Hoshiarpur.

(Transferees)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kothi in Model Town, Hoshiarpur registered with the S.R. Hoshiarpur vide registration deed No. 3310 of November 1978

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 20-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Satya Wanti w/o Sh. Gian Chand,
Phagwara.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA**

Bathinda, the 21st July 1979

Ref. No. AP-581/PHG/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) S/Sh. Swaran Singh,
Nirwain Singh,
Balbir Singh
ss/o Joginder Singh
through Shera Punjab Cloth House,
Mandi Road, Phagwara.
(Transferees)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One building on G.T. Road, Phagwara as mentioned in the registration deed No. 1453 of November, 1978 of Registering Authority, Phagwara.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st March 1979

Ref. No. 3/Nov./78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Allampatti Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISRO I Virudhunagar (Document No. 1114/78) on November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Sundaravel Match Industries (P) Ltd.,
Sivakasi.

(Transferee)

(1) Smt. Rukmani Ammal,
w/o Sh. Subbiah Chettiar,
3/175, uloor Sandai Road,
Virudhunagar.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building and vacant site situate at Allampatti Village.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 31-3-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri T. Gopal,
s/o Late Sri A. K. Thirupathy Chettiar,
Durairaj Nagar, Dindigul.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri G. V. Kumar & G. Venkatachala Kumar,
s/o Sri A. K. M. Govindasamy Chettiar,
Durairaj Nagar, Dindigul.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th May 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

Ref. No. 61/NOV/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, Plot No. 23, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 23, situated at Durai Raj Nagar, Old Burial Ground Road, Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindigul (Doc. No. 108/78) on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Document No. 108/78 JSR II, Dindigul.
Land & Building at
Plot No. 23, Durairaj Nagar, Old Burial Ground Road, Dindigul.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I.
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 29th May 1979.

Ref. No. 40/NOV/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

K.S. No. 11 & 12

situated at Gajjalanaickenpatti Village, Salem Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR O 1 Salem (Doc. No. 4090/78) on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sri Syed Rahim
2. Sri S. E. Syed Ismail,
3. Sri S. F. Usman &
4. Sri S. F. Mohamoob Batcha
Nagier Street, Shevapet, Salem-2.

(Transferor)

- (2) M/s. Annamalai Cotton Mills Pvt. Ltd.,
32, Sivanar Chetty Street,
Gugai, Salem-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 4090/78, JSR I, Salem Agricultural lands 18.87 acres bearing K.S. No. 11 & 12 at Gajjalanaickenpatti Village, Salem Taluk.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 29-5-1979

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—176GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

- (1) 1. Smt. Sulochana, w/o Shri N. Subramania Chettiar also as power agent for
 2. N. Subramaniam Chettiar
 3. Ramachandran
 4. Kamatchi Ammal, Vallum, Paramakkudi Taluk.

(Transferor)

- (2) 1. K. Selvarajan,
 2. Dhanabalan,
 3. Manickavasagam,
 4. Balasubramanian
 5. Soundaripandian,
 111, East Masi Street,
 Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 15th June 1979

Ref. No. 83/NOV/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 211, situated at East Market Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Madurai (Doc. No. 4489/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 4489/78—JSR I, Madrai Land & Buildings at Door No. 211, East Market Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 15-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri K. S. O. Ponniah Rawther,
Sasthiram Balusamy Iyer Lane,
Dindigul

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th June 1979

Ref. No. 62/NOV/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 6/3, 6/4, 6/1, situated at Thottanuthu and S. No. 59/1 & 582 at Sirumalai Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindigul (Document No. 1755/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Document No. 1755/78 JSR II, Dindigul Agricultural Lands and Buildings in Survey No. 6/3, 6/4, 6/1 in Thottanuthu and S. No. 59/1 & 58/2 (Agl. Lands) in Sirumalai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 28-6-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 28th June 1979

Ref. No. 63/NOV/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 6/3 and 6/4, situated at Thottanuthu and SNo. 521/2, 522/2, 582/1, 582/3 and 582/4 Sirumalai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at ISR II Dindigul (Doc. No. 1756/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. S. O. Ponniah Rawther,
Sasthiram Balusamy Iyer Lane,
Dindigul

(Transferor)

(2) Shri P. Syed Mohamed,
s/o Shri K. S. O. Ponniah Rawther,
Sasthiram Balusamy Iyer Lane,
Dindigul

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1756/78 ISR II, Dindigul
Agricultural lands & Land & Buildings in S. No. 6/3 and 6/4 in Thottanuthu and agricultural lands in S. No. 521/2, 522/1, 522/2, 582/1, 582/3 and 582/4 in Sirumalai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 28-6-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th June 1979

Ref. No. 105/NOV/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2 & 3, situated at Bavasa Rawther Street, Begumpur, Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagalnaickenpatti, Dindigul (1529/78) on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. S Salima,
w/o Shahul Hammed,
Bavasa Rawther Street, Begumpur,
Dindigul.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sobiya Beevi, w/o A. Hanifa,
2. Hathija Beevi, w/o A. Shak Oli,
3. Hamida Begum, w/o A. Yusuf,
4. Mathina Begum w/o A. Mohideen,
2 & 3 ,Bavasa Rawther Street, Begumpur,
Dindigul.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1529/78—S.R.O. Nagalnaickenpatti

Land & Buildings at Door No. 2 & 3, Bavasa Rawther Street, Begumpur, Dindigul.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 28-6-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 2nd July 1979

Ref. No. 55/DEC/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing Survey No. 34/1B, situated at Kullagoundenur, Karuppur, Omalur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Omalur (Doc. No. 2034/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri C. Perumal &
Sri C. Duraiswami,
ss/o Shri Chinnaathambi Gounder,
Kullagoundenur, Karuppur,
Omalur Taluk, Salem District.

(Transferor)

(2) Shri K. Kandappa Gounder,
s/o Sri Kandappa Gounder,
Kullagoundenur, Karuppur,
Omalur Taluk, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2034/78—SRO Omalur.

Agricultural lands of 2.69 acres in Survey No. 34/1B in Kullagoundenur, Karuppur, Omalur Taluk.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 2-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri B. Satish, B. Premnath S/o Late Dr. P. P. Balakrishnan 4, Sivananda Nagar Colony, Coimbatore-12 and Shrimati B. Uma D/o Late Dr. P. P. Balakrishnan, 4, Margabandhu St., Salem-7.
(Transferor)

(2) Shri S. V. Chandramouli S/o M. S. Venkatarama Iyer 66, Satyamurthy Road, Ramnagar Coimbatore-12.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600006

Madras-600 006, the 5th July 1979

Ref. No. 4968.—Wheeras, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS. No. 11/54/5, Site No. 40, situated at Sanganur Village, Coimbatore Taluk, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 2715]78 on Nov. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 11/54/5, Site No. 40, Sanganur Village, Coimbatore Taluk. (Doc. No. 2751/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-7-1979,
Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Sheik Allauddin, S/o Anba Rowther 23/354,
Oppanakara St., Coimbatore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri C. N. Thambi S/o Late Nataraja Gounder 24
39-40, Palajalar Lane, Coimbatore Town.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600006**

Madras-600 006, the 6th July 1979

Ref. No. 4970.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Tatahad No. 11 St., situated at Site No. 529, TS No. 11/680, Sanganur Village, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 2692/78) on November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Site No. 529, Tatahad 11th St., T.S. No. 11/680, Sanganur Village Coimbatore Taluk. (Doc. No. 2692/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 6-7-1979,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
Madras-600006

Madras-600 006, the 5th July 1979

Ref. No. 4936.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/9, situated at Venkataswami Road, RS puram Coimbatore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 3833/78), on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17-176GI/79

(1) Shri N. K. Balasubramanian S/o Late N. V. Krishnaswami Iyer and Shri B. Raghavan S/o 27/9, Venkataswami Road RS Puram Coimbatore.

(Transferor)

(2) S/Shri Raju Arjundas, Kishore Arjundas Prem-kumar Arjundas and Omprakash Arjundas 696, Big Bazaar St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 27/9, Venkataswami Road, RS Puram, Coimbatore. (Doc. No. 3833/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Devirayan Ramasubramanian Balasubramanian Uthiram (P.O) Peravurani Tk.
(Transferor)
- (2) Shri K. Abdul Muthalif S/o Khader Mohideen Avanam Road, Peravurani.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006

Madras-600 006, the 26th June 1979

Ref. No. 8403.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, 2, 3, 4, 5, Mavadu Kurichi situated at Road, Peravurani, Pattukkottai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Peravurani (Doc. No. 1949/78) on November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 1, 2, 3, 4, 5, Mavadu Kurichi Road, Peravurani. (Doc. No. 1949/78).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 26-6-1979.

Seal :

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Muthayyan S/o Balaiah Thevar Balamurgan Ammani Chatram (PO) Peravurani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Luthaliff S/o Khader Mohideen Avanam Road, Peravurani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 26th June 1979

Ref. No. 8403.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6, 7, 8 and 9 situated at Mavadukurichi Road, Peravurani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Peravurani (Doc. No. 1950/78) in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 6, 7, 8, 9, Mavadukurichi Road, Peravurani. (Doc. No. 1950/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 26-6-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri K. T. K. Kadiresan Chettiar P. N. Palayam,
Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. P. L. Umayal Achi W/o S. Palaniappa
Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II**

Madras-600 006, the 5th July 1979

Ref. No. 4985.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site No. 5, Park Avenue, situated at Lay out, Sanganur Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 3278) in December 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Site No. 5, Park Avenue Lay out, Sanganur Village, Coimbatore. (Doc. No. 3278/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-7-1979.

Seal :

FORM ITNS —————

- (1) Shri K. N. Venkataraman S/o K. S. Narasimiah 34, Ponnurangam Road, RS Puram Coimbatore.
(Transferor)
- (2) Sri Dinesh Shantilal Shah, Mrs. Devy and D. Shah Jayshree G. Shah 11/12, Ponnurangam Road RS Puram Coimbatore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 4935.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS. No. 8/285, 286 & 287 situated at Ponnurangam Road West RS Puram, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 3445/78), in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

TH5 SCHEDULE

Land and building at TS. No. 8/285, 286 and 287, Ponnurangam Road West RS Puram, Coimbatore (Doc. No. 3445/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 6-7-1979.
Seal : .

FORM ITNS

(1) Shri K. S. Narasimiah, 34, Ponnurangam Road, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 6th July 1979

Ref. No. 4935.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34, Ponnurangam Road, situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 3444/78), in November, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Dinesh Shantilal Shah Devyani D. Shah Jayashree G. Shah 11/12, Ponnurangam Road, RS Puram Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 34, Ponnurangam Road, RS Puram, Coimbatore. (Doc. No. 3444/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-7-1979.
Seal

FORM ITNS—

- (1) Smt. Chellammal W/o Annamalai Gounder B. K.
Chetty St., Coimbatore-1.
(Transferor)
- (2) M/s. Sree Madhava Steel Traders, 46, Patel Road,
Coimbatore-9.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 5th July 1979

Ref. No. 4934.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
TS. No. 9/426 situated at G. Venkataswamy Layout, Anupperpalayam Village,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer
at Coimbatore (Doc. No. 3576/78), in November 1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No. 9/426, G. Venkataswamy Layout, Anupperpalayam, Coimbatore. (Doc. No. 3576/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 5-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. Balasubramanian, 12/2, Shanmugha Theatre Road, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. S. S. Mani S/o R. K. Vellaisamy Chettiar Kamatchi Metal Industries 272/1C, Gopal St., K. K. Pudur Coimbatore-38.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 5th July 1979

Ref. No. 4969.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 272/1C, Gopal St., situated at K. K. Pudur, Coimbatore-38.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 2717/78) in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 272/1C, Gopal Street K. K. Pudur, Coimbatore-38. Doc. No. 2717/78).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 5-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shrimati Yaraboly Eashwaramma W/o Y. Seetharama Reddy & others Ashok Nagar, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Chandran, Director, Devi Marine Food Exports (P) Ltd., Neelangarai, Muttukadu Road, Madras,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 4th July 1979

Ref. No. 6726.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 63/1, Part Nilangari situated at Village No. 145, at Muttukadu Road, Madras,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Saidapet (Doc. No. 1527/78) in November 1978,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2 Acres and 85 cents Land at Nilangarai No. 145, Saidapet Taluk Chingleput Dt. S. Nos. 38-A/1, 2, 3, 38-B, 37B. (Doc. No. 1527/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 4-7-1979.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) S. Nachiappan, S/o Chockalingam Chettiar, Needamangalam Road, Kumbakonam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. Kaveri Achi W/o A. R. Annamalai Chettiar, A 16, Thillainagar Main Road, Trichy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 26th June 1979

Ref. No. 8408.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act.'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Mangala Vilas, 4 A/3, situated at Aruna Nagar, Tiruchirapalli-17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 4801/78) in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at Mangala Vilas 4 A/3, Aruna Nagar Tiruchirapalli-17. (Doc. No. 4801/78).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-6-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri M. Kaliامurthy, S/o Muthukaruppa Konar Muthukonapatti, Mullur Village, Pudukottai Tk. S. P. Laxmanan, S/o Puduvayal E. S. P. Palaniappa Chettiar 21, Sri Ram Nagar, North, Alwarpet, Madras-18.

K. Chidambaran S/o Karuppiyah Konar Mrs. Ramu Annul W/o K. Veeriah, Ambalpuram, Pudukottai.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600 006, the 4th July 1979

Ref. No. 6817.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 13/3, situated at Nazrethpet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Poonamallee (Doc. No. 3475/78) in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri K. Veeriah S/o Karuppiyah Konar 2181, West 4th St., Pudukottai. S. P. Laxmanan, S/o Puduvayal E.S.P. Palaniappa Chettiar 21, Sri Ramnagar North Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 13/3, Nazrethpet (Doc. No. 3475/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-7-1979.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600006

Madras-600 006, the 9th July 1979

Ref. No. 4945.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 and 5, situated at Nehru Street, Erode, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Erode (Doc. No. 3863/78) in November 1978,

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri R. Rukmani Ammal W/o Late M. Rathnam Chettiar R. Brahadiwaran, R. Gopalakrishnan, V. K. Swarnamala W/o V. Kasi Viswanathan S/D/o M. Rathnam Chettiar Vasanth & Anand S/o R. Brahadiwaran, Senthilkumar S/o R. Gopalakrishnan, Tirupur Town.

(Transferor)

(2) Shri S. V. R. Krishnaramanujam S/o S. V. Rajagopal Mudaliar 15, Muthuswamy Mudaliar St., Fort Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 4 & 5, Nehru Street, Erode (Doc. No. 3863/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 9-7-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600006**

Madras-600 006, the 5th July 1979

Ref. No. 4937.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing T.S. Nos. 8/1360/9, 1366-A, situated at 1366-C-Part, High School Road, Devangapet, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. No. 3645/78), on November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) S/Shri V. S. Shanmugham, V. S. Chinnaswamy, V. S. Kulaindaivelu and V. C. S. House, Villakinar, Coimbatore Tk.

(Transferor)

(2) Shri S. Ravindran, 15/6, Rangaswamy Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land and building at T.S. Nos. 8/1360/9, 1366/A, 1366/C Part High School Road, Devangapet, Coimbatore (Doc. No. 3645/78).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kuppiah Mudaliar S/o Ayyappa Mudr, Gandhi
Hind Main Road, Madras.

(Transferor)

(2) Shri R. Karuppuswamy Chettiar S/o Ramaswamy
42, Vandikara Amabalankara St., Thanjavur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600006

Madras-600 006, the 10th July 1979

Ref. No. 8418.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS. No. 81 to 90 situated at Haridra Nadhi West Bank, Mannargudi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mannargudi (Doc. No. 2414/78) in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 81 to 90, Haridra Nadhi West Bank, Mannargudi. (Doc. No. 2414/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 10-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. Balasubramanian S/o Kuppiah Mudaliar
Gandhinagar II Ind Main Road, Madras.
(Transferor)

(2) Shri P. Karuppuswamy Chettiar S/o Ramaswamy
Vandikara Ambalakara St., Thanjavur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600006

Madras, the 10th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 8418/79.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS. No. 81 to 90 situated at Haridra Nadhi West Bank, Mannargudi, Mannargudi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mannargudi (Doc. No. 2413/78), in November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 81 to 90, Haridra Nadhi West Bank Mannargudi, (Doc. No. 2413/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Neela Thiagarajan, W/o Thiagaraja Mudr.
Sterling Road, Nungambakkam Madras.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-660006

Madras-600 006, the 10th July 1979

Ref. No. 8418.—Whereas, I RADHA BAI AKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS. No. 81 to 90 situated at Mannargudi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Mannargudi (Doc. No. 2505/79), on November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri R. Karuppaswamy S/o Ramaswamy Chettiar Vandikara Ambalakara St., Thanjavur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 81 to 90, Haridra Nadhi West Bank, Mannargudi. (Doc. No. 2505/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Vasantha Jagadisan, W/o T. V. Jagadisan 10-B
Crystal Collaba, Bombay Rep. by M. N. Sambamurthi 17, Rajaratnam St., Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sowra Syed, W/o A. Syed Ahamad 7, Vidya East Second St., T. Nagar, Madras-600 017.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600006

Madras-600 006, the 10th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 6780.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, North, Boag Road, situated at 3rd Lane, 8. T. Nagar, Madras-600 017, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, (Doc. No. 1289/78) in November 1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at No. 4, North Boag Road, 3rd Lane T. Nagar, Madras-600 017. (Doc. No. 1289/78). Date : 10-7-1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—176GI/79

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 10-7-1979 .

Seal :

FORM ITNS _____

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1). 1. Smt. R. Neelambal,
2. Shri R. Shanmugam,
3. Shri R. Doraiswamy,
4. Smt. Kasthuri,
5. Smt. V. M. Rani.
46, Nyniappa Maistry Street, Park Town, Madras-3,
(Transferor)

GOVERNMENT OF JNDA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADE AS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1979

Ref. No. 14/NOV/78.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 15, situated at Nyniappa Maistry Street, Park Town,
Madras-3

(and more fully described in the schedule)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer SRO Sowcarpet (Doc. 516/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Shri K. M. Radhakrishnan,
61, Kannigaiper Villager,
Pennalur Taluk, Chengleput Dist.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 516/78 SRO Sowcarpet.
Land & Buildings at Door No. 15, Nyniappa Maistry
Street, Park Town, Madras-3

**O. ANANDARAM,
Competent Authority**

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) 1. Smt. S. Kalyani and
2. Shri C. S. Rama Rao,
44/1, Central Street, Bangalore 1.

(Transferor)

(2) 1. Shri Soora Lingiah Chetty and
2. Smt. Soora Lakshmi Bai,
73, Landons Road, Madras-10.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 21/NOV/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 73 (Old No. 13), situated at Landons Road, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Periamet (Document No. 1206/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 1206/78 SRO Periamet.

Land & Buildings at Door No. 73 (Old No. 13) Landons Road, Madras-10.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 11-7-79.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Sinthamani Achi @ Meenakshi Achi,
Rangiyam, Thirumayam, Pudukottai.
(Transferor)

(2) M. Vesammal,
D/o Smt. Chellammal,
13, Jawahar Road, Sokkikulam, Madurai.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006**

MADRAS-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 1/NOV/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing New Door No. 13 Old No. 11, situated at Jawahar Road, Sokkikulam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Tallakulam, Madurai (3319/78) on November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 3319/78 SRO Tallakulam,

Land & Buildings at Door No. 13 (Old No. 11) Jawahar Road, Sokkikulam, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 4/NOV/78.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 457/3, 457/2, situated at Kulavanigapuram, Palayamkottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Melapalayam (Doc. 2178/78) on November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. S. Mahalakshmi,
 W/o Shri N. G. Subbiyer,
 Power Agent by Shri N. Ramasamy Iyer,
 Shahavalas Colony, Sankar Nagar, Adambakkam,
 Madras.

(Transferor)

(2) Shri M. Marimuthu,
 S/o Manickam Nadar,
 Tinneveli Junction High Road,
 Tinneveli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 2178/78 SRO Melapalayam.

Land & Buildings in R.S. No. 457/3, 457/2 Kulavanigapuram 1st Street, Palayamkottai.

O. ANANDARAM,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 12-7-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 7/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old No. 19 (New No. 3) situated at Mottaikkaran Street, George Town, Madras (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I North Madras (Doc. No. 4718/78) on Nov. 78 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri P. M. Sathar, S/o Shri Mohamed Yoosuff, Old No. 19, Mottaikkaran Street, Madras-1. (Transferor)
- (2) Mrs. Latheefa Beevi, W/o Shri O.A.P. Kader Ibrahim, No. 47, Thakkadai Street, Ilayangudi, Ramnad Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Document No. 4718/78 JSRO I, North Madras

Land & Buildings at Door No. 19 (New No. 3), Mottaikkaran Street, George Town, Madras.

O. ANANDARAM
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-79
 Seal :

FORM ITNS

- (1) Lt. Col. M. Osman, 'Shanthi Nivas', 53, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.
(Transferor)
- (2) Mrs. Rahmatha Bai, W/o Shri M. Hashim Ibrahim Sait, Flat No. 5, 1 Floor, 'Shanthi Nivas' 53-C, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 22/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5, 1 Floor situated at Shanthi Nivas, 53-C, Pantheon Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Periamet, Madras (Doc. 7297/78) on November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 7297/78—SRO Periamet.

House Property at Flat No. 5, 1 Floor, 'Shanthi Nivas', 53-C, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-7-79
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INNCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 27/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 53, II Floor situated at Anand Building, Casa Major Road, Madras-8

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1169/78) on November 1978,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Pushpa Vashdev, No. 3, Jeremiah Road, Vepery, Madras-8.
 (Transferee)

(2) 1. Dr. M. D. Reddy, 2. Mrs. Chandramala Reddy, represented by their mother and agent Smt. Saraswathy Reddy, 24, Haddows Road, Madras-6.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 1169/78 SRO Periamet
 House Property at Flat No. 53, II Floor, Anand Building, Casa Major Road, Madras-8.

O. ANANDARAM
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-79
 Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Ahalya Radhakrishnan, 12, Asha Muhal,
Nowroji Gamadia Road, Bombay-26.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 31/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7, situated at Rajaratnam Street, Kilpauk, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Doc. No. 1267/78) on November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 1267/78 SRO Periamet

Land and Buildings at No. 7, Rajaratnam Street, Kilpauk, Madras-10.

O. ANANDARAM
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—176GI79

Date : 12-7-79
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 40/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 11 and 12 situated at Gajjalnaickenpatti, Salem Taluk and Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Salem (Doc. No. 4090/78) on November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. E. Syed Rahim, 2. S. E. Syed Ismail, 3. S. E. Syed Usman, 4. S. E. Mchboob Basha, R/o Naga Iyer Street, Shevapet, Salem, 5. Syedunnisa W/o late M. A. Abdul Rahman Sahib Mujib Sahib Street, Dharmapuri, 6. Saberunnisa, W/o Ahamed Basha Sahib, Mujib Sahib Street, Dharmapuri, 7. Surfunnisa W/o P. M. Navabjan, Arunachala Kiramani Street, Madras-30; 8. Kamrunnisa W/o M. Syed Abdul Khader, Special Officer, Arkonam Municipality, Arkonam.

(Transferor)

(2) Annamalai Cotton Mills Pvt. Ltd. by Joint Managing Director P. Visvanathan, Gajjalnaickenpatti, Salem Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4090/78 JSRO I, Salem

Agricultural lands in S. No. 11	—	10.80 acres
Agricultural lands in S. No. 12	—	7.95 acres
		18.75 acres

in Gajjalnaickenpatti, Salem Taluk.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-7-79
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri S. Viswanathan,
S/o S. T. Venkatarama Chettiar,
2. Sri Pandurangan,
S/o S. Viswanathan,
25, Salem Trichy, Main Road, Namakkal.
(Transferor)

- (2) 1. K. Muthia,
S/o Karuppiah Pillai, Door No. 133, Namakkal
Thuraiyoor Road, Namakkal.
2. Sri Venkatachalam Naidu. S/o Govindasamy
Naidu, Door No. 54, Natarajapuram, Namakkal.
3. Sri Karuppannan,
S/o Etti Gounder, Pulavapalayam, Rasampala-
yam Village, Namakkal Taluk, Salem Dist.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 43/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26, situated at Namakkal Main Road, Namakkal Town, Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO Namakkal (Doc. No. 1359/78) on Nov. 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1359/78 JSRO Namakkal

Land & Buildings at Door No. 26, Namakkal Main Road, Namakkal Town, Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-7-79
Seal :

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 45/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 30 situated at Mill Street, Paramathi Village, Namakkal Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO Namakkal (834/78) on November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Sri M. Maruda Chettiar, S/o P. P. Muthusami Chettiar 20, Chetty Street, Tiruchengode, Salem Dist.

(Transferor)

(2) 1. Sri E. S. Ramasamy, S/o Eruttanai Subbanan, Door No. 29, A. S. Pettai, Namakkal Town, Salem District.

2. Sri E. S. Muthusami S/o Eruttanai Subbanan, No. 84, Namakkal Tiruchengode Road, Namakkal Town Salem District.

3. Sri K. P. Duraisami, S/o Palania Gounder, Door No. 38, Mohanur Road, Gandhi Nagar, Namakkal Town, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 834/78 JSRO Namakkal

Land & Buildings (Rice & Oil Mills) at Door No. 30, Mill Street, Paramathi Village, Namakkal Taluk, Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-7-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 55/NOV/78.—Wheeras, J. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land situated at Siviyampatti & Eachampatti, Athur Taluk, Salem Dist. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Athur (Doc. No. 1816/78) on November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. S. Ramasamy,
2. Smt. S. Pachiammal,
Opp : Government Boys' High School, Athur,
Salem Dt.

(Transferor)

(2) 1. Smt. S. Alamelu Ammal,
2. Sri Subbaraya Udayar,
3. S. Vadivel,
4. S. Sengamalai,
5. S. Chidambaram,
6. S. Marimuthu,
7. V. Pachamuthu,
8. V. Dharmar,
Eachampatti Kattukottai, Athur Taluk, Salem
Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1816/78 SRO, Athur

Agricultural Lands at Siviyampatti Village and Eachampatti Village, Athur Taluk, Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-7-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 56/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural lands situated at Narasingapuram and Arthur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Arthur Doc. No. 1816/78 on November 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Alamelu Ammal, W/o Subbaraya Udaiyar,
2. Shri Subbaraya Udaiyar,
3. Shri S. Vadivel S/o Subbaraya Udaiyar,
4. Shengamalai S/o Subbaraya Udaiyar,
5. Pachamuthu S/o Subbaraya Udaiyar,
6. Chidambaram S/o Subbaraya Udaiyar,
7. Marimuthu S/o Subbaraya Udaiyar,
8. Pachamuthu S/o Vadivel,
9. Dharma,
Eeachampatti Kattukottai, Athur Taluk, Salem Dist.
(Transferor)

- (2) 1. E. S. Ramasamy,
2. Smt. Pachiammal W/o No. 1,
3. Shri Periasamy S/o No. 1,
Opposite to Govt. Boys' High School, Athur, Salem Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1816/78 SRO Arthur

Agricultural lands Survey No. 311/2, 312/2 in Narasingapuram Village, Survey No. 566/8, 566/9, 566/10, 585/1, 595/1, 585/3A, 585/3B, 595/1, in Arthur, Salem Dist.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-7-79

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Major M. Theogaraj,
14, Sundarlal Nahata Avenue,
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th July 1979

Ref. No. 58/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7, situated at St. Thomas Road, Palayamkottai.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Palayamkottai, (Doc. No. 2460/78) on Nov. 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Muhammed Nainar Mosque (Pallivasal) Pattai, Tinnelveli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 2460/78 SRO Palayamkottai
Land & Building at Door No. 7, St. Thomas Road
Palayamkottai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-79

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) The Official Reciver of Dharmapuri at Krishnagiri.
(Transferor)
- (2) Shri V. Mohan Govindadas,
W/o K. G. Venkatachalam,
Kaveripattinam.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 59/NOV/78.—Wheeras, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

56A, 57, 58, 59 & 60 situated at Bangalore Road, Boganapatti, Krishnagiri

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO II Krishnagiri (Doc. 2297/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 2297/78 JSRO II, Krishnagiri

Land & Buildings at Door No. 56A, 57, 58, 59 & 60 at Road, Boganpatti, Krishnagiri Town.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th July 1979

Ref. No. 64/NOV/78.—Wheeras, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at I Ward, Soori Chetty Extension, Chairman Kuttappa Gounder St. Tirupathur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Triupathur (3487/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. Smt. Asl Bai,
W/o Milapchand,
2. Smt. Kamala Bai,
W/o Gulab Chand.

}
50, Alangayam Road,
Tirupathur, N.A. Dt.

(Transferor)

2. Shri K. C. Subramania Mudaliar,
S/o Kannappa Mudaliar,
KORATTI Tirupathur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3487/78 SRO Tirupathur

Land & Buildings at Chairman Kuttappa Gounder street, Soori Chetty Extension I ward, Tirupathur N. A.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 12-7-79

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
21-176G/7)

FORM ITNS—

(1) Smt. Jayalakshmi W/o Sekaran by power Agent
Shri A. Balasubramniam, 37, Main Road, Palangana-
tham, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras 600006, the 12th July 1979

Ref. No. 66/NOV//8.—Whereas, J. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-B and 4 situated at North Veli Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISRO II Madurai (Doc. No. 4205/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri S. M. G. Manickavasagam,
S/o S. M. Gurusamy Chettiar,
4/59, Lajapathirai Road,
Paramakudi, Ramanad District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDELE

Document No. 4205/78 ISRO Madurai

Land & Buildings at Door No. 3, 3-B, and 4 in North Veli Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 12-7-79
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Jayalakshmi W/o Shri Sekaran by power agent
Shri A. Balasubramanian, 37, Main Road, Palangantham, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. M. M. Pushpam Ammal,
W/o Sri Mapillai Chettiar,
3/803, Naicker Street, Paramakudi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th July 1979

Ref. No. 67/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, 3-A, 3-B and 4 situated at North Veli Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II Madurai (Doc. No. 4206/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 4206/78 JSRO II Madurai

Land & Buildings at Door No. 3, 3-A, 3-B and 4 in North Veli Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt Jayalakshmi W/o Shri Sekaran by power agent
Shri A. Balasubramaniam, 37, Main Road, Palangantham, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. S. M. G. Poomaiyil Ammal,
W/o S. M. Gurusamy Chettiar,
4/59, Lajapathirai Road, Paramakudi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th July 1979

Ref. No. 68/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-B & 4 situated at North Veli Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II Madurai (Doc. 4207/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Document No. 4207/78 JSRO II Madurai

Land & Buildings at Door. No. 3-B and 4 in North Veli Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 12-7-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

FORM ITNS—

- (1) Minor Kalyani D/o Sri A. Balasubramaniam 37,
Palanaganatham, Madurai.
(Transferor)
- (2) S. M. G. Manivasagam,
4/59, Lajapathirai Road,
Paramakudi,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th July 1979

Ref. No. 69/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3A/1, situated at North Veli Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II Madurai (Doc. No. 4208/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4208/78 II, Madurai

Land & Buildings at Door No. 3-A North Veli Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 12-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Minor Kalyani by guardian and father Shri A. Balasubramniam,
(37), Balaganatham Main Road, Madurai.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th July 1979

Ref. No. 70/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-A, /1 situated at North Veli Street, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II Madurai (Doc No. 4209/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Minor Lakshmanan by guardian and father Shri S. M. Gurusamy Chettiar, 4/59, Lajapathirai Road, Paramakudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1921) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 4209/78 JSRO II Madurai

Land & Buildings at Door 3A/1 North Veli Road, Madurai,

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Rajeswari, by power agent Shri A. Balasubramaniam, 37, Palaganatham Main Road, Madurai.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. M. Pushpam Ammal, W/o Sri Mapillai Chettiar, 4/59, Lajapathirai Road, Paramakudi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th July 1979

Ref. No. 71/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 3-B & 4 situated at North Veli Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II Madurai (Doc. No. 4210/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 4210/78 JSRO II, Madurai

Land & Buildings in Door No. 3-B & 4 in North Veli Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 12-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Jayalakshmi
by power Agent Sri A. Balasubramaniam,
No. 37, Palaganatham Main Road, Madurai.
(Transferor)

(2) Minor Lakshmanan
by father & guardian Shri S. M. Gurusamy
Chettiar, 4/59, Lajapathirai Road,
Paramakudi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 72/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3A and 4, situated at North Veli Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO II Madurai (Doc. 4211/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 4211/78 JSRO II, Madurai.

Land and Buildings at Door No. 3-A, and 4 in North Veli Street, Madurai.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 12-7-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 73/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-B and 4, situated at North Veli Street, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II Madurai (4212/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Rajeswari,
power Agent by Shri A. Balasubramaniam,
37, Palaganatham Main Road, Madurai,
(Transferor)
- (2) Smt. S. M. G. Poornayil Ammal,
W/o Shri S. M. Gurusamy Chettiar,
59, Iegapathirai Road, Paramakudi,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 4212/78 JSRO II, Madurai.

Land and Buildings at Door No. 3-B and 4 North Veli Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 12-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—176GT/79

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 74/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-B and 4, situated at North Veli Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II Madurai (Doc. 4213/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Jalayakshmi by power Agent Shri A. Balasubramaniam, 37, Palaganathum Main Road, Madurai. (Transferor)
- (2) Shri M. Paraman, 3/803, Naicker Street, Paramakudi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4213/78 JSRO II, Madurai.

Land and Buildings at Door No. 3-B, and 4, North Veli Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 12-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Subbulakshmi,
Power Agent by Shri A. Balasubramaniam,
No. 37, Palaganatham Main Road, Madurai.

(Transferors)

(2) Smt. M. M. Pushpam Ammal,
3/803, Naicker Street,
Paramakudi, Ramnad Dt.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 12th July 1979

Ref. No. 75/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, situated at North Veli Street, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO II, Madurai (Doc. 4214/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and, that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 4214/78 J.S.R.O. II, Madurai.

Land and Buildings at Door No. 5, North Veli Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Shri K. Gurusami Chettiar
2. Shri G. Kumaresan,
91, Dindigul Road, Madurai.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Siddique Ali.
S/O Naina Mohamed
South Street, Thondi.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 12th July 1979

Ref. No. 79/NOV/78.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 91, 92 to 94 situated at Dindigul Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam, Madurai (1984/78) on Nov. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 1084/78 SRO Pudumandapam.
Land and Buildings at Door No. 91, 92, 93 & 94 at Dindigul Road, Madurai (1/3rd share).

O. ANANDARAM
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1979
Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri K. Gurusami Chettiar and
2. Shri G. Kumaresan,
91, Dindigul Road, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

- (2) Shri Jaffar Sadique Ali,
S/O Sri Naina Mohamed,
South Street, Thondi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, dated 12th July 1979

Ref. No. 80/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. No. 91, 92, 93 and 94, situated at Dindigul Road, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam (Doc. 1989/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 1989/78 SRO Pudumandapam.

Land and Buildings at Door No. 91, 92, 93 and 94 Dindigul Road, Madurai (1/3rd share).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 12th July 1979

Ref. No. 81/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 30 Ward No. 41, situated at Khanpalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cross Street, Madurai.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. N. S. Kaveri Ammal W/o N. N. Subbaiyer, 28-C, Chinthamani Road, Madurai.
2. Smt. K. K. Vijayalakshmi W/o Shri Krishnamachari, 3, Panthadi 3rd Street, Madurai.
3. Smt. M. R. Jayalakshmi W/o Manickaraja Ramaiyer, Kilmadurai Railway Station Road, Madurai.

(Transferor)

- (2) Smt. B. Krishnaveni Ammal, W/o Shri Balusamy Chettiar, Pandugudi, Thiruvadanai Taluk, Ramnad Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4449/78 JSRO I, Madurai.
Land and Buildings at Door No. 30, Ward No. 41 Khanpalayam Cross Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 12-7-1979
Seal :

FORM HNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 82/NOV/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

30, Ward No. 41, situated Khanpalayam Cross Street, Madurai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 4500/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Shri T. S. Rangachari,
30, Khanpalayam Cross Street, Madurai.
2. Shri T. R. Desikan,
S/o T. S. Rangachari, 30, Khanpalayam Cross Street, Madurai.
3. Shri T. R. Anandan, S/o T. S. Rangachari,
30, Khanpalayam Cross Street, Madurai.
4. Smt. M. R. Dhanalakshmi Ammal,
W/o Ramamurthy, (Member) 356PM
Sowrashtupuram, Vandiyur, Madurai-20.
(Transferors)

- (2) Smt. B. Krishnaveni Ammal,
W/o Shri Balusamy Chettiar,
Pandugudi, Thiruvadanai Taluk, Ramnad District.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4500/78 JSRO I, Madurai.
Land and Buildings at Door No. 30, Khanpalayam Cross Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 12-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Minor Kavitha
by father and guardian
Shri Manimozian,
37, Palaganatham Main Road, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. S. M. G. Poomayil Ammal,
W/o Shri S. M. Gurusamy Chettiar,
4/59, Lajapathirai Street,
Paramakudi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 84/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-A, situated at North Veli Street, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at JSRO I, Madurai (Doc. 4344/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4344/78 JSRO I, Madurai.
Land and Buildings at Door No. 3-A, North Veli Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 12-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Indirani
by power agent Shri A. Balasubramaniam,
37, Palaganatham Main Road, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri M. Paraman Chettiar,
3/803, Naicker Street,
Paramakudi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 12th July 1979

Ref. No. 85/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at North Veli Street, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. 4339/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Document No. 4339/78 JSRO I, Madurai.

Land and Buildings at Door No. 5, North Veli Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 12-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

23—176GI/79

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) 1. T. P. Murugan,
 2. T. P. Sivanandam,
 3. T. P. Srinivasagam,
 4. T. P. Prakasam
 S/o Shri P. P. M. T. Ponnusamy Nadar, South
 and North Cotton Road, Tuticorin.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006**

Madras-600 006, dated 12th July 1979

Ref. No. 93/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 623/7, 623/8, situated at Ettayapuram Road, Kovilpatti. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Kovilpatti (2389/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Shri R. Joseph,
 President, on behalf of Tinnevelly Dist. Cottage Match Manufacturers' Association, Kovilpatti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 2389/78 SRO Kovilpatti.
 Land and Buildings in T. S. No. 623/7 and 623/8, Ettayapuram Road, Kovilpatti.

O. ANANDARAM
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 12-7-1979
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) 1. Prafulchandra,
36, Dr. Muniappa Road, Madras-10.
(Transferor)

2. Ramesh Chandra,
No. 4, Ramanatha Chetty Street,
Madras-10.

(2) Smt. D. Mangamma,
30, Venkatesa Naicken Street,
Madras-10.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 12th July 1979

Ref. No. 101/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 205 (New), situated at Govindappa Naicken Street, Madras-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO North Madras on November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4674/78 JSRO North Madras,
Land and Buildings at Door (New) No. 205, Govindappa
Naicken Street, Madras-1.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 12-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) S. Lalchand Dadha Trust,
108, Nyniappa Naicken Street,
Madras-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 12th July 1979

Ref. No. 107/NOV/78.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 612, situated at Govindappa Naick Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madras-North (Doc. No. 4113/78) on Nov 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Dadha & Company Golden Luba Trust,
108, Nyniappa Naicken Street,
Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4113/78 JSRO I, Madras North.
Land and Buildings at R. S. No. 612, Govindappa Naick Street, Madras.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 12-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Vijaya Menon,
No. 13, Alagappa Nagar,
Madras-10.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 12th July 1979

Ref. No. 108/NOV/78.—Whereas, I. O. ANANDARAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Madras being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13, situated at Alagappa Nagar, Madras-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at JSRO I. North Madras (Doc. 4366/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Y. S. Vivekananda Reddy,
No. 13, Alagappa Nagar, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 4366/78 JSRO I. North Madras.
Land and Buildings at Door No. 13, Alagappa Nagar,
Madras-10.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 12-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 12th July 1979

Ref. No. 6/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 24, situated at Thandavaraya Pillai Street, Sowcarpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madras North (Doc. No. 4671/78) on Nov. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri T. A. Subramaniam,
No. 21-A (New No. 24)
Thandavaraya Pillai Street,
Sowcarpet, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri S. B. Sagarmall,
No. 65, Narayana Mudali Street,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4671/78 JSRO I, Madras North.

Land and Buildings at Door (New) No. 24, Thandavaraya Pillai Street, Sowcarpet, Madras.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Haridas Purushothamdas,
New No. 1, Nowroji Road,
Chetpur, Madras-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 12th July 1979

Ref. No. 8/NOV/78.—Whereas, J. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17, situated at Managappan Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet, Madras (Doc. 558/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Tejraj Surana Trust, represented by its managing Trustee Shri Pannalal Surana, 27, Kandappa Mudali Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Document No. 558/78 SRO Sowcarpet.
House Property at Door No. 17, Managappan Street,
Madras-1.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 13th July 1979

Ref. No. 94/NOV/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

192, 192A, 192B, 193, 194, 195 situated at Opposite to Stadium, Balamore Road, Nagercoil, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO II, Nagercoil (Doc. 4064/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri V. Narayana Iyer,
Presiding Officer, Labour Court,
Madurai (Nagercoil Gramam, Nagercoil)

(Transferor)

(2) Shri N. Paramasivan,
Pushpanjali,
Kumari Colony, Vettornimadam,
Nagercoil.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4064/78 JSRO II, Nagercoil.
Land and Buildings at (Survey No. 1273 and 1274) Door Nos. 192, 192A, 192B, 193, 194 and 195—Opp: to Stadium, Balamore Road, Nagercoil.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 12-7-1979
Seal :

FORM ITNS _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri P. K. Venkataraman,
 2. Shri V. Shanmugam
 3. Shri V. Murugan and
 4. Shri K. V. Palaniappan.
 6, Geils Street, Mannadi, Madras-1.
 (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(2) Shri M. Selvaraj,
Shri M. Govindaraj,
Shri M. Mohanraj
6, Nainiappan Street,
George Town,
Madras-1.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th July 1979

Ref. No. 104/NOV/78.—Whereas, I. O. ANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, situated at Savarimythu Street, George Town, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO III, Madras North (Doc. No. 4703/78) on Nov. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24-176 GI/79

THE SCHEDULE

Document No. 4703/78 JSKO III, Madras North.
Land and Buildings at Door No. 4, Savarimuthu Street,
George Town, Madras-1.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 13-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) S. Nataraja Pillai
S/o. Subbaraya Pillai
Kadur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961*(43 OF 1961)

(2) Sri Sakthi Enterprises,
C-80, 10th St., Thillai Nagar,
Trichy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, dated 16th July 1979

Ref. No. 8415.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17, 17A, 19, 20, 21 and 25, situated at Mela Agraharam Street Ariyalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ariyalur (Doc. No. 1937/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 17, 17A, 20, 19, 21 and 25 Mela Agraharam St., Ariyalur.
Doc. No. 1937/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1979.
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sundaralinga Chettiar
Sivaraman, Sathyenathyan
South Chetty St., Sri Muzham.

(Transferor)

(2) Subramania Chettiar,
S/o, Krishna Chettiar, Kanoor
Chidambaram Tk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 16th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 8433.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 249/2A, situated at Sri Lakshmi Talkies, Srimushnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Srimushnam (Doc. No. 1936/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land, building machineries etc. at S. No. 249/2A Sri Lakshmi Talkies, Srimushnam, Chidambaram Tk.
(Doc. No. 1636/78).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 16-7-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Meena Muthiah W/o M. Ct. Muthiah
T. 9/2, Elliots Beach Road,
Madras-90.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 16th July 1979

Ref. No. 6814.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 4573/40, situated at 11, North Leith Castle Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1583/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Building at 11, North Leith Castle Road, Madras. (Doc. No. 1583/78).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 16-7-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Khairunissa Begum & Mr. Syed Ali Mohamed
15/2, Marshalls Road,
Madras-8.

(Transferor)

(2) M. B. S. Arabic College,
Vellore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 16th July 1979

Ref. No. 6764.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10, situated at Rajakumari Padmavathi Road Madras-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 4426) on November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building 10, Rajakumari Padmavathi Road, Madras-86.

(Doc. No. 4426/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1979.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 4947.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 369, Kotagiri situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Doc. No. 891/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) N. Nanjundan,
S/o Late Basuvayya
Gounder Chandravilas, Ooty, Nilgiris.

(Transferor)

(2) T. M. Jogi
Late Madha Gounder,
Thumbur, Kotagiri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 369 Kotagiri.
(Doc. No. 891/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt: Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 12-7-1979
Seal :

FORM ITN9

(1) S. O. Abdul Malik,
33, Venkataperumal Naidu St., Erode.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 4956.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 257, Nethaji St., situated at Erode (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. No. 3785/78) on Nov. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Kamakshi (Aljas) Amudha
W/o Lakshmanan
257, Nethaji St., Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at No. 257, Nethaji St., Erode.
(Doc. No. 3785/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 4953.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- T. S. No. 286/1/10/4 situated at Puduthottam Kamaraj Road, Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. No. 1476/78) on Nov. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) P. Kandaswamy, P. Muthukar,
Rep. by R. Muthuswamy
Kamraj Road, Puduthottam, Tiruppur.
(Transferor)
- (2) S. Rathinammal
W/o P. Subramaniam Chettiar
Kamakshiamman Koil, St., Tiruppur Town.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at HS No. 286/1/10/4, Kamaraj Road, Puduthottam Tiruppur Town.
(Doc. No. 1476/78).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 12-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri
Rangaraju Gounder,
T. R. Sengottu Veluswamy
T. R. Nageswaran
T. R. Ponnambalam
8, Bhaskarayyar St., Gobichettipalayam,
(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 4960.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at Bhaskarayyar St., Gobichettipalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobi (Doc. No. 2217/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Dr. C. Thangamuthu
S/o K. Chinnasawmy gounder
4, Baskara Iyer St., Gobichettipalayam-638 452.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building No. Baskarayyar St., Veerapandi Village Kaspa Gobichettipalayam.
(Doc. No. 2217/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 12-7-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Ref. No. 4962.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 34, situated at 'Rathna Rice Mill', Uthukuli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nithukuli (Doc. No. 663/78) on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ramaswamy
 S/o Palaniswamygounder
 Periyarpalayam
 Mudhalipalayam, Palladam Tk.

(Transferor)

(2) M. Krishnaveni
 W/o Mariyappan
 S. Thirunavukkarasi
 W/o C. Subramaniam
 Uthukuli Kaspa Erode Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill known as Rathna Rice Mill with land building and machineries at No. 34, Uthukuli.

(Doc. No. 663/78).

RADHA BALAKRISHNAN,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 12-7-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) M. Vellingiri,
S/o Marimuthu Chettiar
114, Market Road, Pollachi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Nachammal
W/o K. P. Gopalswamy Chettiar,
13, A. S. D. Furam, Pollachi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th July 1979

Rcf. No. 4930.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. TP 10, B Colony Mahalingapuram, Kottampatti Pollachi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 2432/78) on November 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Land and building at TP 10, B Block, Mahalingapuram, Kottampatti Pollachi.
(Doc. No. 2432/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) R. Krishnaraja Kalingarayar
M/s. Kalingarayar & Co., Ltd.,
6/49, Cross Cut Road, Coimbatore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chellamuthu Kandaswamy
S/o Thirumalaiswamy gounder
C.A. 7, Bharathi St., Mahalingapuram, Pollachi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 16th July 1979

Ref. No. 4929.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34, Jamin Uthukuli Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 2416/78) on November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 34, Jamin Uthukuli Village.
(Doc. No. 2416/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 16-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) N. Satyanathan
S/o Late N. Doraiswamy Iyer
72, UIMain Road, Kasturbanagar,
Madras-20.

(Transferor)

(2) S. S. M. Brothers (Trust)
Konarapalayam, Salem Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 18th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 6825.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. 96 and 96/1 situated at Mount Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 1295/78) on November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 96 and 96/1, Mount Road, Madras.
(Dos. No. 1295/78).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 18-7-1979
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 21st July 1979

Ref. No. 6823.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (39A), Baghirathi, situated at Ammal St., T. Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 1253/78) on November 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Mrs. Mangalam Pattabhiraman & others
T. 26, 7th Avenue, Besant Nagar,
Madras-90.

(Transferor)

(2) D. Muthu Purushothaman,
Thondamanatham Village,
Cuddalore Tk. S.A. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land and building at 39, Baghirathi Ammal St., T. Nagar, Madras.
(Doc. No. 1253/78).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 21-7-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri B. Sathar Singh,
S/o Shri Balaji Singh
Koodalalagappa Perumal Koil Mela Mada
Veedhi, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 19th July 1979

Ref. No. 106/Nov/78.—O. ANANDARAM
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8, 9, 9-A & 10, situated at Koodalalagar Perumal Koil West Mada Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at JSROI Madurai (Doc. No. 3304/78) on November 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri S. R. Lakshmana Reddiar,
7-B, Rajam Illam, Royal Road, Tiruchy.
2. Shri R. Raman,
B-4 Vivekananda Nagar, Trichy Road,
Dindigul.
3. Smt. P. Thayasiammal,
w/o R. Perumal Reddiar,
Chintamani, Nanguneri Taluk,
Tinnelveli Dist.
4. Shri R. Pattabiram,
3-B, West Vadampokki Street, Madurai.
5. Shri R. Kalayanaraman,
S/o Rajagopal Reddiar, Munainjipatti,
Nanguneri Taluk, Tinnelveli Dist.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 3304/78, JSRO I, Madurai.

Land & Building at Door No. 8, 9, 9-A and 10 at Koodalalagar Perumal Koil West Mada Street, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 19-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

